https://www.instagram.com/sachbedhadakd https://www.youtube.com/@SachBedhadakD https://x.com/SachBedhadakD https://www.facebook.com/SachBedhadakD

दैनिक हिन्दी अख़बार

FIRST INDIA

सच बेधड़क

फर्स्ट एक्सप्रेस पब्लिशर्स द्वारा प्रकाशित

रक्षाबंधन आज

वर्ष: 4 I अंक: 240 जयपुर, शनिवार, 09 अगस्त, 2025 I श्रावण, शुक्ल पक्ष-पूर्णिमा, विसं 2082 पृष्ठ: 10 I मूल्य: 3.00

जरूरी खबर

रक्षाबंधन पर बहनें दिनभर बांध सकेंगी भाइयों को राखी

जयपुर। रक्षाबंधन का पर्व श्रावणी पूर्णिमा पर शनिवार को हर्षोल्लास से मनाया जाएगा। इस बार यह पर्व भद्रा रहित है। यह संयोग पांच वर्ष बाद बन रहा है। बहनें पूरे दिन भाइयों की कलाई पर रक्षा सूत्र बांध सकेंगी। ज्योतिषाचार्य पंडित दामोदर प्रसाद शर्मा ने बताया कि रक्षाबंधन पर धनिष्ठा श्रवण नक्षत्र के साथ सौभाग्य, शोभन और सर्वार्थसिद्धि योग बनेंगे। राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े और सीएम भजनलाल शर्मा ने प्रदेशवासियों को रक्षाबंधन पर्व की बधाई और शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने कहा है कि रक्षाबंधन का पर्व भाई-बहन के अटूट स्नेह का प्रतीक होने के साथ हमारी समृद्ध संस्कृति का परिचायक भी है। यह त्योहार हमें हमारी बहनों के सम्मान एवं सुरक्षा के लिए वचनबद्ध करता है।

यूथ कांग्रेस में नियुक्त किए गए 206 पदाधिकारी

जयपुर। राजस्थान यूथ कांग्रेस ने संगठन को मजबूत करने के लिए बड़े स्तर पर नियुक्तियां की हैं। भारतीय यूथ कांग्रेस के प्रदेश प्रभारी कृष्णा अल्लवरु और राष्ट्रीय महासचिव मनीष चौधरी ने प्रदेश कार्यकारिणी की सूची जारी की, जिसमें 62 महासचिव, 34 संयुक्त सचिव और 111 सचिवों सहित कुल 206 पदाधिकारियों को नियुक्त किया गया है। यह कदम करीब ढाई साल बाद यूथ कांग्रेस के अध्यक्ष और महासचिव के चुनाव के बाद उठाया गया है।

सच बेधड़क
दैनिक हिन्दी अख़बार
अख़बार की प्रति प्राप्त करने के लिए
+91 95711 98777
पर सम्पर्क कर अपना पता नोट करवाएं।

रक्षाबंधन पर मोदी सरकार का तोहफा

रसोई को राहत: सब्सिडी के लिए दिए 30 हजार करोड़

बेधड़क | नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में शुक्रवार को हुई केंद्रीय कैबिनेट की बैठक में कई बड़े फैसले लिए गए। बैठक में 52,667 करोड़ रुपए के पैकेज को मंजूरी दी गई, जिसमें एलपीजी, शिक्षा, बुनियादी ढांचा और पूर्वोत्तर क्षेत्र के विकास पर विशेष जोर दिया गया है। रक्षाबंधन पर सरकार ने रसोई को बड़ी राहत देते हुए प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के लिए 12,060 करोड़ रुपए का प्रावधान किया है। वहीं घरेलू रसोई गैस को सस्ती करने के लिए 30 हजार करोड़ रुपए आवंटित किए गए हैं। शिक्षा के क्षेत्र में तकनीकी संस्थानों के बुनियादी ढांचे को सुदृढ़ करने के लिए भी 4200 करोड़ रुपए दिए गए हैं।

पूर्वोत्तर के राज्यों पर फोकस

कैबिनेट मीटिंग में पूर्वोत्तर राज्यों पर विशेष फोकस करते हुए असम और त्रिपुरा के लिए 4,250 करोड़ रुपए का स्पेशल विकास पैकेज स्वीकृत किया गया है। वहीं, दक्षिण भारत में सड़क संपर्क को बेहतर बनाने के लिए मरक्कनम–पुडुचेरी फोर-लेन हाईवे के निर्माण और डेवलपमेंट के लिए 2,157 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है।

तेल कंपनियों को 12 किस्तों में किया जाएगा सब्सिडी का भुगतान

बैठक में सार्वजनिक क्षेत्र की तीन तेल विपणन कंपनियों- इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड, भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड और हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड को घरेलू एलपीजी बिक्री पर हुए घाटे की भरपाई के लिए 30 हजार करोड़ के मुआवजे को मंजूरी दी गई। यह राशि इन कंपनियों के बीच वितरित की जाएगी। इस राशि का भुगतान इन तीनों तेल कंपनियों को 12 किस्तों में किया जाएगा। घरेलू एलपीजी सिलेंडर सार्वजनिक क्षेत्र की इन कंपनियों द्वारा उपभोक्ताओं को नियंत्रित कीमतों पर उपलब्ध कराए जाते हैं। वर्ष 2024-25 के दौरान अंतरराष्ट्रीय बाजार में एलपीजी की कीमतें ऊंची रहीं, लेकिन उपभोक्ताओं पर कीमतों का बोझ नहीं डालने के लिए सरकार ने इन्हें स्थिर रखा। इस वजह से तीनों तेल कंपनियों को भारी नुकसान उठाना पड़ा।

इलेक्ट्रिक वाहनों पर सब्सिडी दो साल और बढ़ाई

केंद्र सरकार ने इलेक्ट्रिक वाहनों की खरीद को प्रोत्साहित करने के लिए पीएम ई-ड्राइव स्कीम की समय सीमा 2 साल और बढ़ा दी है। अब ये योजना 31 मार्च, 2028 तक चलेगी। यह योजना 1 अक्टूबर, 2024 को शुरू की गई थी। पहले इसकी अवधि मार्च 2026 तक थी, लेकिन अब इसे बढ़ाकर 2028 कर दिया गया है। इस स्कीम का फायदा सीधे ही इलेक्ट्रिक वाहन खरीदने वाले ग्राहकों को मिलेगा। इसमें न सिर्फ गाड़ी खरीदने पर सब्सिडी दी जाती है, बल्कि पब्लिक चार्जिंग स्टेशन, टेस्टिंग सुविधाएं और ईवी टेक्नोलॉजी के लोकल प्रोडक्शन को भी सपोर्ट किया जाता है।

पीएम मोदी ने पुतिन को दिया भारत आने का न्योता

मोदी की ट्रंप को दो टूक रूस से हम नहीं तोड़ेंगे दोस्ती

बेधड़क | नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से शुक्रवार को फोन पर बात की और दोनों नेताओं ने भारत-रूस विशेष एवं विशेषाधिकार प्राप्त रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। इस दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने रूस के राष्ट्रपति पुतिन को इस वर्ष के अंत में वार्षिक द्विपक्षीय शिखर सम्मेलन के लिए भारत आने का निमंत्रण भी दिया। यह 23वां भारत-रूस वार्षिक शिखर सम्मेलन होगा। यह बातचीत ऐसे समय में हुई है, जब रूस से तेल खरीद को लेकर अमेरिका ने भारत के प्रति तल्खी दिखाते हुए टैरिफ को बढ़ाकर 50 प्रतिशत तक कर दिया है।

रणनीतिक साझेदारी को करेंगे मजबूत

मोदी ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, 'मेरे मित्र राष्ट्रपति पुतिन के साथ बहुत अच्छी और विस्तृत बातचीत हुई। मैंने यूक्रेन पर नवीनतम घटनाक्रम से अवगत कराने के लिए उनका धन्यवाद किया। हमने अपने द्विपक्षीय एजेंडे में प्रगति की भी समीक्षा की और भारत-रूस विशेष एवं विशेषाधिकार प्राप्त रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत बनाने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। मैं इस वर्ष के अंत में भारत में राष्ट्रपति पुतिन की मेजबानी करने के लिए उत्सुक हूं।'

पीएम मोदी व रूस के राष्ट्रपति पुतिन। फाइल फोटो

रूस-यूक्रेन युद्ध: भारत ने की शांतिपूर्ण समाधान की बात

पुतिन ने मोदी को यूक्रेन के साथ संघर्ष के बारे में जानकारी दी और प्रधानमंत्री मोदी ने इस मुद्दे के शांतिपूर्ण समाधान के लिए भारत के दृढ़ रुख को दोहराया। दोनों नेताओं के बीच यह बातचीत ऐसे समय में हुई है, जब अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप रूसी तेल खरीद को लेकर भारत पर दबाव बढ़ा रहे हैं।

ऊर्जा सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता: विदेश मंत्री एस. जयशंकर

सरकार ने शुक्रवार को कहा कि वह ऊर्जा सुरक्षा को अपनी 'सर्वोच्च प्राथमिकताओं' में से एक मानती है और लोगों को किफायती ऊर्जा उपलब्ध हो, इसके लिए उसने सभी आवश्यक कदम उठाए हैं। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने लोकसभा में एक प्रश्न के लिखित उत्तर में कहा कि सरकार एक 'बहुआयामी रणनीति' अपना रही है, जिसमें आपूर्ति स्रोतों में विविधता लाना, तेल और गैस का घरेलू उत्पादन बढ़ाना, वैकल्पिक ऊर्जा स्रोतों को अपनाने का विस्तार करना और ऊर्जा परिवर्तन को आगे बढ़ाना शामिल है। उनसे वैश्विक तनाव के बीच देश के सामरिक और ऊर्जा हितों की रक्षा के लिए सरकार द्वारा उठाए गए कदमों का विवरण पूछा गया था।

डिफेंस डील पर रोक की खबरों को भारत सरकार ने किया खारिज

अमेरिका के साथ डिफेंस डील को रोकने से जुड़ी खबरों को भारत सरकार ने खारिज कर दिया है। ये जानकारी न्यूज एजेंसी ANI ने डिफेंस मिनिस्ट्री के सोर्स के हवाले से दी है। इसमें बताया गया कि ये रिपोर्ट्स भ्रामक और झूठी हैं। अमेरिका से खरीद प्रक्रिया पहले की तरह जारी है। इससे पहले न्यूज एजेंसी रॉयटर्स ने अपनी रिपोर्ट में 3 भारतीय अफसरों के हवाले से दावा किया था कि टैरिफ विवाद के बीच भारत ने अमेरिका से नए हथियार और विमान खरीद की योजना रोक दी है। रॉयटर्स की रिपोर्ट में यह भी कहा गया था कि भारतीय रक्षा मंत्री आने वाले हफ्तों में डिफेंस डील के लिए अमेरिका जाने वाले थे। अब यह दौरा रद्द कर दिया गया है।

■ पेज 7 भी देखें

CM ने ईज ऑफ डूइंग बिजनेस की दिशा में उठाया कदम

संस्थानों को अब 10 श्रमिक संख्या तक नहीं कराना होगा पंजीयन

बेधड़क | जयपुर

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने ईज ऑफ डूइंग बिजनेस की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया है। सीएम भजनलाल ने अब राजस्थान दुकान एवं वाणिज्यिक संस्थान अधिनियम-1958 की धारा-4 के तहत शिथिलता प्रदान की है। अब 10 श्रमिकों तक रोजगार देने वाले छोटे संस्थानों को इस अधिनियम के तहत पंजीकरण कराने की जरूरत नहीं होगी। इससे छोटी दुकानों और वाणिज्यिक संस्थानों को व्यापार करने में आसानी होगी। इसके साथ ही मुख्यमंत्री ने राजस्थान दुकान एवं वाणिज्यिक संस्थान अधिनियम-1958 को आधुनिक बनाने के लिए प्रस्तावित राजस्थान शॉप्स एंड एस्टेब्लिशमेंट (रेगुलेशन ऑफ इम्प्लॉयमेंट एंड कंडीशन ऑफ सर्विस) एक्ट, 2025 के प्रारूप को भी प्रशासनिक मंजूरी दी है।

NIA की लॉरेंस गैंग के 13 ठिकानों पर छापेमारी

बेधड़क | जयपुर

राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने शुक्रवार सुबह प्रदेश के तीन जिलों श्रीगंगानगर, हनुमानगढ़ और दौसा में लॉरेंस बिश्नोई गैंग के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की। एआईए की टीम ने गैंग के 13 से अधिक ठिकानों पर छापेमारी की, जिसमें आतंकी फंडिंग, अवैध हथियारों की सप्लाई और विदेशी हवाला नेटवर्क की जांच शामिल है। यह कार्रवाई सुबह करीब 6 बजे शुरू हुई और कई घंटों तक चली।

श्रीगंगानगर में एनआईए ने 13 ठिकानों पर तलाशी ली। श्रीगंगानगर में करीब 20 दिन पहले सदर थाना पुलिस ने चार युवकों को गिरफ्तार किया था। इसके बाद यह कार्रवाई की गई।

पीएम मोदी का मासिक रेडियो कार्यक्रम

आकाशवाणी ने 'मन की बात' से कमाए 34.13 करोड़ रुपए

बेधड़क | जयपुर

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मासिक रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' की शुरुआत से अब तक आकाशवाणी ने 34.13 करोड़ रुपए कमाए हैं। कार्यक्रम में आकाशवाणी अपने मौजूदा संसाधनों का उपयोग करता है और पारंपरिक व डिजिटल माध्यमों से यह प्रसारित होता है। यह कार्यक्रम क्षेत्रीय भाषाओं में भी उपलब्ध है और यूट्यूब, फेसबुक जैसे कई प्लेटफॉर्म पर भी देखा जा सकता है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हर महीने रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' में देश के लोगों से बात करते हैं। सूचना और प्रसारण राज्य मंत्री एल. मुरुगन ने एक सवाल के जवाब में शुक्रवार को राज्यसभा में बताया कि रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' से अब तक 34.13 करोड़ रुपए की कमाई हुई है। मन की बात कार्यक्रम का पहला प्रसारण 3 अक्टूबर, 2014 को हुआ था। मंत्री ने बताया कि एक बड़ा वर्ग आकाशवाणी के नेटवर्क से इस कार्यक्रम को सुनता है। इसके अलावा डीडी फ्री डिश से 48 आकाशवाणी रेडियो चैनल और 92 प्राइवेट टीवी चैनलों पर भी यह कार्यक्रम प्रसारित किया जाता है।

शाह का राजद-कांग्रेस गठबंधन पर निशाना, कहा...

घुसपैठियों को नहीं भारत में वोट देने का अधिकार

बेधड़क | सीतामढ़ी (बिहार)

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को बिहार में एक रैली के दौरान आरोप लगाया कि विपक्षी राजद-कांग्रेस गठबंधन मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की आलोचना करके 'बांग्लादेशी घुसपैठियों' के अपने वोट बैंक को सुरक्षित करने का प्रयास कर रहा है। शाह ने एसआईआर पर लालू-राहुल को घेरते हुए कहा कि जो भारत में नहीं जन्मा, उसे वोट देने का अधिकार नहीं है। घुसपैठिए इन लोगों के वोट बैंक हैं। इसलिए इनको महागठबंधन से परेशानी है।

शाह बिहार के सीतामढ़ी जिले में एक रैली को संबोधित कर रहे थे। इससे पहले उन्होंने पुनौरा धाम को नया रूप देने के लिए लगभग 900 करोड़ रुपए की परियोजना की आधारशिला रखी। पुनौरा धाम उस स्थान पर स्थित है, जहां माना जाता है कि राजा जनक को यहां पुत्री के रूप में देवी सीता मिली थीं।

वे बचाना चाहते हैं अपना वोट बैंक

शाह ने कहा कि विशेष गहन पुनरीक्षण पहले भी कई बार हो चुका है, लेकिन राहुल गांधी या (राजद अध्यक्ष) लालू प्रसाद ने कभी इसकी आलोचना नहीं की। वे अब इसका विरोध कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि मतदाता सूची से उन घुसपैठियों के नाम हटाने के लिए विशेष गहन पुनरीक्षण की आवश्यकता है। शाह ने आरोप लगाया कि राहुल गांधी और लालू प्रसाद ऐसे अवैध मतदाताओं को बचाना चाहते हैं।

एसआईआर संस्थागत चोरी: राहुल

राहुल गांधी ने मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण को संस्थागत चोरी करार देते हुए आरोप लगाया कि निर्वाचन आयोग गरीबों का मताधिकार छीनने के उद्देश्य से इस चोरी को अंजाम देने के लिए भाजपा के साथ सांठगांठ कर रहा है। निर्वाचन आयोग डिजिटल डेटा नहीं देता, क्योंकि अगर वह ऐसा करता है, तो उसकी वास्तविकता सामने आ जाएगी।

देश से माफी मांगें राहुल: निर्वाचन आयोग

निर्वाचन आयोग ने उन दावों को खारिज कर दिया कि विभिन्न राज्यों में उसकी वेबसाइट बंद है और मतदाता सूची गायब है। आयोग ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी से मतदाता सूची में गलत प्रविष्टियों के अपने दावों के बारे में शपथ पत्र देने को भी कहा। साथ ही कहा कि यदि गांधी शपथ पत्र नहीं दे सकते हैं तो उन्हें बेतुके आरोपों के लिए राष्ट्र से माफी मांगनी चाहिए।

केंद्र सरकार ने लोकसभा में दिया जवाब

चीन ने 1962 के युद्ध में कब्जाई हमारी 38 हजार वर्ग किमी जमीन

बेधड़क | नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने शुक्रवार को संसद में बताया कि 1962 के चीन-भारत युद्ध के अंत में चीन ने लगभग 38,000 वर्ग किलोमीटर भारतीय भू-भाग पर 'अवैध कब्जा' किया था। लोकसभा में एक प्रश्न के लिखित उत्तर में विदेश राज्य मंत्री कीर्ति वर्धन सिंह ने यह भी कहा कि लंबित सीमा विवाद के समाधान के लिए पिछले कुछ वर्षों में चीन के साथ द्विपक्षीय स्तर पर कई पहल की गई हैं।

विदेश मंत्रालय से पूछा गया था कि क्या भारत सरकार के पास 1962 के भारत-चीन युद्ध के दौरान चीन द्वारा कब्जा किए गए क्षेत्रों के बारे में कोई आंकड़ा है। साथ ही, यह भी पूछा गया था कि चीन-भारत युद्ध के दौरान गंवाए गए इन क्षेत्रों को वापस लेने के लिए 1962 के बाद से चीन के साथ क्या कोई कूटनीतिक कोशिश की गई और उस वार्ता में अब तक कितनी प्रगति हुई है।

जरूरी खबर

हनुमानगढ़ में कंपनी पर करोड़ों की कर चोरी का आरोप

बेधड़क, जयपुर। हनुमानगढ़ जिले के RIICO औद्योगिक क्षेत्र में स्थित एक कंपनी में राजस्व आसूचना एवं आर्थिक अपराध निदेशालय जयपुर की विशेष टीम ने छापेमारी कर जीएसटी चोरी का बड़ा खुलासा किया। निदेशालय के अतिरिक्त निदेशक ने बताया कि यह कंपनी प्रीसिपिटेटेड कैल्शियम कार्बोनेट (PCC) का निर्माण करती है। जांच में पाया गया कि कंपनी ने PCC उत्पादन से असंबंधित सामग्री जैसे इंडस्ट्रियल फ्यूल ऑयल, कमर्शियल फ्यूल ऑयल, बेस ऑयल और मिनरल ऑयल की खरीद दिखाकर इनपुट टैक्स क्रेडिट (ITC) का दुरुपयोग किया। टीम ने उत्पादन प्रक्रिया की गहन जांच की, संयंत्र का दौरा किया और स्टॉक का भौतिक सत्यापन किया। निरीक्षण में जीएसटी देयता में नकद और ITC का अनुपात सामान्य व्यवसायिक प्रवृत्ति से मेल नहीं खाता पाया गया। इस दौरान तकनीकी उपकरण जब्त किए गए और आवश्यक दस्तावेजों के लिए समन जारी किया गया। जांच के बाद जीएसटी चोरी की सटीक राशि निर्धारित होगी। कंपनी का वार्षिक टर्नओवर लगभग 10 करोड़ रुपए है और पिछले पांच वर्षों में 1 करोड़ रुपए से अधिक की कर चोरी का अनुमान है।

झालावाड़ रोडवेज डिपो के दो अधिकारी एपीओ

बेधड़क, जयपुर। झालावाड़ आगार में लगातार मिल रहीं शिकायतों पर रोडवेज प्रबंधन ने कड़ा एक्शन लिया है। राजस्थान राज्य पथ परिवहन निगम ने झालावाड़ आगार में तैनात दो अधिकारियों को एपीओ कर दिया है। आदेश के अनुसार, कुलदीप मेहर (सहायक संभाग प्रबंधक), प्रबंधक (यातायात) और प्रतीक मीणा (कनिष्ठ अभियंता 'अ'), प्रबंधक (संचालन) को एपीओ किया गया है। एपीओ काल में दोनों का मुख्यालय टोंक रखा गया है।

बीजेपी नेता केके जानू का 6 साल के लिए निष्कासन

बेधड़क, जयपुर। भारतीय जनता पार्टी ने झुंझुनूं के नेता केके जानू को अनुशासनहीनता के आरोप में पार्टी से 6 साल के लिए निष्कासित कर दिया है। इससे पहले, 20 जून को उन्हें निलंबित किया गया था और कारण बताओ नोटिस जारी किया गया था। हालांकि, तय समय में केके जानू की ओर से पार्टी को कोई जवाब नहीं मिला, जिसके बाद यह कड़ा कदम उठाया गया। बीजेपी के प्रदेश नेतृत्व ने अनुशासन समिति की सिफारिश पर यह कार्रवाई की। सूत्रों के अनुसार, केके जानू पर पार्टी विरोधी गतिविधियों और संगठन के नियमों का उल्लंघन करने का आरोप था।

राज्य सरकार ने दी प्रस्ताव को सैद्धांतिक मंजूरी

IIT जोधपुर का एक्सटेंशन कैंपस जयपुर में होगा स्थापित

बेधड़क | जयपुर

राज्य सरकार ने भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) जोधपुर का जयपुर में एक्सटेंशन कैंपस स्थापित करने के प्रस्ताव को सैद्धांतिक मंजूरी दे दी है। यूडीएच की ओर से जारी पत्र में बताया गया है कि यह कैंपस प्रताप नगर स्थित राजस्थान हाउसिंग बोर्ड के कोचिंग हब में स्थापित किया जाएगा। विभाग के प्रमुख शासन सचिव वैभव गालरिया के हस्ताक्षर से जारी आदेश में राज्य सरकार की ओर से कुछ शर्तों के साथ यह मंजूरी दी गई है। इसके तहत राज्य सरकार 100 करोड़ रुपए का कोई भी अनुदान नहीं देगी।

सभी पूंजीगत व राजस्व व्यय आईआईटी को अपने संसाधनों से करने होंगे। सरकार ने स्पष्ट किया है कि कोचिंग हब पूरी तरह से तैयार है, ऐसे में किसी अतिरिक्त लागत की आवश्यकता नहीं होगी। साथ ही, किसी भी प्रकार की पूंजीगत या रेकरिंग लागत वहन नहीं की जाएगी। यानी सरकार की ओर से 100 करोड़ रुपए की प्रस्तावित ग्रांट नहीं दी जाएगी।

हॉस्टल और फैकल्टी निवासों के लिए 20,000 वर्ग मीटर भूमि राज्य सरकार उपयुक्त स्थान पर उपलब्ध कराएगी। यह जमीन कोचिंग हब के नजदीक ही तलाश कर उपलब्ध कराई जाएगी ताकि छात्रों को सुविधा मिल सके। हालांकि कोचिंग हब के आसपास की वाणिज्यिक भूमि उपलब्ध नहीं कराई जा सकेगी। कोचिंग हब का विकास दो चरणों में किया जाएगा।

तकनीकी सहयोग मुफ्त में देगा IIT

आईआईटी जोधपुर राज्य सरकार को तकनीकी सहायता और परामर्श निःशुल्क प्रदान करेगा। आदेश में आईआईटी जोधपुर को कहा गया है कि वह भारत सरकार से इस कैंपस के लिए औपचारिक मंजूरी प्राप्त करने की प्रक्रिया शुरू करे।

प्रदेश का पहला कोचिंग हब

यह पहला कोचिंग हब है, जो राजस्थान आवासन मंडल ने प्रताप नगर में करीब 65 हजार से अधिक वर्गमीटर भूमि पर सभी सुविधाओं के साथ बनाया था। शहर में जगह-जगह नियमों को ताक में रखकर संचालित होने वाले कोचिंग सेंटर्स को एक जगह लाने के लिए इस हब का निर्माण किया गया था, जिससे पढ़ने वाले स्टूडेंट्स को पर्याप्त सुविधाएं और सुरक्षा मिल सके। लेकिन यह हब बनने के बाद कोचिंग सेंटर संचालकों ने कोचिंग हब से दूरी बना ली। मंडल की ओर से करोड़ों की लागत से बनाए इस हब में चार साल बाद भी आधा दर्जन कोचिंग सेंटर नहीं पहुंच सके। वहीं, कोचिंग सेंटरों का भी सर्वे करवाया था। इसमें आवासीय क्षेत्रों में नियमों के विपरीत संचालित कोचिंग सेंटरों का नगर निगम जयपुर ग्रेटर ने सर्वे कराया और मानसरोवर जोन ने करीब 274 कोचिंग सेंटर को नोटिस भी थमाए थे, लेकिन हुआ कुछ नहीं।

यह भी हैं सुविधाएं

छात्र-छात्राओं को एक ही स्थान पर शिक्षण सुविधाएं उपलब्ध कराने के साथ ही करीब 70 हजार विद्यार्थियों को एक ही स्थान पर प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारियों के लिए कोचिंग हब का निर्माण किया गया है। इसके अलावा यहां सुरक्षा के भी पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। कोचिंग हब परिसर में वॉकिंग ट्रेक, साइक्लिंग ट्रेक, ओपन एयर जिम, इंडोर जिम, हेल्थ चैकअप सेंटर, बॉस्केटबॉल कोर्ट, टेनिस कोर्ट, योगा सेंटर के साथ मेडिटेशन सेंटर भी बनाए गए हैं। सैंट्रल लाइब्रेरी और 1200 की क्षमता का ऑडिटोरियम भी बनाया गया है। कैफेटेरिया, फूड कोर्ट एवं सुरक्षा के लिए परिसर को सीसीटीवी कैमरों से लैस किया गया है।

चीफ जस्टिस केआर श्रीराम ने जारी किया आदेश

राजस्थान हाई कोर्ट के सभी 42 जज बने 'गार्जियन जज'

■ जिलों की न्यायिक व्यवस्था पर रखेंगे नजर, न्यायिक प्रणाली में पारदर्शिता और जवाबदेही लाने की पहल

बेधड़क | जयपुर

राजस्थान हाई कोर्ट ने प्रदेश की न्यायिक व्यवस्था को मजबूत, पारदर्शी और जवाबदेह बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस केआर श्रीराम के आदेशानुसार, प्रदेश के 42 जस्टिस को राज्य के विभिन्न जिलों और न्याय क्षेत्रों की गार्जियनशिप (अभिभावकत्व) सौंपी गई है। इस नई व्यवस्था के तहत प्रत्येक जज अपने आवंटित जिले की न्यायिक गतिविधियों पर निगरानी रखेंगे और समय-समय पर मुख्य न्यायाधीश को रिपोर्ट देंगे।

क्या करेंगे गार्जियन जज?

- अपने जिले का समय-समय पर दौरा करेंगे।
- न्यायिक अधिकारियों से मुलाकात कर कार्यप्रणाली का अवलोकन करेंगे।
- कोर्ट में अनुशासन, गति और ईमानदारी पर नजर रखेंगे।
- किसी तरह की दिक्कत आने पर उच्च न्यायालय को अवगत कराएंगे।
- सुधार के सुझाव देंगे और मार्गदर्शन प्रदान करेंगे।

राज्य की न्यायिक स्थिति की मिलेगी जानकारी

गार्जियनशिप का अर्थ है किसी हाई कोर्ट के जज को राज्य के किसी जिले की न्यायिक व्यवस्था की देखरेख और मार्गदर्शन की जिम्मेदारी देना। गार्जियन जज अपने क्षेत्र में अदालतों के काम-काज, अनुशासन, कार्यक्षमता और ईमानदारी पर नजर रखेंगे। किसी प्रकार की समस्या या सुधार की आवश्यकता होने पर संबंधित न्यायिक अधिकारियों को दिशा-निर्देश देंगे और उच्च न्यायालय को जानकारी देंगे। इस व्यवस्था का मकसद निचली अदालतों के कामकाज में सुधार, पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करना है। इससे जिलों की न्यायिक व्यवस्था का मूल्यांकन लगातार होता रहेगा और समय रहते समस्याओं का समाधान किया जा सकेगा। साथ ही, मुख्य न्यायाधीश को राज्य की न्यायिक स्थिति की समग्र जानकारी मिलती रहेगी। सीजे के आदेश के अनुसार गार्जियन जज जब भी अपने क्षेत्र का दौरा करेंगे, वे पूर्व सूचना मुख्य न्यायाधीश को देंगे, ताकि हाई कोर्ट के मुख्य कार्यों पर कोई प्रभाव न पड़े। आदेश के अनुसार, पूर्व में हुए न्यायाधीशों के स्थानांतरण, पदोन्नति और सेवानिवृत्ति के चलते गार्जियनशिप क्षेत्रों का पुनः आवंटन किया गया है।

PCC अध्यक्ष ने की रंधावा से मुलाकात

डोटासरा ने संगठनात्मक मजबूती और मतदाता पुनर्गठन पर की चर्चा

पीसीसी अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा प्रदेश प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा से मुलाकात करते हुए। साथ में हैं कांग्रेस के अन्य पदाधिकारी।

बेधड़क | जयपुर

राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा शुक्रवार को दिल्ली दौरे पर रहे। दिल्ली में डोटासरा ने प्रदेश कांग्रेस प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा से मुलाकात की। इस दौरान संगठनात्मक कार्यों, नए जिलाध्यक्षों की नियुक्ति और बूथ लेवल एजेंट के गठन पर विस्तृत चर्चा हुई। डोटासरा ने बताया कि राजस्थान में संगठन को मजबूत करने के लिए व्यापक स्तर पर काम चल रहा है। उन्होंने रंधावा को फीडबैक देते हुए कहा कि 200 विधानसभा क्षेत्रों में से 150 में बीएलए की नियुक्ति पूरी हो चुकी है और शेष 50 क्षेत्रों में अगले कुछ दिनों में बीएलए का गठन कर लिया जाएगा। इन नियुक्तियों की सूची चुनाव आयोग को सौंप दी गई है। डोटासरा ने बीजेपी पर संवैधानिक संस्थाओं के दुरुपयोग का आरोप लगाते हुए कहा कि राहुल गांधी ने हाल ही में वोटर लिस्ट में धांधली और फर्जी वोटों के जरिए सत्ता हासिल करने की कोशिशों का मुद्दा उठाया है।

सत्यपाल मलिक को श्रद्धांजलि अर्पित की

डोटासरा दिल्ली में पूर्व राज्यपाल सत्यपाल मलिक की शोक सभा में शामिल हुए और उनके निधन पर गहरा दुख व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि सत्यपाल मलिक ने किसानों, जवानों, दलितों और पिछड़ों के हितों के लिए बेबाकी और निडरता से आवाज उठाई। डोटासरा ने केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि मलिक को गार्ड ऑफ ऑनर नहीं देना और पूर्व राज्यपाल कमला बेनीवाल के निधन पर भी सम्मान में कमी करना एक गलत परिपाटी को दर्शाता है, जो संविधान के लिए ठीक नहीं है। उन्होंने कहा कि मलिक ने अंतिम समय तक बिना किसी डर के किसानों और गरीबों की बात रखी, चाहे सामने प्रधानमंत्री हो या गृहमंत्री।

रक्षाबंधन पर कंज्यूमर केयर अभियान

सही तोल नहीं देने पर 332 फर्मों पर कार्रवाई, 5,77,500 रुपए का जुर्माना

बेधड़क | जयपुर

रक्षाबंधन पर प्रदेशभर में प्रतिष्ठानों पर सही माप-तौल को लेकर कंज्यूमर केयर अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान में प्रदेश के कई नामी प्रतिष्ठानों पर भी गड़बड़ी पाई गई। 6 से 8 अगस्त तक चलाए गए कंज्यूमर केयर अभियान में राज्यभर में 332 फर्मों का निरीक्षण किया गया, जिसमें विधिक माप-विज्ञान अधिनियम के उल्लंघन पर 5,77,500 रुपए का जुर्माना वसूला गया। अभियान के अंतिम दिन शुक्रवार को 113 फर्मों की जांच की गई, जिसमें 14 फर्मों पर डिब्बा बंद वस्तुओं के नियमों का उल्लंघन और 59 फर्मों पर सत्यापन प्रमाण पत्र व सत्यापित बाट-माप की कमी पाए जाने पर कार्रवाई की गई। इन फर्मों पर मौके पर नोटिस जारी कर 1,75,000 रुपए का जुर्माना लगाया गया। जयपुर में खाद्य सामग्री से जुड़े प्रतिष्ठानों पर विशेष ध्यान दिया गया। मानसरोवर और निवारू रोड क्षेत्र के 8 मिठाई प्रतिष्ठानों श्री जोधपुर मिष्ठान, ओम स्वीट्स, श्री कृष्ण स्वीट्स, राधिका स्वीट्स, डब्ल्यूएचए स्वीट्स, प्रधान स्वीट्स, ओम जोधपुर स्वीट्स और रामचंद्र नमकीन एंड मिष्ठान भंडार का निरीक्षण किया गया।

जयपुर में कंज्यूमर केयर अभियान के दौरान जांच करते अधिकारी।

CM ने मुहाना मंडी में बायो-CNG प्लांट को दी मंजूरी

बेधड़क | जयपुर

■ **हर दिन 100 टन जैविक कचरा होगा प्रोसेस, सालाना 48 लाख रुपए की होगी बचत**

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने मुहाना सब्जी मंडी में बायो-सीएनजी संयंत्र लगाने की योजना को मंजूरी दे दी है। इस प्लांट में हर दिन फल और सब्जियों से निकलने वाला 100 टन जैविक कचरा प्रोसेस किया जाएगा। इससे रोजाना 5 टन बायो-सीएनजी और कम्पोस्ट तैयार होगी। यह प्लांट पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप मॉडल पर बनाया जाएगा। इसकी कुल लागत 27 करोड़ रुपए होगी, जिसे केंद्र सरकार की एजेंसी वैपकोस लिमिटेड खर्च करेगी। प्लांट को बनाने में 7 महीने लगेंगे और अगले 10 साल तक इसे वैपकोस लिमिटेड ही चलाएगी। इसके बाद यह मंडी समिति को सौंप दिया जाएगा। इस परियोजना से मंडी की सफाई बेहतर होगी। बदबू और कीट-पतंगों की समस्या घटेगी। साथ ही हर साल कचरे के संग्रहण और ढुलाई में होने वाला 48 लाख रुपए का खर्च भी बचेगा। जमीन और कचरा मंडी समिति मुफ्त में देगी।

बेधड़क TOON

-शेखर

हर घर तिरंगा अभियान को लेकर जिलों में बैठकों की शुरुआत

15 अगस्त से पहले घर-घर तिरंगे बांटेगी भाजपा

बेधड़क | जयपुर

15 अगस्त से पहले देशभर में घर-घर तिरंगा पहुंचाने के उद्देश्य से भाजपा ने 'हर घर तिरंगा' अभियान के तहत राजस्थान के विभिन्न जिलों में कार्यशालाओं और बैठकों की शुरुआत कर दी है। बैठकों में हर घर तक तिरंगा पहुंचाने की योजना को तैयार किया गया। इसमें हर जिले में लाखों तिरंगे घर-घर तक पहुंचाए जाएंगे। जिले के हर मंडल में हजारों तिरंगों का वितरण होगा। वहीं, पार्टी की ओर से 'विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस' के आयोजन को लेकर भी तैयारी की जा रही है। इसको लेकर शुक्रवार को प्रदेशभर में जिला स्तरीय बैठक हुई। जोधपुर देहात दक्षिण जिलाध्यक्ष त्रिभुवन सिंह भाटी की अध्यक्षता में बैठक श्यामा प्रसाद मुखर्जी पार्क में आयोजित हुई। इसमें मुख्य वक्ता के रूप में प्रदेश उपाध्यक्ष एवं राजस्थान किसान आयोग अध्यक्ष सीआर चौधरी मौजूद रहे। झुंझुनूं जिला मुख्यालय पर हर घर तिरंगा अभियान और विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस को लेकर कार्यशाला का आयोजन जिलाध्यक्ष हर्षिनी कुल्हरी की अध्यक्षता में हुआ। राजसमंद जिला कार्यालय पर आयोजित कार्यशाला में जिलाध्यक्ष जगदीश पालीवाल ने अध्यक्षता की। इस अवसर पर पार्टी की बहनों ने कार्यकर्ताओं और पौधों को राखी बांधकर रक्षाबंधन पर्व भी मनाया। बांसवाड़ा जिला कार्यालय पर हुई योजना बैठक में कार्यक्रम को व्यापक और प्रभावी बनाने की रणनीति बनाई गई।

जयपुर शहर की हर घर तिरंगा अभियान को लेकर आयोजित कार्यशाला में अभियान के प्रदेश संयोजक अशोक परनामी, विधायक बालमुकुंदाचार्य, जिला अध्यक्ष अमित गोयल, प्रदेश उपाध्यक्ष ज्योति मिर्धा सहित भाजपा के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

विपक्ष का रवैया निराशाजनक: मदन राठौड़

भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ ने संसद सत्र के दौरान विपक्ष के व्यवहार को दुर्भाग्यपूर्ण और निराशाजनक बताया। उन्होंने कहा कि विपक्ष ने बार-बार हंगामा कर सदन का कीमती समय नष्ट किया और कई अहम विधेयकों पर चर्चा से किनारा किया, विशेष रूप से एसआईआर जैसे महत्वपूर्ण मुद्दे पर। राठौड़ ने कहा कि मतदाता सूची का पुनरीक्षण एक सामान्य प्रक्रिया है, जिसमें नए नाम जोड़े और पुराने हटाए जाते हैं। उन्होंने विपक्ष पर जनभावनाओं को भटकाने का आरोप लगाया और रोहिंग्याओं जैसे बाहरी घुसपैठियों के नाम जोड़ने की घटनाओं को लेकर चिंता जताई। राठौड़ ने कहा कि इस पर राहुल गांधी को गंभीरता से विचार करना चाहिए। 'घर-घर तिरंगा' अभियान का उल्लेख करते हुए राठौड़ ने कहा कि यह हर नागरिक में राष्ट्रभक्ति की भावना जगाने का प्रयास है। उन्होंने कहा कि देशभक्ति केवल सत्ता पक्ष तक सीमित नहीं होनी चाहिए, विपक्ष में भी समान भावना होनी चाहिए। 'उदयपुर फाइल्स' पर प्रतिक्रिया देते हुए उन्होंने स्पष्ट किया कि भाजपा न्याय प्रक्रिया में हस्तक्षेप नहीं करती। उन्होंने कांग्रेस से पूछा कि आतंकी कसाब को सजा दिलाने में देरी क्यों हुई थी।

प्रदूषण कंट्रोल के लिए आमजन का सहयोग जरूरी

प्रदूषण कंट्रोल को लेकर बैठक में भाग लेते वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग के अध्यक्ष राजेश वर्मा, मुख्य सचिव सुधांश पंत, एसीएस आनंद कुमार तथा अन्य अधिकारी।

बेधड़क | जयपुर

एनसीआर और निकटवर्ती क्षेत्रों में बढ़ते वायु प्रदूषण को लेकर केंद्र और राज्य सरकार तेजी से काम कर रही है। इसी को देखते हुए शुक्रवार को वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग के अध्यक्ष राजेश वर्मा की अध्यक्षता में सचिवालय में वायु प्रदूषण रोकथाम और गुणवत्ता प्रबंधन पर बैठक हुई। बैठक में आयोग के पूर्व निर्देशों की पालना और प्रगति की समीक्षा की गई। वर्मा ने कहा कि वायु प्रदूषण जनस्वास्थ्य और सतत विकास के लिए गंभीर चुनौती है।

जरूरी खबर

'खेल सृष्टि में भारतीय दृष्टि' विषय पर संगोष्ठी कल

जयपुर। क्रीड़ा भारती की ओर से 'खेल सृष्टि में भारतीय दृष्टि' विषय पर 10 अगस्त को जयपुर के कॉन्स्टिट्यूशन क्लब में संगोष्ठी आयोजित होगी। यह कार्यक्रम राष्ट्रीय स्तर पर शुरू हो रही संगोष्ठी श्रृंखला की पहली कड़ी है। क्रीड़ा भारती के प्रदेश संयोजक मेघ सिंह चौहान ने बताया कि संगोष्ठी के मुख्य वक्ता के रूप में आर्गेनाइजर पत्रिका (नई दिल्ली) के संपादक प्रफुल्ल केतकर विचार रखेंगे। उद्योग, खेल, युवा एवं कौशल विकास राज्य मंत्री केके विश्नोई मुख्य अतिथि होंगे, जबकि ओलंपियन, अर्जुन अवार्डी व क्रीड़ा भारती के अखिल भारतीय अध्यक्ष गोपाल सैनी विशिष्ट अतिथि में होंगे।

एसआई भर्ती पेपर लीक में प्रोबेशनर एसआई अरेस्ट

जयपुर। एसओजी ने 2021 की एसआई भर्ती परीक्षा पेपर लीक मामले में जयपुर ग्रामीण पुलिस लाइन में तैनात प्रोबेशनर एसआई सत्येंद्र सिंह यादव को गिरफ्तार किया गया है। एसओजी की जांच में सामने आया कि सत्येंद्र ने परीक्षा से पहले लीक हुए सॉल्व्ड पेपर के आधार पर लिखित परीक्षा पास की थी। एसओजी के एडीजी वीके सिंह ने बताया कि सत्येंद्र सिंह यादव, निवासी बहरोड़ ने 15 सितंबर, 2021 को हुई एसआई भर्ती परीक्षा की दोनों पारियों में लीक पेपर से परीक्षा दी।

400 रु. की घूस लेते कांस्टेबल और कोर्ट कर्मचारी गिरफ्तार

जयपुर। एसीबी ने शुक्रवार को शास्त्री नगर थाने के कांस्टेबल दीपचंद और बनीपार्क मेट्रो कोर्ट द्वितीय के चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी गुलाम को 400 रुपए रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया। दोनों एक ऑटो ड्राइवर से सीज म्यूजिक सिस्टम छोड़ने के लिए रिश्वत मांग रहे थे। डीआईजी आनंद शर्मा ने बताया कि शास्त्री नगर थाने ने आरएनसी एक्ट के तहत ऑटो ड्राइवर का म्यूजिक सिस्टम सीज किया था। कोर्ट ने 200 रुपए जुर्माना लगाकर रिलीज ऑर्डर जारी किया, लेकिन कांस्टेबल दीपचंद ने पहले 200 रुपए और बाद में 600 रुपए रिश्वत मांगी। 400 रुपए में सौदा तय हुआ। पीड़ित की शिकायत पर एसीबी ने जाल बिछाया और कोर्ट परिसर में गुलाम के जरिए दीपचंद को 400 रुपए लेते पकड़ा लिया।

राखी आज... गोविंददेवजी मंदिर से सिटी पैलेस तक राखी भेजने की ऐतिहासिक परंपरा

मंदिर से आंगन तक गूंजेगा रक्षाबंधन का संदेश

बेधड़क | जयपुर

रक्षाबंधन का पर्व शनिवार को पूरे देश में उल्लास के साथ मनाया जाएगा। गुलाबी नगरी जयपुर में यह पर्व केवल एक पारिवारिक उत्सव नहीं, बल्कि परंपरा, आस्था और सामाजिक समरसता का अनूठा संगम है। यहां राखी केवल एक धागा नहीं, बल्कि एक सांस्कृतिक रेखा है, जो भगवान गोविंददेवजी के चरणों से शुरू होकर सिटी पैलेस के पूर्व राजपरिवार तक पहुंचती है। कलाबूत राखी यहां की एक विशेष परंपरा का प्रतीक है। यह राखी रेशम की डोरी, सुपारी, गोटे और रत्नों से सुसज्जित होती है। इसे ठाकुरजी के चरणों से स्पर्श करवाकर विधिपूर्वक सिटी पैलेस भेजा जाता है। राजा को नहीं, रक्षक को बांधी जाने वाली यह राखी जयपुर की स्थापना से अब तक श्रद्धा और सम्मान के साथ निभाई जा रही है। रक्षाबंधन पर शनिवार को गोविंददेवजी मंदिर में ठाकुरजी का पंचामृत अभिषेक, विशेष श्रृंगार और पूजा-अर्चना की जाएगी। 'राधा' नामक अलंकरण युक्त राखी का विशेष आकर्षण रहेगा। ठाकुरजी को लड्डू, मठरी, पंचमेवा और फल अर्पित किए जाएंगे। वहीं, भगवान कृष्ण के अन्य मंदिरों में भी विशेष आयोजन होंगे।

राखियों ने दिया स्वच्छता और पर्यावरण का संदेश

महापौर डॉ. सौम्या गुर्जर की अगुवाई में नगर निगम ग्रेटर की महिला स्वच्छता योद्धाओं ने वेस्ट मटेरियल से करीब 5,000 राखियां तैयार कीं। इन राखियों को वृक्षों को बांधकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी दिया गया। प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री को भी ये राखियां भेजी गईं। महापौर ने स्वच्छ सर्वेक्षण 2025 में टॉप 3 रैंक लाने का संकल्प दोहराया। उन्होंने रक्षाबंधन पर्व की शुभकामना देते हुए पार्षदों, चेयरमैन, निगम के अधिकारियों और कर्मचारियों को राखी बांधी।

बहनों ने विधायक गोपाल शर्मा को राखी बांधी

सिविल लाइंस विधानसभा क्षेत्र में सैकड़ों बहनों ने विधायक गोपाल शर्मा को राखी बांधी। कार्यक्रम में महिलाओं की सुरक्षा, सम्मान और सशक्ती करण पर जोर दिया गया। रंगोली, गीतों और पारंपरिक आयोजनों के बीच रक्षाबंधन का यह उत्सव सामाजिक एकता का प्रतीक बना

गंगा-जमुनी संस्कृति दिखी

जयपुर की गंगा-जमुनी संस्कृति भी इस पर्व पर निखरकर सामने आई। हवामहल विधानसभा क्षेत्र में हिंदू-मुस्लिम बहनों ने मिलकर विधायक बालमुकुंदाचार्य को राखी बांधी। यह आयोजन न केवल भाईचारे, बल्कि सांस्कृतिक मेल-जोल और सहिष्णुता का भी प्रतीक बना। किशनपोल विधानसभा क्षेत्र में मुस्लिम बहनों ने भाजपा नेता चंद्रमनोहर बटवाड़ा को राखी बांधकर राष्ट्रीय एकता का संदेश दिया।

फोटो: पंकज शर्मा

रेलवे स्टेशन पर भारी भीड़, सड़कों पर दिनभर जाम

त्योहार के चलते रेलवे स्टेशन पर भारी भीड़ उमड़ी। प्लेटफॉर्म से लेकर वेटिंग रूम तक यात्रियों की भीड़ नजर आई। जनरल टिकट के लिए लंबी कतारें लगीं। दिल्ली, मुंबई, भरतपुर और कोटा जाने वाली ट्रेनों में यात्रियों को जनरल डिब्बों में खड़े होकर सफर करना पड़ा। खिड़कियों से चढ़ते यात्री, प्लेटफॉर्म पर अफरा-तफरी और सीमित ट्रेनों के कारण सार्वजनिक परिवहन पर दबाव स्पष्ट नजर आया। वहीं, शहर की सड़कों पर दिनभर जाम लगा रहा। जाम को क्लियर कराने में ट्रैफिक पुलिस कर्मियों को जे.एल.एन. मार्ग, आगरा रोड, सीकर रोड, चारदीवारी, मोती डूंगरी रोड और टोंक रोड पर मशक्कत करनी पड़ी।

जवानों को राखी बांध लिया सुरक्षा का वचन

जयपुर की सीआईएसएफ आठवीं बटालियन में स्कूली छात्राओं और ब्रह्माकुमारी बहनों ने जवानों को राखी बांधकर सुरक्षा का वचन लिया। कमांडेंट बी.आर. ढाका ने कहा कि यह रक्षा सूत्र केवल रेशम की डोरी नहीं, बल्कि विश्वास, समर्पण और अपनापन का प्रतीक है।

फ्री बस यात्रा ने बहनों की खुशी को दोगुना किया

राजस्थान सरकार ने महिलाओं को रक्षाबंधन पर विशेष तोहफा दिया है। 10 और 11 अगस्त को रोडवेज बसों में महिला यात्रियों के लिए यात्रा निशुल्क रही। इससे लगभग साढ़े आठ लाख महिलाओं को लाभ मिलने की संभावना है। भरतपुर-दिल्ली जैसे मार्गों पर अतिरिक्त बसें चलाई गईं। सिंधी कैंप बस अड्डे पर दिनभर गहमागहमी रही।

मिठाइयों के दाम बढ़े

बाजारों में राखियों की रौनक रही। पारंपरिक मोतीनुमा, हैंड-पेंटेड राखियां महिलाओं की पसंद रहीं। बच्चों के लिए कार्टून कैरेक्टर वाली राखियां भी खूब बिकीं। मिठाई और पूजा सामग्री के दाम बढ़ गए। रसगुल्ला 300, बंगाली मिठाई 480, मावे की मिठाई 500 और मेवा युक्त मिठाई 2,000 रुपए किलो तक बिकी।

राजधानी में दिन भर बादलों की आवाजाही से उमस ने किया परेशान

रक्षाबंधन पर पूर्वी राजस्थान में मेघ रहेंगे मेहरबान... पश्चिम में रहेगा मौसम शुष्क

बेधड़क | जयपुर

प्रदेश में इस वर्ष मानसून की अच्छी वर्षा ने नदी-नालों, बांधों, झीलों और तालाबों को लबालब कर दिया है, लेकिन रक्षाबंधन के दिन बारिश की गतिविधियों में कमी रहने की संभावना है। मौसम विभाग के अनुसार, शनिवार को पूर्वी राजस्थान के कुछ हिस्सों में हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है, जबकि पश्चिमी राजस्थान में मौसम ज्यादातर जगह शुष्क रहेगा। शुक्रवार को कोटा संभाग में हल्की बारिश हुई।

इस दौरान झालावाड़ के झालरापाटन में 24 मिमी, झालावाड़ में 23 मिमी, बारां-छबड़ा में 17 मिमी, बारां-अटरू में 7 मिमी, बारां-छीपाबड़ौद में 6 मिमी, झालावाड़-बकानी में 5 मिमी, डीग-कुम्हेर में 2 मिमी और कोटा-कनवास में 2 मिमी बारिश हुई। हालांकि, राज्य के ज्यादातर हिस्सों में मौसम शुष्क रहा। राजधानी में दिन भर बादलों की आवाजाही रही और उमस भरे मौसम से आमजन परेशान रहे।

मौसम विभाग के अनुसार, अगले एक सप्ताह तक बारिश की गतिविधियां सामान्य से कम रहेंगी। 9 से 12 अगस्त तक राजस्थान में बारिश की गतिविधियां कमजोर रहेंगी। पूर्वी राजस्थान के भरतपुर, कोटा, उदयपुर, अजमेर और जयपुर संभाग में इस अवधि में कहीं-कहीं मेघगर्जन के साथ हल्की से मध्यम बारिश की संभावना है। वहीं, पश्चिमी राजस्थान के जोधपुर, उदयपुर, अजमेर और बीकानेर संभाग में बारिश की संभावना कम है। 10 अगस्त से उत्तर-पश्चिमी भागों में हल्की बारिश हो सकती है। 15 से 21 अगस्त के बीच मानसून फिर से सक्रिय होगा, खासकर दक्षिणी जिलों जैसे डूंगरपुर, बांसवाड़ा, प्रतापगढ़ और चित्तौड़गढ़ में सामान्य से अधिक बारिश की उम्मीद है, जबकि शेष हिस्सों में सामान्य बारिश हो सकती है।

अब तक 68% अधिक हुई बारिश

प्रदेश में अब तक 429.2 मिमी औसत वर्षा दर्ज की गई है, जो सामान्य 255.8 मिमी से 68% अधिक है। पूर्वी राजस्थान में 605.8 मिमी (सामान्य से 68% अधिक) और पश्चिमी राजस्थान में 288.5 मिमी (सामान्य से 67% अधिक) बारिश हुई। धौलपुर (151%), डूंगरपुर (130%), राजसमंद (132%), सवाई माधोपुर (127%), सीकर (129%) और टोंक (129%) में सामान्य से अधिक बारिश हुई, जबकि भरतपुर, चित्तौड़गढ़, प्रतापगढ़ और उदयपुर में कम बारिश दर्ज की गई।

बांधों में 77.66% जलभराव

जल संसाधन विभाग के आंकड़ों के अनुसार, राज्य के 693 बांधों की कुल जल संग्रहण क्षमता 13,026.511 मिलियन क्यूबिक मीटर (एमक्यूएम) है, जिसमें से 10,038.182 एमक्यूएम पानी भर चुका है, जो 77.66% है। पिछले साल की तुलना में यह स्थिति काफी बेहतर है, जब 8 अगस्त 2024 को केवल 51.29% जलभराव था। कोटा जोन में 91.7% क्षमता के साथ सर्वाधिक जल संग्रहण दर्ज किया गया, जबकि जोधपुर और उदयपुर जोन में क्रमशः 54.19% और 52.12% भराव है। 270 बांध पूरी तरह भर चुके हैं, 287 आंशिक रूप से भरे हैं और 107 अभी खाली हैं।

10 हजार लोग भुगत रहे नगर निगम की अनदेखी

जवाहर नगर के सेक्टर चार में जगह-जगह गड्ढे और गंदगी

बेधड़क | जयपुर

राजधानी जयपुर का जवाहर नगर सेक्टर-4 इन दिनों बदहाल सड़कों और ओवरफ्लो सीवरेज के कारण गंभीर समस्याओं से जूझ रहा है। माहेश्वरी स्कूल के पीछे स्थित क्षेत्र में गड्ढे ही गड्ढे हो गए। इससे आमजन का रोजाना आना-जाना बेहद मुश्किल हो गया है। सड़क की खस्ता हालत के कारण अब तक कई बाइक व साइकिल सवार दुर्घटनाग्रस्त हो चुके हैं। स्थानीय निवासियों के अनुसार, सबसे ज्यादा खराब स्थिति प्रकाश किराना स्टोर के सामने की सड़क की है, जहां हर कदम पर बड़े-बड़े गड्ढे नजर आ रहे हैं। वहीं, सीवर और पानी की लाइनें आपस में मिली हुई हैं, जिससे पानी की सप्लाई के समय सीवर लाइन ओवरफ्लो हो जाती है और गंदा पानी पूरे रास्ते में फैल जाता है। इससे दुर्गंध और मच्छरों का आतंक बढ़ गया है, जो बीमारियों को न्योता दे रहा है। सबसे अधिक परेशानी स्कूल जाने वाले छात्र-छात्राओं को हो रही है। अभिभावकों में भी अपने बच्चों की सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ गई है। वाहन जब इन सड़कों से गुजरते हैं तो गंदे पानी के छींटे आसपास खड़े लोगों पर पड़ते हैं, जिससे उनका जीवन दूभर हो गया है।

50 फुट की दूरी पर निगम कार्यालय

हैरानी की बात यह है कि नगर निगम का कार्यालय इस इलाके से मात्र 50 फुट की दूरी पर है, फिर भी अब तक कोई कार्रवाई नहीं की गई है। स्थानीय लोगों ने कई बार शिकायत की, लेकिन जिम्मेदार अधिकारियों की अनदेखी के चलते समस्या जस की तस बनी हुई है। क्षेत्र के करीब 10 हजार लोग इस बदहाली को रोजाना झेलने को मजबूर हैं।

पुलिस मुख्यालय ने लगाई लगाम... फॉरेंसिक संसाधनों का होगा सही इस्तेमाल

अब हर एफआईआर पर नहीं दौड़ेगी FSL की टीम

बेधड़क एक्सक्लूसिव

शिवेंद्र सिंह परमार | बेधड़क

जयपुर। राजस्थान में अपराध स्थल की वैज्ञानिक जांच करने वाली एफएसएल (फॉरेंसिक साइंस लैबोरेटरी) टीम अब बार-बार की 'बेवजह की ड्यूटी' से राहत पाएगी। एफएसएल ने हाल ही में पुलिस मुख्यालय को सख्त शिकायत भेजी थी कि थानों से उन्हें मामूली चोरी, झगड़े या आत्महत्या की सूचना पर भी तत्काल मौके पर बुला लिया जाता है, जिससे वह हत्या, बलात्कार और अन्य संगीन वारदातों की समय पर जांच नहीं कर पा रही हैं। एफएसएल की इस आपत्ति पर एक्शन लेते हुए पुलिस मुख्यालय ने पूरे राज्य के थानों को निर्देश जारी किए हैं। एडीजी (अपराध) दिनेश एम.एन. की ओर से जारी निर्देशों में कहा गया है कि कई बार एफएसएल की टीमें छोटे मामलों में उलझ जाती हैं, जिससे हत्या जैसे गंभीर अपराधों के स्थलों पर पहुंचने में देरी होती है और अहम साक्ष्य नष्ट हो जाते हैं, इसलिए सिर्फ गंभीर श्रेणी और बहुत जरूरत होने पर ही एफएसएल टीम को घटनास्थल पर बुलाया जाए। एफएसएल टीमों को रोज ऐसे प्रकरणों में बुलाया जा रहा था, जिनमें वैज्ञानिक परीक्षण की आवश्यकता या तो नहीं होती या तत्काल नहीं होती, जैसे घरेलू झगड़े, सामान्य आत्महत्याएं या छोटी-मोटी चोरी। इससे टीम का समय, संसाधन और विशेषज्ञता बर्बाद हो रही थी। इस कारण जब किसी बड़ी वारदात की खबर आती, तब टीम या तो पहले से फील्ड में व्यस्त होती या घटनास्थल तक देर से पहुंचती।

तीन श्रेणियों में वर्गीकरण

अब मामलों को गंभीर, सामान्य और अति-सामान्य श्रेणियों में बांटा जाएगा। अति-सामान्य श्रेणी के अपराध में एफएसएल नहीं बुलाने का निर्णय वृत्ताधिकारी के स्तर पर लिया जाएगा, जिसका रिकॉर्ड भी रखना होगा। नकबजनी और चोरी जैसी घटनाओं में औचित्यपूर्ण रूप से स्थिति स्पष्ट करते हुए ही एफएसएल टीम से निरीक्षण करवाया जाएगा।

घटनास्थल की सुरक्षा अनिवार्य

पुलिस को निर्देश दिया गया है कि एफएसएल टीम के पहुंचने तक घटनास्थल को सील कर सुरक्षित रखा जाए, ताकि साक्ष्य नष्ट न हो।

पुराने मामलों की समीक्षा

ऐसे प्रकरण जिनमें मामला देरी से दर्ज हुआ है, उनमें संभावित साक्ष्यों की प्रकृति एवं घटनास्थल के संरक्षण की स्थिति का विश्लेषण कर एफएसएल टीम से क्या साक्ष्य संकलन करवाए जाने हैं, इसका साफ रूप से उल्लेख करना होगा।

पुलिस मुख्यालय का संदेश

एफएसएल से जुड़ी जांच को लेकर नए सिरे से आदेश जारी कर पुलिस मुख्यालय ने संदेश दिया है कि एफएसएल एक विशेषज्ञ टीम है, न कि हर एफआईआर पर दौड़ने वाली साधारण रिस्पांस यूनिट। इसके संसाधनों का उपयोग सोच-समझकर होना चाहिए, जिससे असली न्याय सुनिश्चित हो सके। पहले से ही एफएसएल में सैकड़ों मामलों की जांच लंबित चल रही है। ऐसे में एफएसएल का अनावश्यक प्रयोग रुकने से बेहतर परिणाम मिल सकेंगे।

बिंदायका थाना क्षेत्र का मामला

ट्रेन की चपेट में आने से मां-बेटी की मौत

बेधड़क | जयपुर

बिंदायका इलाके में शुक्रवार दोपहर पैदल पटरियां पार कर रही स्कूल टीचर और उनकी 8 साल की बेटी की ट्रेन की चपेट में आने से मौत हो गई। सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची बिंदायका थाना पुलिस और जीआरपी ने मां-बेटी के शवों की पहचान करने के बाद परिजनों को सूचना दी और दोनों के शव पोस्टमार्टम के लिए एसएमएस हॉस्पिटल पहुंचा दिए। शनिवार को पोस्टमार्टम करवाया जाएगा।

मृतका सुशीला सैनी (38) बिंदायका के पास ही विजयपुरा स्थित सरकारी स्कूल में टीचर थी। सुशीला की 8 साल की बेटी भव्या की तबीयत खराब चल रही थी, इसलिए वह शुक्रवार को उसे अपने साथ स्कूल ले गई। दोपहर 2 बजे स्कूल की छुट्टी होने के बाद बस पकड़ने के लिए दोनों पैदल ही रेलवे ट्रैक पार कर रही थीं। इस दौरान उदयपुर से आ रही ट्रेन की चपेट में आने से दोनों की मौत हो गई। जीआरपी थाने के एसएचओ अरुण ने बताया कि सुशीला मूलतः नीम का थाना की रहने वाली थी, जो सी-स्कीम में रहकर विजयपुरा सरकारी स्कूल में नौकरी कर रही थी। सुशीला के पति श्रीराम सैनी भी टीचर हैं।

जरूरी खबर

नापासर नगर पालिका की अध्यक्ष का निलंबन रद्द

जोधपुर। राजस्थान हाई कोर्ट ने बीकानेर के नापासर नगरपालिका की अध्यक्ष सरला देवी के निलंबन आदेश को खारिज करते हुए राहत दी है। जस्टिस सुनील बेनीवाल की एकलपीठ ने कहा कि याचिकाकर्ता को तत्काल पद पर बहाल किया जाए, लेकिन उनके खिलाफ अनुशासनात्मक जांच स्थानीय स्वशासन विभाग को पूरी छूट के साथ तीन माह में पूरी करनी होगी। दरअसल, सरला देवी ग्राम पंचायत नापासर (तहसील बीकानेर) की पूर्व सरपंच रही हैं।

सड़क पर चल रही महिला को डंपर ने कुचला, मौत

जोधपुर। सड़क किनारे जा रही महिला को अनियंत्रित डंपर ने चपेट में ले लिया। टायर महिला के ऊपर से निकलने से उसकी मौके पर ही मौत हो गई। इस घटना से जुड़ा सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है, जिसमें डंपर महिला को चपेट में लेते हुए नजर आ रहा है। इधर, घटना के बाद परिजनों ने पुलिस को रिपोर्ट दी। हादसा जोधपुर के मंडोर थाना क्षेत्र के रॉयल्टी नाका चौराहा बालसमंद के पास हुआ। रॉयल्टी नाका क्षेत्र में रहने वाली तुरी (74) पत्नी ऊकाराम भार्गव निवासी मुंडवा नागौर शाम को सामान लेने के लिए पैदल जा रही थी। लौटते समय अनियंत्रित डंपर ने उसे अपनी चपेट में ले लिया, जिससे महिला की मौके पर ही मौत हो गई।

चाकू की नोक पर वृद्ध महिला का गले का जेवर तोड़ा

अजमेर। मांगलियावास थाना क्षेत्र में बाइक सवार तीन बदमाशों ने वृद्ध महिला से लूट की वारदात को अंजाम दिया। खेत से घर लौट रही 80 वर्षीय भंवरी देवी को बदमाशों ने चाकू दिखाकर रोका और विरोध करने पर गले पर हमला कर दिया। बदमाश सोने का जेवर (मादलिया) तोड़कर फरार हो गए। पीड़िता के बेटे सुखपाल ने बताया कि उनकी मां भंवरी देवी खेत से घर की तरफ जा रही थी। इसी दौरान तीन बाइक सवार बदमाश आए और उन्हें रोक लिया। बदमाशों ने चाकू निकालकर गले पर रखा और मादलिया छीन लिया। विरोध करने पर बदमाशों ने चाकू से हमला कर दिया, जिससे भंवरी देवी गंभीर रूप से घायल हो गईं। घायल महिला को तत्काल जेएलएन अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने गले पर चार टांके लगाए। पीड़िता की हालत अब स्थिर बताई जा रही है। पुलिस ने पीड़िता के बेटे की शिकायत पर मुकदमा दर्ज कर लिया है।

कन्हैयालाल हत्याकांड पर बनी फिल्म रिलीज: उदयपुर में पिता की फोटो लेकर मूवी देखने गए थे दोनों भाई

फिल्म में पिता की गर्दन काटने का सीन देखकर रोने लगे बेटे

बेधड़क | उदयपुर

राजस्थान के कन्हैयालाल हत्याकांड पर बनी फिल्म शुक्रवार को देशभर के 4500 सिनेमा घरों में रिलीज हुई। उदयपुर के अर्बन स्क्वायर मॉल में कन्हैयालाल साहू के बेटे यश और तरुण भी मूवी देखने पहुंचे। जब फिल्म में कन्हैयालाल की गर्दन काटने का सीन आया तो दोनों भाई अपने आंसू नहीं रोक पाए। बेटे यश ने कहा कि कड़े संघर्ष के बाद यह मूवी लोगों के सामने आई है। फिल्म को कई जगह चैलेंज किया गया। हाई कोर्ट, सुप्रीम कोर्ट में चैलेंज किया। फिर इसका फैसला

सिनेमाघर में दोनों बेटों के बीच की सीट पर रखी कन्हैयालाल की फोटो।

केंद्र सरकार पर भी छोड़ा। सूचना प्रसारण मंत्रालय और सरकार ने फिल्म देखकर कहा कि यह किसी भी समुदाय को नुकसान पहुंचाने वाली नहीं है, इसलिए इसे जल्द से जल्द रिलीज किया जाए। यश

ने कहा कि मैं और मेरा भाई फिल्म देखने आए हैं। मेरी मां मूवी देखने नहीं आई, क्योंकि पहले भी फिल्म नहीं देख पाई थीं, उस समय हमें बहुत परेशानी हुई थी। इसलिए इस बार मां को साथ नहीं लाने का निर्णय लिया।

आरोपियों को जल्द मिले सजा

यश ने कहा कि मूवी से एक संदेश है कि हमारा परिवार तीन साल से न्याय के लिए खड़ा है, लेकिन अभी तक न्याय नहीं मिला है। देश की जनता हमारा साथ दे, जिससे जल्द से जल्द आरोपियों को सजा मिल सके। यश ने बताया कि आतंकवादी मानसिकता वाले लोगों ने उनके पिता की हत्या को कैसे अंजाम दिया। उस पूरे घटनाक्रम के बारे में मूवी में दिखाया गया है। उन्होंने लोगों से भी मूवी देखने की अपील की है। फिल्म का पहला शो सुखेर स्थित अरबन स्क्वायर मॉल में हुआ। फिल्म का निर्देशन भरत एस. श्रीनेत और जयंत सिन्हा ने किया है। इसके प्रोड्यूसर अमित जानी है। कन्हैयालाल के किरदार में बॉलीवुड एक्टर विजय राज हैं। रजनीश दुग्गल और प्रीति झांगियानी ने भी अहम किरदार निभाया है।

क्या था कन्हैयालाल हत्याकांड

तीन साल पहले 28 जून, 2022 को उदयपुर शहर के गोवर्धन विलास इलाके में रहने वाले कन्हैयालाल की उनकी दुकान में घुसकर हत्या की गई थी। भाजपा से हटाई गई नुपूर शर्मा के पक्ष में सोशल मीडिया पर पोस्ट के बाद से समुदाय विशेष के लोग उन्हें जान से मारने की धमकी दे रहे थे। धमकी से परेशान होकर नामजद रिपोर्ट दर्ज कराई थी। 28 जून को आरोपियों ने उनकी दुकान में घुसकर गला काटकर हत्या कर दी थी। मामले में एनआईए ने पाकिस्तान के कराची निवासी सलमान और अबू इब्राहिम को फरार बताते हुए मुख्य आरोपी गौस मोहम्मद और मोहम्मद रियाज अत्तारी सहित 11 आरोपियों मोहसिन, आसिफ, मोहम्मद मोहसिन, वसीम अली, फरहाद मोहम्मद शेख उर्फ बबला, मोहम्मद जावेद, मुस्लिम मोहम्मद के खिलाफ चालान पेश किया था।

बांसवाड़ा में ट्रक पलटने से हुआ हादसा: पत्थरों के ऊपर बैठे थे श्रमिक

ग्रेनाइट स्लैब के नीचे दबने से तीन की मौत, 5 गंभीर घायल

बेधड़क | बांसवाड़ा

बांसवाड़ा में शुक्रवार दोपहर एक बजे नेशनल हाईवे-927 पर लोधा जीएसस के पास 12 टन ग्रेनाइट पत्थर से भरा ट्रक पलट गया। हादसे में पत्थरों के ऊपर बैठे 8 मजदूर दब गए। इनमें से तीन मजदूरों की मौत हो गई। वहीं, 5 गंभीर घायल हो गए। पुलिस के अनुसार, ट्रक बांसवाड़ा स्थित तिरुपति मार्बल एंड ग्रेनाइट से करीब 12 टन स्लैब लेकर दाहोद (गुजरात) जा रहा था।

ट्रक के पिछले हिस्से में 8 मजदूर पत्थरों के ऊपर ही बैठे थे। सीआई बुधाराम ने बताया कि हादसे की सूचना पर सदर थाना पुलिस मौके पर पहुंची। लोगों की मदद से बचाव कार्य शुरू किया गया। पत्थर के स्लैब हटाकर मजदूरों को निकाला गया और ट्रक को क्रेन से हटवाया गया। इस हादसे में बांसवाड़ा के निचला घंटाल निवासी अनिल पुत्र हकरू, कैलाश पुत्र कालू और घाटे की नाल निवासी अजय पुत्र लक्ष्मण की मौत हो गई। वहीं, निचला घंटाल निवासी रामा पुत्र भेमजी, राजू पुत्र रमेश, जीवड़ा पुत्र कालू, घाटे की नाल निवासी हरीश पुत्र प्रभु और दिलीप पुत्र प्रभु घायल हो गए।

हादसे के बाद ट्रक से निकले पड़े पत्थर।

अस्पताल में घायलों का उपचार करते डॉक्टर।

प्रतिबंध के बावजूद धड़ल्ले से बिक रहा 'चाइनीज मांझा'

चाइनीज मांझे से रेलवे इंजीनियर का गला कटा, 15 टांके लगे

अजमेर। प्रतिबंध के बावजूद अजमेर शहर में चाइनीज मांझा बेरोकटोक बिक रहा है। ड्यूटी से घर लौट रहे रेलवे के सीनियर सेक्शन इंजीनियर कैलाशचंद शर्मा सोनीजी की नसियां के पास कटी पतंग के मांझे की चपेट में आ गए। चाइनीज मांझे से बाइक पर सवार शर्मा के गले पर करीब 6 सेंटीमीटर गहरा कट लग गया। राहगीरों ने उन्हें लहूलुहान और अचेत हालत में जेएलएन अस्पताल पहुंचाया। चिकित्सकों ने बताया कि मांझे का कट लगने से शर्मा के गले से काफी खून निकल गया। हालांकि स्थिति फिलहाल खतरे से बाहर बताई जा रही है। उनके 15 टांके लगाए गए। जानकारी के अनुसार, चाइनीज मांझा को 'किलर मांझा' भी कहा जाता है। इसके कारण होने वाली दुर्घटनाओं और पर्यावरणीय नुकसान को देखते हुए नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (एनजीटी) ने 2017 से इसकी खरीद, बिक्री और भंडारण पर देशव्यापी प्रतिबंध लगा दिया था।

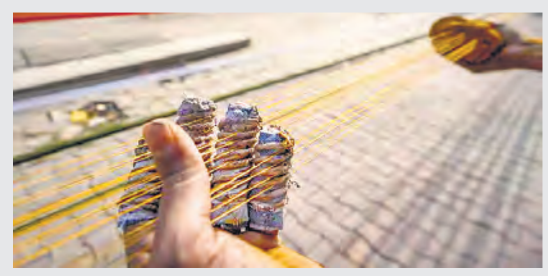

यह प्रतिबंध पर्यावरण संरक्षण अधिनियम, 1986 और पशु क्रूरता निवारण अधिनियम, 1960 के तहत लागू किया गया है। यह मांझा न केवल मानव जीवन को खतरे में डालता है, बल्कि पक्षियों की मृत्यु और पर्यावरणीय क्षति का कारण भी बनता है।

DRDO के गेस्ट हाउस का प्रबंधक है आरोपी

पाक के लिए जासूसी करते पकड़े गए मैनेजर को जयपुर भेजा

बेधड़क | जैसलमेर

जैसलमेर में पाकिस्तान के लिए जासूसी करने के संदेह में पकड़े गए रक्षा एवं अनुसंधान विकास संगठन (डीआरडीओ) के गेस्ट हाउस के प्रबंधक महेंद्र प्रसाद को पूछताछ के बाद गुरुवार की रात जयपुर भेज दिया गया। जैसलमेर पुलिस अधीक्षक अभिषेक शिवहरे ने शुक्रवार को बताया कि गत चार अगस्त को जैसलमेर के चांधन क्षेत्र में पकड़े गए महेंद्र प्रसाद से विभिन्न सुरक्षा एवं खुफिया एजेंसियों की ओर से पूछताछ के दौरान कई खुलासे हुए हैं। वह पिछले पांच वर्षों से देश की सामरिक एवं गोपनीय सूचनाएं सीमा पार पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी को भेज रहा था। उन्होंने बताया कि उसके पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई से सम्बन्ध होने पर उसे पूछताछ के लिए देर रात केंद्रीय जांच केंद्र (सीआईसी) जयपुर भिजवाया गया है। उन्होंने बताया कि जैसलमेर में सैन्य परिसरों एवं अन्य महत्वपूर्ण संस्थाओं में तैनात निजी एवं संविदा में लगे हुए कर्मचारियों का प्रमाणीकरण एवं उनके बारे में जांच की जा रही है। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि महेंद्र प्रसाद को सीमा पार से फर्जी डीआरडीओ का अधिकारी कर्नल एके सिंह बनकर आईएसआई से जुड़ा कर्मचारी फोन करता था। महेंद्र प्रसाद कथित

आरोपी महेंद्र प्रसाद।

कर्नल एके सिंह के तीन अलग-अलग नम्बरों पर डीआरडीओ एवं अन्य सैन्य गतिविधियों की जानकारी कागज पर लिखकर फोटो खींच कर भिजवाता था।

वह गेस्ट हाउस में आने वाले डीआरडीओ के वैज्ञानिक, विशेषज्ञ और अन्य सेना एवं वायुसेना के आने वाले अधिकारियों के नाम, फोन नम्बर, किस कारण से आए हैं, इसकी गोपनीय जानकारी सीमा पार कथित कर्नल एके सिंह को उसके बताए गए नम्बरों पर भेजता था। सूत्रों ने बताया कि जासूस महेन्द्र प्रसाद का पिता भी काफी समय से दिल्ली एवं अन्य स्थानों पर डीआरडीओ गेस्ट हाउस में कुक का कार्य करता था, बाद इसको भी पिता ने गेस्ट हाउस में कुक की नौकरी दिलवा दी। बताया जाता है महेन्द्र प्रसाद गेस्ट हाउस में वर्ष 2008 से कुक की नौकरी कर रहा था। बाद में इसे प्रबंधक बना दिया गया था। वह जैसलमेर में डीआरडीओ के गेस्ट हाउस में रहने के दौरान वर्ष 2020 में आईएसआई के सम्पर्क में आया।

सूचना का अभाव, कोटा से भोपाल के लिए खाली ही रवाना हुई ट्रेन

बेधड़क | कोटा

कोटा रेल मंडल से कोटा से गुरुवार को भोपाल के लिए ट्रेन का संचालन किया गया था। खास बात यह रही कि जानकारी के अभाव में पूरी की पूरी ट्रेन खाली ही भोपाल के लिए रवाना हो गई। ट्रेन के वापस आने की जानकारी भी यात्रियों के पास नहीं थी। दरअसल, रेलवे ने आनन-फानन में रवाना की गई इस ट्रेन की जानकारी सोशल मीडिया के जरिए जारी की थी।

भोपाल में भगदड़ के कारण चलाई थी ट्रेन

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक सौरभ जैन ने बताया कि ये स्पेशल ट्रेन नहीं थी, ये अनरिजर्व्ड की तरह चलाई गई थी। भोपाल में कथा का कार्यक्रम था। भगदड़ के

कारण भीड़ ज्यादा थी। शॉर्ट नोटिस पर इमरजेंसी के तौर पर चलाई गई थी। ताकि वहां फंसे हुए लोग वापस आ सकें। शाम को नोटिफिकेशन मिला था। फिर गाड़ी का एग्जामिन किया, जिसके बाद सोशल मीडिया पर ट्रेन की सूचना डाली। ट्रेन के रवाना होने का 11.10 बजे का टाइम दे रखा था। ट्रेन को अनरिजर्व्ड के रूप में चलाया, इसलिए ट्रेन की सूचना NTES पर नहीं डाली गई। ट्रेन को लेकर स्टेशन पर अनाउंस करवाया था। अनरिजर्व्ड वालों का डाटा हमें नहीं मिलता। कोई भी टिकट लेकर बैठ सकता है।

परिजन बोले- आंख में चोट थी, डॉक्टर ने कहा- अचानक कार्डियक अरेस्ट आया

निजी अस्पताल में बच्चे की मौत पर किया हंगामा

बेधड़क | जोधपुर

जोधपुर के एक निजी अस्पताल में इलाज के दौरान चार साल के बच्चे की मौत हो गई। इसके बाद परिजनों ने अस्पताल में हंगामा कर दिया। उन्होंने डॉक्टरों पर लापरवाही का आरोप लगाया है। परिजन ने कहा कि बच्चे को आंख में चोट लगने पर अस्पताल लेकर आए थे। उधर, डॉक्टर का कहना है कि बच्चे के हेड इंजरी थी, जिसकी माइक्रो सर्जरी कर दी गई। लेकिन अचानक उसे कार्डियक अरेस्ट आ गया। मामला महामंदिर थाना इलाके में नागौरी गेट रोड स्थित कामदार आई हॉस्पिटल का है। शाम को

बच्चे की मौत के बाद निजी अस्पताल में हंगामा करते परिजन व अन्य।

परिजन और समाज के लोग प्रदर्शन करने लगे। परिजन का कहना है कि बच्चे की मौत के बाद अस्पताल प्रशासन ने हमें सूचना नहीं दी। इससे पहले पुलिस और आरएसी के जवान हॉस्पिटल में तैनात कर दिए गए। इसके बाद हमें बताया गया। हॉस्पिटल प्रशासन हम पर बॉडी लेकर जाने का दबाव बना रहा है।

बच्चे की आंख में लगी थी चोट

राजपुरोहित समाज के रामचंद्र सिंह ने बताया कि चांदेसरा निवासी कार्तिक सिंह (4) पुत्र दिनेश सिंह के आंख में चोट लग गई थी। परिजन कार्तिक को लेकर बुधवार रात 8 बजे अस्पताल आए थे। यहां पर डॉक्टरों ने कहा कि आंख की चोट गंभीर है। इलाज के लिए अहमदाबाद से डॉक्टर बुलाने पड़ेंगे। अस्पताल प्रशासन ने इलाज के लिए पहले 50 हजार रुपए लिए। उसके बाद ढाई लाख का और खर्च बताया। परिजनों ने इसके लिए हां कर दी। गुरुवार दोपहर करीब 2 बजे बताया कि बच्चे की डैथ हो गई।

भरतपुर के अपना घर आश्रम में हुआ भावुक मिलन

जिसे मृत माना, वह मां 17 साल बाद बच्चों को मिली

बेधड़क | भरतपुर

17 साल बाद एक मां और बच्चों का भावुक मिलन हुआ। 2008 में घर छोड़ने के बाद लापता हुई रजनी उर्फ रानी झा को परिवार ने मृत मान लिया था, लेकिन अचानक आए फोन ने उनकी जिंदगी बदल दी। भरतपुर के अपना घर आश्रम में रह रहीं रानी को पहचानने के लिए उनके बच्चों को बुलाया गया, जहां बेटे-बेटियों ने गले लगाकर आंसुओं के साथ अपनी मां को वापस पाया। रानी झा जो 2008 में झांसी, चितगुआं (उत्तर प्रदेश) से अपने घर से निकल गई थीं। इसके बाद परिजनों ने उन्हें बहुत ढूंढा। लेकिन, उनका कोई पता नहीं चला।

मां रानी (ऑरेंज साड़ी में) से 17 साल बाद मिलकर बेटी सीतू (लाल साड़ी में) भावुक हो गई।

मैं सिर्फ 6 साल का था

बेटे रोहित झा ने बताया कि मां 17 साल पहले घर से निकल गई थी। जब मां घर से गई, तब मेरी उम्र 6 साल थी। मेरी छोटी बहन सीतू 5 साल और उससे छोटी बहन शिवानी 3 साल की थी। मेरे पिता अखिलेश झा झांसी में ड्राइवर का काम करते हैं। मां के जाने के बाद पिता ने उन्हें ढूंढा, पुलिस में एफआईआर भी करवाई, लेकिन कई सालों तक उनका कुछ पता नहीं चल पाया था। बड़ा हुआ तो मैंने भी ऑटो चलाना शुरू कर दिया। दोस्तों के बीच जब भी मां का जिक्र होता तो मुझे लगता एक मां को ढूंढना चाहिए। रोहित ने बताया कि हमने धीरे-धीरे आस छोड़ दी थी। इसके बाद 3 अगस्त को भरतपुर के अपना घर आश्रम से कॉल आया कि आपकी मां रानी झा यहां हैं, उनकी मानसिक स्थिति ठीक नहीं थी। अब एक बार आप आकर देख लें कि क्या यही रानी झा हैं। रोहित ने बताया इसके बाद मैं, बहन सीतू और जीजा विकास यहां आए।

वीडियो कॉल पर कराई थी मां से बात

अपना घर आश्रम के सचिव बसंत लाल गुप्ता ने बताया कि भरतपुर के बझेरा स्थित अपना घर आश्रम में रानी को 16 जून, 2018 को लाया गया था। तब वह मानसिक रूप से बीमार थी। इससे पहले वह बीकानेर नारी निकेतन में रह रहीं थीं। बीकानेर नारी निकेतन में उन्हें साल 2012 में लाया गया था। अपना घर आश्रम में लाने के बाद उनका इलाज किया गया। धीरे-धीरे वह ठीक होने लगी। उन्होंने बताया कि 5 दिन पहले हमने उनके घर पर संपर्क किया। हमारी बात रानी के देवर मुकेश से हुई। तब हमने मुकेश को रानी के बारे में बताया। मुकेश ने रानी के बेटे रोहित को उनके बारे में बताया। इसके बाद रानी की वीडियो कॉल से उनके परिजनों से बात करवाई गई। तब वह कल रानी को लेने के लिए अपना घर आश्रम पहुंचे।

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव से मिले हनुमान बेनीवाल

बेधड़क | जयपुर

नागौर सांसद हनुमान बेनीवाल ने शुक्रवार को दिल्ली स्थित रेल भवन में रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव से मुलाकात कर नागौर संसदीय क्षेत्र से जुड़ी रेल परियोजनाओं और किसान हितों से जुड़े मुद्दों पर चर्चा की। इस दौरान मेड़ता-पुष्कर और मेड़ता-रास प्रस्तावित रेलवे लाइनों के सर्वे में हो रही तकनीकी त्रुटियों और भूमि अधिग्रहण में हो रहे भेदभाव को लेकर विशेष बातचीत हुई।

बेनीवाल ने कहा कि नागौर जिले के किसानों को अजमेर की तुलना में कम मुआवजा मिल रहा है और न्यूनतम 20 लाख रुपए प्रति बीघा मुआवजा देने की मांग रखी। इसके अलावा रींगस-खाटू श्यामजी रेलवे लाइन में भूमि अधिग्रहण से असंतुष्ट किसानों को भी रेल मंत्री से मिलवाया गया।

CBSE वेस्ट जोन टेनिस टूर्नामेंट में राजस्थान की टीम का ऐतिहासिक प्रदर्शन

ओजसवीर और दर्श की जोड़ी ने दिलाया स्वर्ण, अंडर-17 में रचा इतिहास

बेधड़क | जयपुर

राजस्थान के उभरते टेनिस खिलाड़ी ओजसवीर सिंह ने दर्श पाबूवाल, मौलिक अग्रवाल और अद्वे गाडिया के साथ मिलकर इंदौर में आयोजित CBSE वेस्ट जोन टेनिस टूर्नामेंट में अंडर-17 शृंखला का स्वर्ण पदक जीत कर प्रदेश का नाम रोशन किया।

यह पहला अवसर है जब अंडर-17 वर्ग की टीम ने राजस्थान की ओर से खेलते हुए स्वर्ण पदक जीता है। नीरजा मोदी स्कूल का प्रतिनिधित्व कर रहे ओजसवीर सिंह, जो ऑल इंडिया टेनिस रैंकिंग में टॉप 100 में शामिल हैं, ने पूरे टूर्नामेंट में प्रभावशाली खेल दिखाया। फाइनल मुकाबले में ओजसवीर ने दर्श पाबूवाल के साथ मिलकर उदयपुर की MDS स्कूल को एकतरफा अंदाज में हराया और टीम को स्वर्ण पदक दिलाया। पूरे टूर्नामेंट के दौरान कोच आकाश कुमावत ने खिलाड़ियों का मनोबल बढ़ाया और उन्हें सफलता के लिए प्रेरित किया। ओजस के पिता वीरेंद्र सिंह स्वयं टेनिस खिलाड़ी हैं। वे चौमूं क्षेत्र में पिछले 23 वर्षों से CBSE विद्यालय विद्याग्राम इंटरनेशनल स्कूल का संचालन कर रहे हैं। वे शिक्षा के साथ-साथ खेलों को भी बढ़ावा देने के प्रयासों में सक्रिय हैं। उनके विद्यालय के सैकड़ों विद्यार्थी अब तक राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर विद्यालय का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं।

ओजसवीर।

अद्वे, ओजसवीर, डीपीएस प्रिंसिपल मिसेज नैयर, अनुराग, दर्श मौलिक और आकाश कुमावत।

Yuva स्टोरीज

आर्मी कमांडर ने किया सैन्य स्टेशनों का दौरा

बेधड़क,जयपुर। लेफ्टिनेंट जनरल मंजिंदर सिंह (आर्मी कमांडर, सप्त शक्ति कमांड) ने बठिंडा व लालगढ़ जट्टान सैन्य स्टेशन का दौरा करते हुए फॉर्मेशनों की ऑपरेशनल प्रिपेयर्डनेस, प्रशिक्षण गतिविधियों तथा ऑपरेशनल लॉजिस्टिक पहलुओं की समीक्षा की। आर्मी कमांडर ने ड्रोन व काउंटर ड्रोन प्रशिक्षण प्रयोगशालाओं, प्रशिक्षण अवसंरचना का निरीक्षण किया तथा ड्रोन्स के नवाचारी उपयोग के प्रदर्शन देखे। उन्होंने टास्क-ओरिएंटेड, रीयलिस्टिक ट्रेनिंग पर जोर देते हुए कहा कि प्रशिक्षण उभरती हुई तकनीकों पर आधारित होना चाहिए। आर्मी कमांडर ने इनोवेशन व टेक्नोलॉजी अब्सॉर्प्शन प्रदर्शनी का भी अवलोकन किया। उन्होंने इन तकनीकी पहलों की सराहना की और भारतीय सेना के तकनीक-संचालित परिवर्तन में तेजी लाने के लिए और अधिक सुविधाओं व बुनियादी ढांचे के निर्माण पर जोर दिया। इस अवसर पर उन्होंने सभी रैंकों के साथ बातचीत की और आह्वान किया कि सभी रैंक तकनीकी प्रगति और उभरते साइबर खतरों के नवीनतम रुझानों से खुद को अवगत रखें तथा भौतिक या साइबर डोमेन में किसी भी खतरे के लिए प्रथम रेस्पॉन्डर के रूप में कार्य करने में सक्षम बनें।

AU को यूनिवर्सल बैंक की मंजूरी

बेधड़क,जयपुर। एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक को भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) से यूनिवर्सल बैंक बनने की सैद्धांतिक मंजूरी मिल गई है, जिससे यह उपलब्धि हासिल करने वाला भारत का पहला स्मॉल फाइनेंस बैंक बन गया है। यह मंजूरी संस्थापक संजय अग्रवाल के तीन दशकों से अधिक के उद्यमशील सफर की एक ऐतिहासिक उपलब्धि है और भारतीय बैंकिंग इतिहास में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर भी है। बैंक ने अपने उद्देश्य, प्रतिबद्धता और अनुशासन के बल पर इस मुकाम को हासिल किया है, जो भविष्य में बैंकिंग के क्षेत्र में नए आयाम स्थापित करने की दिशा में एक बड़ा कदम है।

संजय अग्रवाल

मोक्ष कल्याणक महोत्सव आज

बेधड़क,जयपुर। झोटवाड़ा स्थित पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर में उपाध्याय वृषभानंद महाराज ससंघ के पावन सान्निध्य में जैन धर्म के 11वें तीर्थंकर भगवान श्रेयांसनाथ का मोक्ष कल्याणक महोत्सव और सामूहिक रक्षाबंधन पर्व शनिवार को मनाया जाएगा। अध्यक्ष अजय काला और महामंत्री नवीन पांडया ने बताया कि प्रात:काल पूजन, अभिषेक, णमोकार विधान के बाद निर्वाण लड्डू चढ़ाया जाएगा। इसके बाद सामूहिक रक्षाबंधन पर्व मनाया जाएगा। इस मौके पर उपाध्याय के मंत्रोच्चार से सभी को रक्षा सूत्र प्रदान किया जाएगा और अंत में उनके विशेष प्रवचन होंगे।

कल से जैन मंदिरों में विशेष आयोजन

बेधड़क,जयपुर। भाद्रपद मास प्रारंभ होते ही रविवार से दिगंबर जैन मंदिरों में एक महीने तक रौनक रहेगी। जैन धर्मावलंबी एक महीने तक षोडशकारण पर्व मनाएंगे। राजस्थान जैन सभा जयपुर के उपाध्यक्ष विनोद जैन 'कोटखावदा' ने बताया कि 10 अगस्त से षोडशकारण व्रत और मेघमाला व्रत प्रारंभ हो जाएंगे, जो 8 सितंबर तक चलेंगे। उन्होंने बताया कि इससे पूर्व 14 अगस्त को चंदन षष्ठी, 24 अगस्त से 26 अगस्त तक लब्धिविधान तेला, 26 अगस्त को रोट तीज और चौबीसी व्रत मनाया जाएगा। 8 सितंबर को षोडशकारण व्रत समापन कलश और पड़वा ढोक - क्षमा वाणी पर्व मनाया जाएगा।

आनंद में जीने की दी सीख

बेधड़क,जयपुर। कीर्ति नगर स्थित पारसनाथ दिगंबर जैन मंदिर में चल रहे विशुद्ध ज्ञान वर्षा योग में मुनि आदित्य सागर महाराज ने कहा कि मनुष्य को विवाद में नहीं, आनंद में जीना चाहिए। तभी उसका हमारा सम्मान होगा। उन्होंने कहा कि अच्छे कार्य करेंगे तो सम्मान निश्चित मिलेगा, जिनके पास विवेक होता है उन्हें सम्मान मिलता है। विवाद में रहने वाले लोग विवेकहीन हो जाते हैं। मंदिर समिति अध्यक्ष प्रेम चन्द जैन और महामंत्री जगदीश जैन ने बताया कि शनिवार को 8:15 बजे धर्म सभा में मुनि आदित्य सागर महाराज के नीति रहस्य पर मंगल प्रवचन होंगे। इस मौके पर भगवान श्रेयांसनाथ का मोक्ष कल्याणक और रक्षाबंधन पर्व मनाया जाएगा। प्रचार समन्वयक विनोद जैन कोटखावदा के बताया कि मुनि संघ प्रतिदिन 18 घंटे धर्म प्रभावना और तपस्या में संलग्न रहता है।

इंडिया टूर स्क्वैश: शोहदी और नूर ने शीर्ष वरीयता रखी बरकरार

तन्वी ने मैच बनाया यादगार उपविजेता का खिताब जीता

पुरस्कार वितरण के दौरान विजेताओं के साथ डॉ. अरुण चतुर्वेदी, रजत चन्दोलिया, राजेन्द्र सिंह सिसोदिया और सुरभि मिश्रा।

बेधड़क | जयपुर

मिस्र के यासिन शोहदी और नूर खफागी ने अपनी शीर्ष वरीयता को बरकरार रखते हुए शानदार प्रदर्शन कर एचसीएल इंडिया टूर स्क्वैश टूर्नामेंट का खिताब अपने नाम किया। सवाई मानसिंह स्टेडियम कोर्ट्स पर संपन्न इस टूर्नामेंट में भारत की तन्वी खन्ना उपविजेता के रूप में संतोष करना पड़ा, लेकिन जबरदस्त टक्कर देते हुए उन्होंने फाइनल को यादगार बना दिया।

पुरुष वर्ग के फाइनल मुकाबले में टॉप सीड यासिन शोहदी ने अपने ही देश के मोहम्मद गोहर को सीधे सेट्स में 3-0 से शिकस्त दी। शोहदी ने शुरुआत से ही मैच पर दबदबा बनाए रखा और मुकाबला 11-5, 11-7, 11-3 से जीत कर खिताब अपने नाम किया।

विजेताओं का किया सम्मान

समापन समारोह में राजस्थान वित्त आयोग के अध्यक्ष डॉ. अरुण चतुर्वेदी, एचसीएल ग्रुप के एसोसिएट वाइस प्रेसिडेंट और ब्रांड हेड रजत चन्दोलिया, राजस्थान खेल परिषद के सचिव राजेन्द्र सिंह सिसोदिया और स्क्वैश रैकेट फेडरेशन ऑफ इंडिया की उपाध्यक्ष सुरभि मिश्रा ने विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किए।

नूर
यासिन शोहदी

नूर खफागी ने फिर किया कमाल

महिला वर्ग का फाइनल मुकाबला रोमांचक रहा। वर्ल्ड रैंकिंग में 114वें नम्बर की भारतीय खिलाड़ी तन्वी खन्ना ने रैंकिंग में अपने से कहीं ऊपर मिस्र की नूर खफागी को चार सेट्स तक कड़ा संघर्ष कराया। टूर्नामेंट की टॉप सीड नूर ने 11-3, 5-11, 11-5, 12-10 से जीत के साथ खिताब अपने नाम कर लिया। जकार्ता और हांगझाउ एशियाई खेलों की पदक विजेता तन्वी खन्ना ने पहला सेट हारने के बाद दूसरे सेट में शानदार वापसी की। उन्होंने तीसरा सेट गंवाया और चौथे सेट में 10-8 की बढ़त भी बना ली, लेकिन अनुभवी नूर ने तन्वी की कुछ गलतियों का फायदा उठाते हुए लगातार चार अंक बटोरे और खिताब पर कब्जा कर लिया।

वैकल्पिक बाजार तलाशने की जरूरत

बेधड़क,जयपुर। भाजपा व्यावसायिक प्रकोष्ठ राजस्थान के प्रदेश संयोजक, ज्वैलर्स एसोसिएशन उपाध्यक्ष और कैट के राजस्थान प्रदेश अध्यक्ष उद्योगपति राजू मंगोड़ीवाला ने कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के भारतीय उत्पादों पर 50 फीसदी टैरिफ लगाने से भारतीय उद्योग जगत के साथ-साथ अमेरिकी बाजार और अर्थव्यवस्था पर भी असर पड़ेगा। टैरिफ के कारण अमेरिका में महंगाई बढ़ेगी और जनता सरकार का विरोध करेगी, जिससे ट्रम्प को दबाव में आकर टैरिफ घटाना पड़ सकता है। ज्वैलरी इंडस्ट्री पर 50% टैरिफ बढ़ना गंभीर संकट है। इससे उत्पादन और रोजगार घट सकते हैं, कुछ उद्योग बंद होने की कगार पर आ सकते हैं। उन्होंने कहा कि 'मोदी है तो मुमकिन है' - प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी वैश्विक नेता हैं और इस समस्या का समाधान निकाल सकते हैं। भारतीय उद्योगों पर संकट इसलिए भी आया, क्योंकि कई उद्योग सिर्फ अमेरिकी बाजार को ध्यान में रखकर लगाए गए थे। केंद्र और राज्य सरकार को मिलकर छोटे निर्यातकों को बढ़ावा देना चाहिए और वैकल्पिक बाजारों की तलाश कर, आयातित उत्पादों की मैन्युफैक्चरिंग शुरू कर टैरिफ के असर का मुकाबला करना चाहिए।

राजू मंगोड़ीवाला

जयपुर के युवाओं से रूबरू होंगे हैदर

बेधड़क,जयपुर। मिस्टर यूनिवर्स-2025 प्रतियोगिता में एशिया का प्रतिनिधित्व करने जा रहे हैदर मुख्तार खान गुलाबी नगरी के युवाओं से इंटरेक्ट करेंगे। गौरतलब है कि यह अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता लखनऊ में आयोजित होगी, जिसमें 40 विभिन्न देशों के प्रतिभागी हिस्सा लेंगे। आयोजन का संचालन सनी मिश्रा कर रही हैं। उन्होंने बताया कि हैदर आईटी इंजीनियर हैं और उन्होंने एसआईआरटी से इंजीनियरिंग तथा मिलेनियम कॉलेज से एमबीए किया है। उनकी प्रारंभिक शिक्षा बॉर्बन स्कूल में हुई थी। बॉलीवुड अभिनेत्री स्नेहा उल्लाल और अभिनेता शब्बीर अली उन्हें सम्मानित कर चुके हैं। इससे पहले, हाल ही में चंडीगढ़ के होटल रॉयल पार्क रिसॉर्ट, जीरकपुर में सैश सेरेमनी आयोजित की गई, जहां एमएस एंटरटेनमेंट फाउंडर मीत संधू, नेशनल डायरेक्टर प्रिया तिवारी और बॉलीवुड अभिनेता गुरमीत चावला मौजूद रहे। अब वे जयपुर में फैशन वर्ल्ड के युवाओं के बीच आने की तैयारी कर रहे हैं।

डॉ. विजयलक्ष्मी मीडिएटर मनोनीत

बेधड़क,जयपुर। मणिपाल विश्वविद्यालय की प्रोफेसर डॉ. विजयलक्ष्मी शर्मा को राजस्थान उच्च न्यायालय मीडिएशन सेंटर में मीडिएटर के रूप में मनोनीत किया गया है। वे मध्यस्थता संबंधित मामलों में अपनी सेवाएं प्रदान करेंगी। डॉ. शर्मा राज्य में एकमात्र महिला विधि प्रोफेसर हैं, जिन्हें मीडिएटर के रूप में मनोनीत किया गया है। उन्होंने कहा कि मीडिएटर न्याय दिलाने का एक सस्ता और सुगम विकल्प है, जिससे महंगी और लंबी कानूनी प्रक्रियाओं से बचा जा सकता है। डॉ. शर्मा ने इसका श्रेय माता-पिता, गुरुजनों और परिवार को दिया है।

छात्र परिषद शपथ ग्रहण | अनुज और श्रुति को सौंपी गई स्कूल कैप्टन की जिम्मेदारी

आत्म-अनुशासन और ईमानदारी हैं नेतृत्व के मूल मंत्र

बेधड़क | जयपुर

पीएम केंद्रीय विद्यालय क्रमांक-2 में शैक्षणिक सत्र 2025-26 के लिए छात्र परिषद का शपथ ग्रहण समारोह विद्यालय परिसर में आयोजित किया गया। समारोह में प्रधानाचार्य प्रदीप कुमार टेलर ने स्कूल कैप्टन अनुज और श्रुति एवं अन्य छात्र परिषद पदाधिकारियों को उप-प्रधानाचार्य बी. एस. राठौड़ और मुख्याध्यापक बी. एल. ढाकड़ के सहयोग से बैज व पट्टिकाएं प्रदान कर पदभार ग्रहण कराया। टेलर ने विद्यालय ध्वज स्कूल कैप्टन को सौंपा, वहीं नरेंद्र कुमार, टीजीटी (शारीरिक एवं स्वास्थ्य शिक्षा) ने खेल ध्वज खेल कप्तान को प्रदान किया। इसके पश्चात विद्यालय की चारों हाउस - शिवाजी, टैगोर, अशोक व रमन के छात्र प्रतिनिधि मंच पर पहुंचे। उनके हाउस मास्टर एवं सह-अध्यापकगण ने उन्हें हाउस कैप्टन, वाइस कैप्टन आदि के बैज व सैश प्रदान किए तथा हाउस ध्वज सौंपे। टेलर ने सभी नव-निर्वाचित छात्र पदाधिकारियों को शपथ दिलाई और उन्हें कर्तव्यनिष्ठ तथा अनुशासित बने रहने का संकल्प दिलाया।

दूसरों को आगे बढ़ाने वाला ही सच्चा नेता

टेलर ने अपने संबोधन में कहा कि भारतीय लोकतंत्र का भविष्य हमारे युवाओं के हाथ में है। उन्होंने शिक्षकों से आग्रह किया कि वे विद्यार्थियों को लोकतांत्रिक मूल्यों से समृद्ध करें। उन्होंने यह भी कहा कि आत्म-अनुशासन और ईमानदारी नेतृत्व के मूल मंत्र हैं। यदि आप दूसरों को बड़ा सोचने, ज्यादा सीखने और आगे बढ़ने में मदद कर सकते हैं, तो आप एक सच्चे नेता हैं। स्कूल कैप्टन अनुज ने छात्र परिषद व समस्त विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि नेतृत्व का अर्थ है दूसरों को सशक्त बनाना और साथ मिलकर आगे बढ़ना। अंत में स्कूल कैप्टन (बालिका) श्रुति ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत करते हुए सभी शिक्षकगण, प्रधानाचार्य, उप-प्रधानाचार्य, मुख्याध्यापक एवं सहपाठियों के प्रति आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का संचालन शरद जैन ने समर्पित रूप से किया।

रक्षाबंधन पर विशेष

भाई-बहन के स्नेह का प्रतीक है रक्षाबंधन का पर्व

रमेश सर्राफ धमोरा
स्वतंत्र पत्रकार

> नेपाल के पहाड़ी इलाकों में ब्राह्मण एवं क्षत्रिय समुदाय में रक्षाबंधन गुरु के हाथ से बांधा जाता है, लेकिन दक्षिण सीमा में रहने वाले भारतीय मूल के नेपाली, भारतीयों की तरह बहन से राखी बंधवाते हैं। महाराष्ट्र में यह त्योहार नारियल पूर्णिमा या श्रावणी के नाम से विख्यात है। इस दिन लोग नदी या समुद्र के तट पर जाकर अपने जनेऊ बदलते हैं और समुद्र की पूजा करते हैं। राजस्थान में रामराखी और चूड़ाराखी या लूंबा बांधने का रिवाज है। रामराखी सामान्य राखी से भिन्न होती है। इसमें लाल डोरे पर एक पीले छींटों वाला फुंदना लगा होता है। यह केवल भगवान को ही बांधी जाती है।

भारत एक ऐसा देश है, जहां लोग साल भर त्योहार मनाते रहते हैं। उनमें से राखी का त्योहार लोगों के दिलों में बहुत खास जगह रखता है। बाकी सभी त्योहारों के मुकाबले रक्षाबंधन एक अलग रिश्ते के महत्व को जताने और दिखाने का उत्सव होता है। बच्चे हों या बुजुर्ग, अपने भाई या बहन के खास रिश्ते के लिए इस त्योहार को हर साल यादगार तरीके से मनाते हैं। रक्षाबंधन का पर्व भाई और बहन के बीच पवित्र स्नेह को सदियों से दर्शाता चला आ रहा है। रक्षाबंधन का अर्थ होता है रक्षा का बंधन। हिंदू धर्म के सभी धार्मिक अनुष्ठानों में रक्षासूत्र बांधते समय पण्डित संस्कृत में एक श्लोक का उच्चारण करते हैं, जिसमें रक्षाबंधन का संबंध राजा बलि से स्पष्ट रूप से दृष्टिगोचर होता है। यह श्लोक रक्षाबंधन का अभीष्ट मंत्र है। 'येन बद्धो बलि राजा दानवेन्द्रो महाबलः, तेन त्वाम् प्रतिबद्धनामि रक्षे माचल माचलः।' इस श्लोक का अर्थ है, जिस रक्षासूत्र से महान शक्तिशाली दानवेन्द्र राजा बलि को बांधा गया था, उसी सूत्र से मैं तुझे बांधता हूं। तुम अपने संकल्प से कभी भी विचलित मत होना। भारत में रक्षाबंधन के पवित्र पर्व को बड़े ही धूमधाम से मनाया जाता है। इसे रिश्तों में मिठास, विश्वास और प्रेम बढ़ाने वाला पर्व माना गया है।

इस दिन बहनें, भाई की कलाई पर राखी बांधती हैं और उसकी लंबी उम्र की कामना करती हैं। इस दौरान भाई भी अपनी बहन को रक्षा का वचन देता है और क्षमता के अनुसार उसे उपहार देता है। रक्षाबंधन का पर्व भाई-बहन के स्नेह का प्रतीक देश का एक प्रमुख त्योहार है। श्रावण मास की पूर्णिमा को मनाए जाने के कारण इसे श्रावणी पर्व भी कहते हैं। इस दिन ब्राह्मण, गुरु द्वारा भी राखी बांधी जाती है। रक्षाबंधन पर्व सामाजिक और पारिवारिक एकबद्धता का सांस्कृतिक उपाय रहा है। समाज के विभिन्न वर्गों के बीच भी एक सूत्रता के रूप में इस पर्व का उपयोग किया जाता है। रक्षाबंधन का त्योहार कब शुरू हुआ, यह कोई नहीं जानता। लेकिन भविष्य पुराण में इस पर्व का वर्णन मिलता है। जब देवताओं और दानवों में युद्ध शुरू हुआ, तब देवताओं पर दानव हावी होने लगे। देवराज इंद्र ने घबरा कर देवताओं के गुरु बृहस्पति से मदद की गुहार की। वहां बैठी इंद्र की पत्नी इंद्राणी सब सुन रही थी। उन्होंने रेशम का धागा मंत्रों की शक्ति से पवित्र करके अपने पति के हाथ पर बांध दिया। संयोग से वह श्रावण पूर्णिमा का दिन था।

लोगों का विश्वास है कि इंद्र इस लड़ाई में इसी धागे की मंत्र शक्ति से ही विजयी हुए थे। उसी दिन से श्रावण पूर्णिमा के दिन यह धागा बांधने की प्रथा चली आ रही है। यह धागा धन, शक्ति, हर्ष और विजय देने में पूरी तरह समर्थ माना जाता है। विष्णु पुराण के एक प्रसंग में कहा गया है कि श्रावण पूर्णिमा के दिन भगवान विष्णु ने हयग्रीव के रूप में अवतार लेकर वेदों को ब्रह्मा के लिए फिर से प्राप्त किया था। हयग्रीव को विद्या और बुद्धि का प्रतीक माना जाता है। महाभारत में ही रक्षाबंधन से संबंधित कृष्ण और द्रौपदी का एक और वृत्तांत भी मिलता है। जब कृष्ण ने सुदर्शन चक्र से शिशुपाल का वध किया, तब उनकी तर्जनी में चोट आ गई। द्रौपदी ने उस समय अपनी साड़ी फाड़कर उनकी अंगुली पर पट्टी बांध दी। यह श्रावण मास की पूर्णिमा का दिन था। कृष्ण ने इस उपकार का बदला बाद में चीरहरण के समय उनकी साड़ी को बढ़ाकर चुकाया। कहते हैं कि परस्पर एक-दूसरे की रक्षा और सहयोग की भावना रक्षाबंधन के पर्व में यहीं से प्रारम्भ हुई। महाभारत में भी इस बात का उल्लेख है कि जब युधिष्ठिर ने भगवान कृष्ण से पूछा कि मैं सभी संकटों को कैसे पार कर सकता हूं, तब भगवान कृष्ण ने उनकी तथा उनकी सेना की रक्षा के लिए राखी का त्योहार मनाने की सलाह दी थी।

उनका कहना था कि राखी के इस रेशमी धागे में वह शक्ति है, जिससे आप हर विपत्ति से मुक्ति पा सकते हैं। इस समय द्रौपदी द्वारा कृष्ण को तथा कुंती द्वारा अभिमन्यु को राखी बांधने के कई उल्लेख मिलते हैं। स्कन्ध पुराण, पद्मपुराण और श्रीमद्भागवत में वामनावतार नामक कथा में रक्षाबंधन का प्रसंग मिलता है। दानवेन्द्र राजा बलि ने जब 100 यज्ञ पूर्ण कर स्वर्ग का राज्य छीनने का प्रयत्न किया तो इन्द्र आदि देवताओं ने भगवान विष्णु से प्रार्थना की। तब भगवान विष्णु वामन अवतार लेकर ब्राह्मण का वेश धारण कर राजा बलि से भिक्षा मांगने पहुंचे। गुरु के मना करने पर भी राजा बलि ने तीन पग भूमि दान कर दी। भगवान ने तीन पग में सारा आकाश, पाताल और धरती नापकर राजा बलि को पाताल लोक में भेज दिया। कहते हैं कि पाताल लोक में राजा बलि ने भक्ति के बल पर भगवान विष्णु से रात-दिन अपने सामने रहने का वचन ले लिया। भगवान के घर न लौटने से परेशान लक्ष्मी जी को नारद जी ने एक उपाय बताया। उस उपाय का पालन करते हुए लक्ष्मी जी ने राजा बलि के पास जाकर उसे राखी का धागा बांधकर अपना भाई बनाया और अपने पति भगवान विष्णु को अपने साथ ले आईं। उस दिन श्रावण मास की पूर्णिमा तिथि थी। उत्तरांचल में इसे श्रावणी कहते हैं। ब्राह्मण अपने यजमानों को यज्ञोपवीत तथा राखी देकर दक्षिणा लेते हैं। अमरनाथ की अतिविख्यात धार्मिक यात्रा गुरु पूर्णिमा से प्रारम्भ होकर रक्षाबंधन के दिन सम्पूर्ण होती है। कहते हैं इसी दिन यहां का हिमानी शिवलिंग भी अपने पूर्ण आकार को प्राप्त होता है। इस उपलक्ष्य में इस दिन अमरनाथ गुफा में प्रत्येक वर्ष मेले का आयोजन भी होता है। नेपाल के पहाड़ी इलाकों में ब्राह्मण एवं क्षत्रिय समुदाय में रक्षाबंधन गुरु के हाथ से बांधा जाता है, लेकिन दक्षिण सीमा में रहने वाले भारतीय मूल के नेपाली, भारतीयों की तरह बहन से राखी बंधवाते हैं। महाराष्ट्र में यह त्योहार नारियल पूर्णिमा या श्रावणी के नाम से विख्यात है। इस दिन लोग नदी या समुद्र के तट पर जाकर अपने जनेऊ बदलते हैं और समुद्र की पूजा करते हैं। राजस्थान में रामराखी और चूड़ाराखी या लूंबा बांधने का रिवाज है। रामराखी सामान्य राखी से भिन्न होती है। इसमें लाल डोरे पर एक पीले छींटों वाला फुंदना लगा होता है। यह केवल भगवान को ही बांधी जाती है। चूड़ा राखी भाभियों की चूड़ियों में बांधी जाती है। राजपूत योद्धा जब शत्रु से युद्ध करने जाते थे, तब महिलाएं उनके माथे पर कुमकुम का तिलक लगाने के साथ हाथ में रेशमी धागा भी बांधती थी। इस विश्वास के साथ कि यह धागा उन्हें विजयश्री के साथ वापस ले आएगा। रक्षाबंधन भाई-बहन के प्रेम का प्रतीक है। भारतीय संस्कृति इतनी लचीली है कि इसमें हर संस्कृति समाहित होती चली जाती है। कश्मीर से कन्याकुमारी तक, सौराष्ट्र से असम तक देखें तो यहां के लोग प्रतिदिन कोई न कोई त्योहार मनाते मिलेंगे।

इन त्योहारों के मूल में आपसी रिश्तों के बीच मधुरता घोलने एवं सरसता लाने की भावना रहती है। भाई-बहन के बीच प्यार, मनुहार व तकरार होना एक सामान्य सी बात है, लेकिन रक्षाबंधन के दिन बहन द्वारा भाई के हाथ में बांधे जाने वाले रक्षा सूत्र में भाई के प्रति बहन के असीम स्नेह और बहन के प्रति भाई के कर्तव्य बोध को पिरोया गया है। नोबेल पुरस्कार विजेता कवि रवींद्रनाथ टैगोर ने 1905 में बंगाल विभाजन का विरोध करने के लिए इस त्योहार को मनाने को प्रोत्साहित किया था। वह इस त्योहार के माध्यम से विभिन्न समुदायों के बीच एक मजबूत संबंध बनाना चाहते थे। उन्होंने हिंदुओं और मुसलमानों को एक-दूसरे के हाथों पर राखी बांधने के लिए प्रोत्साहित किया, जो भाईचारे और अपने समुदाय के लिए प्यार का प्रतीक है। इस त्योहार का जश्न ब्रिटिश शासकों का बंगाल के विभाजन व हिंदुओं और मुसलमानों के बीच मतभेदों के खिलाफ एक शक्तिशाली प्रयास था।

(ये लेखक के निजी विचार हैं।)

रक्षाबंधन का पर्व कब शुरू हुआ, यह कोई नहीं जानता। लेकिन भविष्य पुराण में इस का वर्णन मिलता है। जब देवताओं और दानवों में युद्ध शुरू हुआ, तब देवताओं पर दानव हावी होने लगे। देवराज इंद्र ने घबरा कर देवताओं के गुरु बृहस्पति से मदद की गुहार की। वहां बैठी इंद्र की पत्नी इंद्राणी सब सुन रही थी। उन्होंने रेशम का धागा मंत्रों की शक्ति से पवित्र कर अपने पति के हाथ पर बांध दिया। संयोग से वह श्रावण पूर्णिमा का दिन था। लोगों का विश्वास है कि इंद्र इस लड़ाई में इसी धागे की शक्ति से ही विजयी हुए थे।

राखी: नारी रक्षा का संकल्प... एक सामाजिक चेतना

ललित गर्ग
लेखक, पत्रकार, स्तंभकार

भारत की सांस्कृतिक परंपराओं और त्योहारों की भूमि पर रक्षाबंधन एक ऐसा पर्व है, जो केवल भाई-बहन के रिश्ते तक सीमित नहीं, बल्कि संपूर्ण समाज में आत्मीयता, कर्तव्यबोध, और नैतिक मूल्यों के पुनर्संवेदन का पर्व है। यह पर्व नारी अस्मिता, समानता, सुरक्षा और प्रेम की भावनाओं का प्रतिनिधित्व करता है। राखी का धागा जितना कोमल दिखता है, उतनी ही उसमें गहराई और दृढ़ता होती है, यह एक ऐसा लौकिक बंधन है, जो प्रेम, आदर्शों और जिम्मेदारियों से बंधा होता है। रक्षाबंधन कोई साधारण पर्व नहीं, यह आदर्शों का हिमालय है, संकल्पों का सोपान है। यह पर्व सिर्फ भाई-बहन के प्रेम की रस्म नहीं, बल्कि पुरुष समाज द्वारा नारी को आश्वस्त करने, उसका मान-सम्मान बनाए रखने की शपथ का दिन है। यह दिन हमें याद दिलाता है कि नारी केवल स्नेह की पात्र नहीं, वह शक्ति, श्रद्धा और समाज की दिशा तय करने वाली एक सशक्त प्रेरणा भी है। आज जब महिलाएं समाज के हर क्षेत्र में बुलंदियों को छू रही हैं, सेना से लेकर विज्ञान, शिक्षा से लेकर खेल तक, तब रक्षाबंधन उन्हें केवल भावनात्मक सुरक्षा नहीं, सामाजिक, राजनीतिक और सांस्कृतिक सम्मान दिलाने का भी माध्यम बनता है। रक्षाबंधन की महत्ता को समझने के लिए उसके ऐतिहासिक संदर्भों को जानना आवश्यक है। भविष्य पुराण में उल्लिखित कथा के अनुसार जब देव-दानव युद्ध में दानव भारी पड़ने लगे, तब इंद्राणी ने अपने पति इन्द्र की रक्षा हेतु रेशम का धागा मंत्रों के साथ उनके हाथ पर बांधा, जिससे इंद्र विजयी हुए। मुगल काल में रानी कर्मवती ने जब चितौड़ पर संकट देखा, तो बादशाह हुमायूं को राखी भेजकर रक्षा की याचना की। हुमायूं ने धर्म, संप्रदाय और सत्ता से ऊपर उठकर उस धागे की लाज रखी और चितौड़ की रक्षा में अपनी ताकत झोंक दी। महाभारत में जब भगवान श्रीकृष्ण की उंगली से रक्त बहा, द्रौपदी ने अपनी साड़ी का पल्लू फाड़कर पट्टी बांध दी। श्रीकृष्ण ने उस प्रेम को जीवन भर निभाया और चीरहरण के समय द्रोपदी की रक्षा की। यह केवल ऋण चुकता नहीं था, यह आदर्शों की प्रतिज्ञा थी। इसी तरह सिकंदर और पुरू की कथा इस बात को दर्शाती है कि राखी का एक धागा युद्ध भूमि में भी जीवनदान का कारण बन सकता है। ये प्रसंग हमें बताते हैं कि राखी केवल प्रेम का प्रतीक नहीं, बल्कि रक्षा, आदर्श और सम्मान की जीवंत प्रतिमा है। रक्षाबंधन आज सिर्फ पारंपरिक पर्व नहीं, बल्कि एक सांस्कृतिक आंदोलन जैसा है। लेकिन दुख इस बात का है कि इस पर्व की आत्मा धीरे-धीरे खोती जा रही है। आज बहनों के लिए यह पर्व सजने-संवरने और उपहार पाने का माध्यम बनता जा रहा है, जबकि भाइयों के लिए यह केवल एक औपचारिकता बनकर रह गया है। राखी के धागों की वह पवित्रता, भावनाओं की वह गहराई, अब कम होती जा रही है। यह पर्व अब बाजारवाद और दिखावे के जाल में उलझता नजर आ रहा है। इस बदलती सोच को थामना और मूल भावनाओं को पुनः प्रतिष्ठित करना आज की सबसे बड़ी आवश्यकता है। इस पर्व का मूल उद्देश्य नारी के प्रति श्रद्धा, सुरक्षा और कर्तव्य का निर्वहन है, न कि केवल उपहार और दिखावे का आदान-प्रदान। भाइयों को चाहिए कि वे बहन की रक्षा की शपथ केवल शब्दों में नहीं, जीवन के प्रत्येक व्यवहार में निभाएं। रक्षाबंधन एक ऐसा अवसर है जब हम केवल बहन नहीं, संपूर्ण नारी समाज की रक्षा का संकल्प लें। एक ऐसा संकल्प जो केवल राखी तक सीमित न हो, बल्कि जीवन भर के आचरण में भी झलके।

(ये लेखक के निजी विचार हैं।)

कविता

पवित्र बंधन राखी का

गोपाल कृष्ण व्यास
पूर्व अध्यक्ष, राज्य मानवाधिकार आयोग

पवित्र बंधन राखी का,
निस्वार्थ प्रेम का धागा है।
प्रेम बहन और भाई का,
दिल में विश्वास जगाता है।

मजबूत डोर यकीन की,
राखी की गांठों में होती है।
भाई की खुशियों के लिए,
बहन आराधना करती है।

आंगन के छायादार पेड़,
बचपन की यादें लाते हैं।
घर में लगे पेड़ों को देखकर,
राखी पर आंसू आते हैं।

हक से कोयल आज भी
पेड़ों पर गीत सुनाती है,
रक्षाबंधन पर गीत सुनकर
आंखें भी नम हो जाती हैं।

दोनों हाथ उठाकर बहन,
भाई की बलैयां लेती है।

प्रेम, दुआ कर भाई के लिए
राखी पर प्रार्थना करती है।

टूटे ख्वाबों के टुकड़े भी,
उस धागे से जुड़ जाते हैं।
दूरी में भी दिल के रिश्ते,
हर साल वापस सज जाते हैं।

भाई की कलाई पर बंधकर,
राखी कुछ कह जाती है।
"तू दूर सही, पर हर समय
हृदय के पास ही रहती है।"

सावन की फुहारों संग,
ये रिश्ता प्रेम दिखाता है।
राखी का हर इक धागा,
आशीर्वाद बन कर चूमता है।

जब तक सांसें चलती हैं,
वादा भाई निभाता रहता है।
रक्षाबंधन का यह पर्व सदा,
रिश्तों की शक्ति दिखलाता है।

लेखकों से आग्रह है...
वे 'सच बेधड़क' में प्रकाशन के लिए अपने लेख, कविता, कहानी, व्यंग्य आदि रचनाएं हमें Editor@sachbedhadakdaily.com पर ई मेल करें। साथ में रचना के अप्रकाशित होने का स्वघोषणा पत्र भी भेजें।

नॉलेज कॉर्नर: बीमारी न बन जाए टेक्नोलॉजी

स्मार्टफोन की ब्लू लाइट से स्किन को हो सकता नुकसान

आज के समय में स्मार्टफोन हमारे जीवन का अभिन्न हिस्सा बन चुका है। हम दिनभर कई घंटे स्मार्टफोन की स्क्रीन पर बिताते हैं। स्मार्टफोन की स्क्रीन से निकलने वाली नीली रोशनी हमारी स्किन को नुकसान पहुंचा सकती है। विशेषज्ञों के अनुसार, यह ब्लू लाइट त्वचा की गहराई तक पहुंचकर उसमें ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस और सूजन पैदा कर सकती है। इससे चेहरे पर झुर्रियां, डार्क स्पॉट्स और पिगमेंटेशन जैसी समस्याएं तेजी से बढ़ने लगती हैं। अगर आप दिनभर मोबाइल, लैपटॉप या टैबलेट स्क्रीन पर समय बिताते हैं, तो यह सतर्क हो जाने का समय है। नीली रोशनी, UV किरणों की तुलना में त्वचा की गहराई तक प्रवेश कर सकती है, जिससे त्वचा कोशिकाएं, कोलेजन और इलास्टिन फाइबर क्षतिग्रस्त हो जाते हैं।

ब्लू लाइट क्या है?

ब्लू लाइट, जिसे हाई एनर्जी विजिबल (HEV) लाइट भी कहा जाता है, 400 से 490 नैनोमीटर तरंगदैर्ध्य वाली दृश्यमान रोशनी का हिस्सा है। यह रोशनी प्राकृतिक रूप से सूरज की किरणों में मौजूद होती है, लेकिन आजकल इसका प्रमुख स्रोत डिजिटल डिवाइसेज की स्क्रीन, एलईडी लाइट्स और फ्लोरोसेंट लाइटिंग बन गए हैं।

त्वचा पर ब्लू लाइट का प्रभाव

ब्लू लाइट के लगातार संपर्क में आने से स्किन बैरियर कमजोर हो सकता है, जो त्वचा की नमी बनाए रखने और बाहरी हानिकारक तत्वों से बचाने का काम करता है। इससे त्वचा में ड्राइनेस, संवेदनशीलता और पुनर्जीवन की क्षमता में कमी आती है। इसका असर मुंहासे, रोसैसिया, एग्जिमा जैसी पुरानी स्किन समस्याओं को और ज्यादा बढ़ा सकता है।

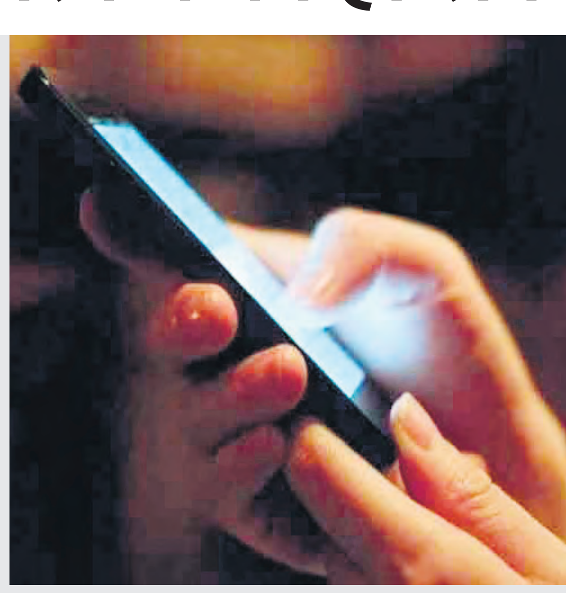

नींद पर भी असर

सिर्फ त्वचा ही नहीं, बल्कि रात में स्क्रीन देखने से आपकी नींद भी प्रभावित होती है। ब्लू लाइट शरीर के नींद नियंत्रक हार्मोन मेलाटोनिन के उत्पादन को बाधित कर सकती है, जिससे आपकी नींद का चक्र गड़बड़ा जाता है। परिणामस्वरूप, आप थका हुआ और तनावग्रस्त महसूस करते हैं और त्वचा पर भी इसका असर साफ दिखता है।

बचाव के उपाय

त्वचा विशेषज्ञों के अनुसार इससे बचने के लिए एंटीऑक्सीडेंट युक्त स्किन केयर प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल करें। अपने रूटीन में विटामिन C और नियासिनेमाइड वाले सीरम और मॉइस्चराइजर शामिल करें। स्क्रीन टाइम को सीमित करने की कोशिश करें और ब्लू लाइट फिल्टर या 'नाइट मोड' का इस्तेमाल करें। अच्छी और पूरी नींद लेने की आदत डालें, ताकि त्वचा को रिपेयर का पर्याप्त समय मिल सके।

डॉ. सुनिल शर्मा

तेजस्वी 16 तक जमा कराएं अपना 'फर्जी' EPIC: EC

पटना। निर्वाचन आयोग ने शुक्रवार को राजद नेता तेजस्वी यादव से कहा कि फर्जी सरकारी दस्तावेज बनाना और उसका उपयोग करना अपराध है तथा उन्हें 16 अगस्त तक अपना 'फर्जी' मतदाता फोटो पहचान पत्र (ईपीआईसी) जमा करने का निर्देश दिया। पटना (सदर) के अनुमंडल अधिकारी और दीघा विधानसभा क्षेत्र के लिए मतदाता पंजीयन अधिकारी द्वारा इस संबंध में तेजस्वी को एक नया पत्र जारी किया गया। पत्र में कहा गया, ऐसा प्रतीत होता है कि उपरोक्त ईपीआईसी फर्जी है। जाली सरकारी दस्तावेज बनाना और उसका उपयोग करना कानून की नजर में एक अपराध है।

CBSE अध्यक्ष राहुल सिंह का कार्यकाल दो साल बढ़ाया

नई दिल्ली। वरिष्ठ नौकरशाह राहुल सिंह को केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) के अध्यक्ष के रूप में दो वर्ष का कार्यकाल विस्तार दिया गया है। भारतीय प्रशासनिक सेवा के बिहार कैडर के 1996 बैच के अधिकारी सिंह को पिछले साल 13 मार्च को इस पद पर नियुक्त किया गया था। कार्मिक मंत्रालय द्वारा जारी एक आदेश में कहा गया है कि नियुक्ति संबंधी मंत्रिमंडलीय समिति ने सिंह के केंद्रीय प्रतिनियुक्ति कार्यकाल को 11 नवंबर, 2025 से आगे दो वर्ष के लिए यानी 11 नवंबर, 2027 तक बढ़ाने को मंजूरी दे दी है।

रेल किराए पर 60,466 करोड़ की सब्सिडी दी

नई दिल्ली। सरकार ने बताया कि भारतीय रेलवे ने वित्त वर्ष 2023-24 में यात्री किराए पर 60,466 करोड़ रुपए की सब्सिडी दी है, जो यात्री परिवहन लागत का लगभग 45 प्रतिशत है। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने एक प्रश्न के लिखित उत्तर में राज्यसभा को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि सब्सिडी के तहत अगर किसी यात्रा की वास्तविक लागत 100 रुपए है, तो यात्री को सिर्फ 55 रुपए चुकाने पड़ते हैं। वैष्णव ने बताया कि यह सब्सिडी सभी यात्रियों को दी जाती है, और इसके अतिरिक्त दिव्यांगजन, 11 श्रेणियों के रोगी और आठ श्रेणियों के छात्र वर्गों को रियायतें भी जारी हैं। उन्होंने बताया कि पिछले पांच वर्षों के अंतराल के बाद, एक जुलाई 2025 से रेल किरायों में मामूली संशोधन किया गया है। इसमें प्रीमियम श्रेणियों के लिए किराये में वृद्धि आधा पैसा प्रति किलोमीटर से लेकर दो पैसे प्रति किलोमीटर तक सीमित है।

सच बेधड़क EXPLAINER रूसी राष्ट्रपति की प्रस्तावित भारत यात्रा से लगेंगे कई देशों को झटके

ट्रंप के 'टैरिफ वार' पर भारी पड़ेगी पुतिन की यात्रा!

टैरिफ को लेकर भारत अमेरिका में बढ़ते विवाद के बीच रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन का आना तय हो गया है। उनकी प्रस्तावित यात्रा अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की इस घोषणा के बाद और भी अहम हो गई है कि अमेरिका टैरिफ मसले के हल होने तक भारत के साथ व्यापार समझौते पर वार्ता नहीं करेगा। भारत इस साल के अंत में भारत-रूस शिखर सम्मेलन की मेजबानी करेगा और इसी में भाग लेने के लिए पुतिन को नई दिल्ली आने के लिए आमंत्रित किया गया। हर साल बारी-बारी से रूस व भारत के बीच होनी वाली इस शिखर बैठक का सिलसिला पहले कोरोना व बाद में यूक्रेन-रूस युद्ध के चलते थम गया था। अमेरिकी राष्ट्रपति भारत पर रूस के साथ व्यापारिक रिश्तों को लेकर अतिरिक्त टैरिफ की घोषणा कर चुके हैं। वहीं नाटो प्रमुख मार्क रूट ने भी गत दिनों कहा था कि रूस से तेल खरीदने पर भारत पर 100 प्रतिशत टैरिफ लगाया जा सकता है।

फाइल फोटो

पुतिन-मोदी की बातचीत से ट्रंप को संदेश?

पीएम मोदी की राष्ट्रपति पुतिन से हुई टेलीफोन बातचीत अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को स्पष्ट संदेश है कि भारत अपनी स्वतंत्र विदेश नीति जारी रखेगा। इसके साथ ही वह रूस के साथ अपने प्रगाढ़ रणनीतिक रिश्तों को नहीं तोड़ेगा। भारत ट्रंप के दबाव में नहीं झुकेगा और अपनी ऊर्जा प्राथमिकताओं, राष्ट्रीय हितों व अपनी रणनीतिक स्वायत्तता पर कोई समझौता नहीं करेगा।

रूस के लिए यात्रा का महत्व

तमाम दबाव के बावजूद भारत के रूस से तेल खरीदना जारी रखने से रूस को अलग-थलग करने की पश्चिमी देशों की योजना सफल नहीं हो सकेगी।

पुतिन के दौरे के क्या होंगे रणनीतिक मायने

पीएम मोदी व राष्ट्रपति पुतिन के बीच प्रस्तावित शिखर बैठक के रणनीतिक मायने बहुत महत्वपूर्ण है। इससे यह बात साफ हो जाएगी कि भारत रूस के साथ अपने रक्षा संबंध मजबूत करना जारी रखेगा। पाकिस्तान को चीन से मिल रहे पांचवी पीढी के लडाकू विमान के मद्देनजर भारत पास अमेरिका के एफ-35 के साथ साथ रूस से एसयू -57 विमान खरीदने का विकल्प भी मौजूद है। रूस ने इसके लिए प्रौद्योगिकी स्थानांतरण की पहले ही पेशकश कर चुका है। उसने अन्य कई उन्नत हथियार प्रणालियां देने की पेशकश की है7

क्यों अहम है पुतिन का ये भारत दौरा

- दोनों देशों के बीच संबंध और मजबूत होंगे। साथ ही, द्विपक्षीय व्यापार व सहयोग के नए रास्ते खुल सकते हैं। अमेरिका के बढ़ते दबाव का सामना करने के लिए साझा रणनीति बन सकती है।
- पुतिन के साथ यह शिखर बैठक भारत और रूस दोनों के लिए फायदेमंद साबित हो सकती है।

क्या होगा शिखर बैठक के एजेंडे में

- रक्षा सहयोग, ऊर्जा संबंध, परमाणु ऊर्जा में साझेदारी, आर्कटिक क्षेत्र में सहयोग व भारत की भूमिका के विस्तार और हाई-टेक सेक्टर के लिए साझा रोडमैप पर बातचीत संभव। आर्कटिक क्षेत्र में बहुत सारे प्राकृतिक संसाधन हैं। भारत वहां अपनी भूमिका बढ़ाना चाहता है।

SCO समिट में भी हो सकती है मुलाकात

- प्रधानमंत्री मोदी एससीओ शिखर सम्मेलन में शामिल होने इस माह के अंत में चीन जाएंगे। यदि, राष्ट्रपति पुतिन सम्मेलन में भाग लेते हैं तो शिखर बैठक से पहले भी दोनों नेताओं की मुलाकात हो सकती है। पुतिन के एससीओ बैठक में भाग लेने की संभावना है। यूक्रेन युद्ध के बाद से पुतिन ने विदेश यात्राएं कम कर दी हैं।

चीन की आनाकानी पर पुतिन ने भेजे उर्वरक

चीन के हाल ही में भारत को उर्वरक भेजने में देरी व आनाकानी के बाद पुतिन ने पीएम मोदी के अनुरोध पर भारत को उर्वरकों का निर्यात बढ़ा दिया है। इस तरह रूस ने एक बार फिर दोस्ती का फर्ज निभाया।

अमेरिका व नाटो को क्यों है आपत्ति

रूस के खिलाफ पश्चिम देशों के प्रतिबंधों के बावजूद भारत ने रूस से तेल की खरीद और रक्षा साझेदारी जारी रखी।

एस-400 पर नहीं झुका भारत

अमेरिका ने रूस से एस-400 एयर डिफेंस सिस्टम डील को रद्द करने के लिए भारत पर काफी दबाव डाला था। लेकिन भारत झुका नहीं। हाल ही राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजित डोभाल ने मॉस्को का दौरा किया और रूसी सुरक्षा परिषद के सचिव सर्गेई शोइगु और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के साथ वार्ता की थी।

ऑपरेशन सिंदूर में रिश्तों की परख

भारत के लिए ढाल बनी रूस की दोस्ती

रूसी राष्ट्रपति पुतिन ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारत के आतंकवाद विरोधी कदमों का समर्थन किया था। वहीं, रूस से मिले एस-400 मिसाइल डिफेंस सिस्टम और भारत-रूस द्वारा संयुक्त रूप से विकसित ब्रह्मोस मिसाइल ने पाक हमलों को विफल करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी।

पाक से दिखाई थी सहानुभूति

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप बार बार यह दोहरा रहे हैं कि उन्होंने व्यापार रोकने की धमकी देकर भारत-पाकिस्तान के बीच संघर्ष विराम कराया। वहीं, उन्होंने संघर्ष विराम के बाद पाकिस्तान के सेनाध्यक्ष जनरल आसिम मुनीर को अमेरिका आमंत्रित किया और व्हाइट हाउस में भोज दिया। चीन ने पाकिस्तान को खुफिया सुचनाएं और हथियार प्रणाली उपलब्ध कराई। जिसमें हवाई रक्षा प्रणाली भी शामिल थी।

कंटेट : **गजानंद शर्मा**

बांके बिहारी मंदिर के मामले में सुनवाई

याचिकाओं पर फैसला होने तक अध्यादेश रहेगा लंबित: SC

एजेंसी | नई दिल्ली

उच्चतम न्यायालय ने शुक्रवार को कहा कि उत्तर प्रदेश के वृंदावन स्थित प्रसिद्ध बांके बिहारी मंदिर पर प्रशासनिक नियंत्रण को लेकर राज्य सरकार द्वारा जारी अध्यादेश तब तक लंबित रहेगा, जब तक हाई कोर्ट इसकी संवैधानिक वैधता पर फैसला नहीं कर लेता।

न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायाधीश जॉयमाल्या बागची की पीठ ने उत्तर प्रदेश के श्री बांके बिहारी जी मंदिर न्यास अध्यादेश 2025 को चुनौती देने वाली और वृंदावन में श्री बांके बिहारी मंदिर कॉरिडोर विकसित करने की राज्य की महत्वाकांक्षी योजना को मंजूरी देने वाले 15 मई के आदेश को वापस लेने संबंधी याचिकाओं पर अपना फैसला सुरक्षित रख लिया।

पीठ ने कहा कि वह समन्वय पीठ के 15 मई के उस आदेश में संशोधन करेगी, जिसमें श्रद्धालुओं के लिए 'होल्डिंग एरिया' विकसित करने के वास्ते देवता के नाम पर पांच एकड़ भूमि अधिग्रहण करने को लेकर मंदिर के धन का उपयोग करने की अनुमति दी गई थी।

अध्यादेश को चुनौती देने वाली याचिकाएं हाई कोर्ट भेजी जाएंगी

पीठ ने कहा कि अध्यादेश को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती देने वाली याचिकाएं भी हाई कोर्ट को भेजी जाएंगी। न्यायालय ने याचिकाकर्ताओं से कहा कि उच्च-स्तरीय समिति को मंदिर में आने वाले लाखों श्रद्धालुओं के लिए बुनियादी सुविधाओं में सुधार सुनिश्चित करने का अधिकार होगा। शीर्ष अदालत उन याचिकाओं पर सुनवाई कर रही थी, जिसमें अध्यादेश को चुनौती दी गई है। इनमें से एक याचिका ठाकुर श्री बांके बिहारी जी महाराज मंदिर, मथुरा की प्रबंध समिति की ओर से अधिवक्ता तन्वी दुबे ने दायर की है।

खंडपीठ के समक्ष याचिकाओं को करें सूचीबद्ध

पीठ ने इलाहाबाद हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश से कहा कि वह अध्यादेश की संवैधानिक वैधता को चुनौती देने वाली याचिकाओं को अन्य याचिकाओं के साथ एक खंडपीठ के समक्ष सूचीबद्ध करने पर विचार करें।

मंदिर के संचालन के लिए उच्च स्तरीय समिति होगी गठित

न्यायालय ने कहा कि वह मंदिर के दैनिक संचालन के लिए एक उच्चस्तरीय समिति गठित करेगी, जिसकी अध्यक्षता हाई कोर्ट के एक सेवानिवृत्त न्यायाधीश करेंगे तथा इसमें स्थानीय प्रशासनिक अधिकारी और गोस्वामी समुदाय के सदस्य भी शामिल होंगे। पीठ ने कहा, हम इस अध्यादेश को तब तक स्थगित रखेंगे, जब तक हाई कोर्ट इसकी वैधता पर निर्णय नहीं देता।

हाई कोर्ट की टिप्पणियों पर लगाई रोक

सुप्रीम कोर्ट ने एक जनहित याचिका पर इलाहाबाद हाई कोर्ट द्वारा पारित आदेशों पर नाराजगी व्यक्त की और उत्तर प्रदेश सरकार के खिलाफ असंयमित भाषा के इस्तेमाल पर सवाल उठाया। शीर्ष कोर्ट ने इन आदेशों में की गई टिप्पणियों पर रोक लगा दी। पीठ ने कहा कि हाई कोर्ट किस तरह की असंयमित भाषा का इस्तेमाल कर रहा है? जैसे राज्य सरकार ने अध्यादेश पारित करके कोई पाप किया हो। यह सब क्या है? क्या हाई कोर्ट को यह जानकारी नहीं दी गई कि यह मामला सुप्रीम कोर्ट के संज्ञान में है? पीठ ने 21 जुलाई के आदेश में की गई टिप्पणियों पर रोक लगाने का आदेश दिया था। शीर्ष अदालत ने अध्यादेश को चुनौती देने वाली याचिका पर हाई कोर्ट में आगे की कार्यवाही पर भी रोक लगा दी।

लोकसभा: आयकर बिल वापस लिया

वित्त मंत्री सीतारमण सोमवार को पेश करेंगी नया विधेयक

एजेंसी | नई दिल्ली

सरकार ने शुक्रवार को लोकसभा में आयकर विधेयक, 2025 वापस ले लिया। अब सरकार प्रवर समिति के सुझावों के अनुसार बदलावों को शामिल करके नया विधेयक लाएगी। नया आयकर विधेयक 11 अगस्त को लोकसभा में पेश किया जाएगा। सूत्रों के अनुसार आयकर विधेयक के अद्यतन संस्करण में प्रवर समिति की अधिकांश सिफारिशें शामिल होंगी।

बिहार में मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के मुद्दे पर विपक्षी दलों के सदस्यों के शोर-शराबे के बीच वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने प्रवर समिति की रिपोर्ट के अनुसार आयकर विधेयक, 2025 को वापस लेने की अनुमति मांगी। सदन की मंजूरी के बाद उन्होंने आयकर विधेयक वापस ले लिया।

सरकार ने 13 फरवरी, 2025 को यह विधेयक पेश किया था और इसे अध्ययन के लिए लोकसभा की प्रवर समिति को भेज दिया गया। प्रवर समिति की रिपोर्ट गत 21 जुलाई को सदन में पेश की गई। आयकर विधेयक, 2025 को आयकर अधिनियम, 1961 की जगह लेने के लिए लाया गया था।

भाजपा के सांसद बैजयंत पांडा की अध्यक्षता वाली लोकसभा की 31 सदस्यीय प्रवर समिति ने आयकर विधेयक में कई बदलावों की सिफारिश की है।

समिति ने नए कानून में धार्मिक-सह-परमार्थ ट्रस्टों को दिए गए गुप्त चंदे पर कर छूट जारी रखने का भी समर्थन किया, साथ ही सुझाव दिया कि करदाताओं को बिना किसी दंडात्मक शुल्क का भुगतान किए, आयकर रिटर्न दाखिल करने की अंतिम तिथि के बाद भी टीडीएस रिफंड का दावा करने की अनुमति दी जानी चाहिए। नए विधेयक में सरकार ने गैर-लाभकारी संगठनों (एनपीओ) को विशुद्ध रूप से धार्मिक ट्रस्टों द्वारा प्राप्त गुप्त चंदे पर कर लगाने से छूट दी है। हालांकि, किसी ऐसे धार्मिक ट्रस्ट द्वारा प्राप्त दान, जो अस्पताल और शिक्षण संस्थान संचालित करने जैसे अन्य धर्मार्थ कार्य भी करते हों, पर विधेयक के तहत कानून के अनुसार कर लगाया जाएगा।

कश्मीरी शैव और सूफी विचारधारा पर सम्मेलन

समन्वय की विरासत को बढ़ावा देने पर जोर

नई दिल्ली में आयोजित सम्मेलन में मौजूद विभिन्न धर्मों के धार्मिक नेता व अन्य लोग।

समन्वयवाद के पुनरुत्थान पर जोर

हाजी सैयद सलमान चिश्ती ने ख्वाजा गरीब नवाज के संदेश पर जोर दिया और आधुनिक युग के विखंडन के प्रतिकार के रूप में इस "पवित्र समन्वयवाद" के पुनरुत्थान का आह्वान किया। उन्होंने जोर कहा कि कश्मीर के लोगों ने ऐतिहासिक रूप से अंतरधार्मिक सद्भाव का एक जीवंत उदाहरण प्रस्तुत किया है। आचार्य विवेक मुनि ने बातचीत में कहा कि सच्चा धर्म धर्मांतरण नहीं, बल्कि संवाद है। सरदार परमजीत सिंह चंडोक ने कश्मीर की कीर्तन और समाधि की साझी विरासत पर विचार व्यक्त किए। सम्मेलन में मराजबान नरीमन जैवाला, डॉ. ए.के. मर्चेंट,राकेश सप्रू ने भी अपने विचार साझा किए।

बेधड़क | नई दिल्ली

विभिन्न धर्मों के लोगों ने कश्मीर की समन्वयात्मक विरासत के पुनरुद्धार पर जोर दिया है तथा कहा है कि इसकी आध्यात्मिक और सामाजिक दोनों ही रूप से आवश्यकता है। यहां इंडिया इंटरनेशनल सेंटर में आयोजित "पवित्र समन्वयवाद का पुनरुद्धारः कश्मीर में शैव और सूफीवाद" सम्मेलन के दौरान ये विचार व्यक्त किए गए। यह कार्यक्रम राष्ट्रीय एकता एवं बंधुत्व मिशन के राकेश सप्रू और चिश्ती फाउंडेशन, अजमेर शरीफ के अध्यक्ष हाजी सैयद सलमान चिश्ती द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित किया गया था। इसका उद्देश्य कश्मीरी शैव और सूफी विचारधारा के बीच शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व और साझा रहस्यमय विरासत की सदियों पुरानी परंपरा को पुनर्जीवित करना था। सम्मेलन के समापन पर एक संयुक्त घोषणा पत्र में कश्मीर में निरंतर संवाद, सांस्कृतिक आदान-प्रदान और अंतर्धार्मिक कार्यक्रमों को बढ़ावा देने का आह्वान किया गया। इस सम्मेलन में भारतीय सर्व धर्म संसद के तत्वावधान में स्वामी सुशील गोस्वामी महाराज, आचार्य विवेक मुनि, सरदार परमजीत सिंह चंडोक, मरजबान नरीमन जैवाला, डॉ. ए.के. मर्चेंट सहित विभिन्न धर्मों के प्रतिष्ठित नेताओं के साथ-साथ कश्मीरी छात्र और देश भर के कई प्रमुख व्यक्ति भी उपस्थित थे।

संसदीय समिति की रिपोर्ट संसद में पेश

'क्रीमीलेयर' की आय सीमा बढ़ाएं

एजेंसी | नई दिल्ली

अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के कल्याण से जुड़े विषयों पर विचार कर रही संसद की एक समिति ने कहा है कि 'क्रीमीलेयर' की आय सीमा को संशोधित करना समय की मांग है, क्योंकि मौजूदा सीमा पात्र ओबीसी परिवारों के एक बड़े वर्ग को आरक्षण के लाभ और सरकार की कल्याणकारी योजनाओं से वंचित कर रही है। संसद में शुक्रवार को पेश की गई अपनी आठवीं रिपोर्ट में, समिति ने उल्लेख किया कि आय सीमा को 6.5 लाख रुपए से बढ़ाकर 8 लाख रुपए प्रति वर्ष करने संबंधी संशोधन 2017 में किया गया था। कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग (डीओपीटी) के नियमों के अनुसार, इस सीमा की समीक्षा हर तीन साल पर या जरूरत पड़ने पर उससे पहले भी की जानी चाहिए।

भाजपा सांसद गणेश सिंह की अध्यक्षता वाली स्थायी समिति ने कहा कि वर्तमान सीमा कम है, जिसके दायरे में ओबीसी का केवल एक छोटा सा हिस्सा आता है। उन्होंने कहा कि मुद्रास्फीति और निम्न आय वर्ग की बढ़ती आय के कारण इसमें वृद्धि करना समय की मांग है। समिति ने कहा कि समिति इस तथ्य से अवगत है कि ओबीसी के लिए क्रीमी लेयर निर्धारित करने के वास्ते आय सीमा की समीक्षा हर तीन साल पर या निर्धारित अवधि से पहले भी की जानी चाहिए। हालांकि, 2017 से इसमें संशोधन नहीं किया गया है। समिति द्वारा उठाया गया एक और अनसुलझा मुद्दा क्रीमी लेयर की स्थिति निर्धारित करने के लिए स्वायत्त निकायों और सरकारी पदों के बीच समतुल्यता का अभाव है। रिपोर्ट में कहा गया है कि इस तरह की समतुल्यता के अभाव के कारण योग्य ओबीसी उम्मीदवारों, जिनमें यूपीएससी (संघ लोक सेवा आयोग) की सिविल सेवा परीक्षा उत्तीर्ण करने वाले अभ्यर्थी भी शामिल हैं, को सेवा आवंटन से वंचित कर दिया गया है क्योंकि उनके माता-पिता के वेतन को पद समतुल्यता पर विचार किए बिना ही जोड़ा गया था।

धराली आपदा: हाई टेक उपकरणों का पहुंचना जारी, बचाव अभियान में हेलिकाप्टरों की मदद

मलबे के ढेर में जीवन की तलाश जारी, 128 और लोगों को निकाला

एजेंसी | उत्तरकाशी

उत्तराखंड में उत्तरकाशी जिले के आपदाग्रस्त धराली गांव के आस-पास के क्षेत्रों में राहत एवं बचाव कार्य जारी हैं। धराली में लगे मलबे के ढेर में लापता लोगों की तलाश के लिए उन्नत उपकरणों को भी हवाई मार्ग से मौके पर पहुंचाया जा रहा है। वहीं, प्रभावित इलाकों में खाद्य तथा अन्य जरूरी सामग्री भी हेलिकॉप्टर के जरिए भेजी जा रही है। बचाव अभियान के तहत शुक्रवार को 128 और श्रद्धालुओं तथा स्थानीय लोगों को बाहर निकाला गया। अब तक बाहर निकाले गए श्रद्धालुओं और स्थानीय लोगों की कुल संख्या 566 हो गई है। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, शुक्रवार को दोपहर तक 128 श्रद्धालुओं और स्थानीय लोगों को हेलिकॉप्टर के जरिए बाहर निकाला गया। इन लोगों को निकालकर भारत तिब्बत सीमा पुलिस के मातली हेलीपैड पर लाया गया। पांच अगस्त को दोपहर बाद बादल फटने से खीरगंगा नदी में आई भीषण बाढ़ में चार लोगों की मृत्यु हो गई थी। आपदास्थल से दो शव बरामद किए गए हैं।

उत्तराखंड राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र के अनुसार, आपदा में सेना के नौ जवानों समेत 16 लोग लापता हुए हैं।

उत्तराखंड के उत्तरकाशी जिले में गंगानी के पास गंगोत्री राष्ट्रीय राजमार्ग पर बाढ़ में क्षतिग्रस्त हुए एक पुल के पुनर्निर्माण में लगे राहत व बचावकर्मी। हुए हैं।

आपदा प्रभावित धराली में बचाव और राहत अभियान के जुटे एनडीआरएफ के जवान।

बढ़ सकती है लापता लोगों की संख्या

स्थानीय लोगों का कहना है कि आपदा में लापता हुए लोगों की संख्या कहीं ज्यादा हो सकती हैं क्योंकि घटना के समय वहां निर्माणाधीन होटलों में काम कर रहे नेपाल और बिहार के मजदूर तथा वहां के होटलों में रुके पर्यटक भी थे। उत्तराखंड सरकार के अलावा सेना के चिनूक एवं एम-17 हेलिकॉप्टर का उपयोग किया जा रहा है। राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) के एक अधिकारी ने कहा कि विभिन्न जगहों पर सड़कें टूटी होने के कारण बचाव अभियान के लिए हवाई मार्ग पर ही अधिक जोर दिया जा रहा है। प्रदेश के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी बचाव एवं राहत कार्यों की देखरेख के लिए बुधवार से ही उत्तरकाशी जिला मुख्यालय में डेरा डाले हुए हैं। उन्होंने कहा कि अधिकारियों को सड़क, संचार और बिजली की बहाली के साथ-साथ खाद्यान्न आपूर्ति के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए हैं।

बलूचिस्तान में 31 तक मोबाइल सेवाएं निलंबित

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के अशांत बलूचिस्तान प्रांत में अज्ञात सुरक्षा कारणों से मोबाइल व इंटरनेट सेवाएं 31 अगस्त तक निलंबित कर दी गई हैं। सरकारी पाकिस्तान दूरसंचार प्राधिकरण के एक अधिकारी ने जियो न्यूज को बताया कि बलूचिस्तान सरकार के अनुरोध पर मोबाइल व इंटरनेट सेवाएं निलंबित की गई हैं। बलूचिस्तान सरकार के प्रवक्ता शाहिद रिंद ने अधिसूचना की पुष्टि की। पाकिस्तान 14 अगस्त को अपना स्वतंत्रता दिवस मनाता है। अधिकारियों को आशंका है कि आतंकवादी हमले करके इस दिन के जश्न को बाधित करने की कोशिश कर सकते हैं।

इजराइल: गाजा पर सैन्य नियंत्रण की योजना मंजूर

यरूशलम। इजराइल की सुरक्षा कैबिनेट ने प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की गाजा शहर पर सैन्य नियंत्रण लेने की योजना को मंजूरी दे दी है। यह मंजूरी उस पांच सूत्री लक्ष्य के तहत दी गई जिसका मुख्य उद्देश्य हमास को निरस्त्र करना है। इस निर्णय ने इस क्षेत्र में लगभग दो साल से जारी युद्ध के और तीव्र होने की आशंका पैदा कर दी है।

पांच हाई कोर्ट में 16 न्यायाधीशों की नियुक्ति

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने शुक्रवार को आंध्र प्रदेश, कलकत्ता, दिल्ली, छत्तीसगढ़ और कर्नाटक के उच्च न्यायालयों में 16 न्यायाधीशों की नियुक्तियों को अधिसूचित किया। केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने नियुक्तियों को अधिसूचित करने की सूचना सोशल साइट 'एक्स' पर दी। इसके अतिरिक्त केंद्र सरकार ने कलकत्ता उच्च न्यायालय के सात अतिरिक्त न्यायाधीशों की 1 वर्ष की नई अवधि के लिए नियुक्तियों को अधिसूचित किया है।

निशिकांत दुबे, मनोज तिवारी पर मामला दर्ज

रांची। झारखंड पुलिस ने शुक्रवार को कहा कि उसने भाजपा सांसदों निशिकांत दुबे, मनोज तिवारी और अन्य के खिलाफ दो अगस्त को देवघर स्थित बाबा बैद्यनाथ मंदिर के गर्भगृह में जबरन प्रवेश करने और धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने के आरोप में प्राथमिकी दर्ज की है। मंदिर के पुजारी कार्तिक नाथ ठाकुर की शिकायत पर भारतीय न्याय संहिता की विभिन्न धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है।

राष्ट्रपति ट्रंप के भारत के प्रति रुख पर अमेरिका में ही उठ रहे हैं सवाल

टैरिफ का मसला हल होने तक भारत से व्यापार वार्ता नहीं: ट्रंप

एजेंसी | न्यूयॉर्क/वाशिंगटन

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत के साथ शुल्क का मुद्दा हल होने तक उसके साथ व्यापार वार्ता की संभावना से इनकार किया है। ट्रंप ने अपने ओवल कार्यालय में मीडिया के साथ बातचीत के दौरान यह टिप्पणी की। हालांकि ट्रंप के इस रुख पर उनके देश में ही सवाल उठ रहे हैं। जब ट्रंप से पूछा गया कि क्या उन्हें भारत पर 50 प्रतिशत शुल्क लगाने की घोषणा करने के बाद व्यापार वार्ता आगे बढ़ने की उम्मीद है, इस पर उन्होंने कहा, तब तक नहीं जब तक यह मुद्दा हल नहीं हो जाता। गौरतलब है कि डोनाल्ड ट्रंप ने बुधवार को एक आदेश पर हस्ताक्षर किए। इस आदेश के तहत उन्होंने भारतीय सामानों पर 25 प्रतिशत टैरिफ के अलावा और 25 फीसदी टैरिफ की घोषणा की। ट्रंप ने 25 फीसदी का अतिरिक्त टैरिफ रूस के साथ लेत खरीद करने पर दंड के तौर पर लगाया है। इससे अमेरिका में जाने वाले भारतीय सामान के ऊपर 50 फीसदी का टैरिफ लगाया जाएगा। टैरिफ 27 अगस्त से लागू हो जाएंगे।

भारत रणनीतिक साझेदार: अमेरिका

अमेरिकी विदेश विभाग के प्रधान उप प्रवक्ता टॉमी पिगॉट ने कहा कि भारत एक रणनीतिक साझेदार है, जिसके साथ अमेरिका पूरी स्पष्टता और ईमानदारी से संवाद करता है और राष्ट्रपति ट्रंप भारत द्वारा रूस से तेल खरीदने और वाशिंगटन के साथ उसके व्यापार असंतुलन को लेकर अपनी चिंताएं स्पष्ट रूप से साझा कर चुके हैं। पिगॉट ने कहा, यह सिलसिला आगे भी जारी रहेगा। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने भी इसके बारे में बात की है। पिगॉट ने कहा, विदेश नीति में ऐसा नहीं होता कि हर मुद्दे पर 100 प्रतिशत सहमति हो। लेकिन यह बहुत स्पष्ट है कि राष्ट्रपति व्यापार असंतुलन और भारत द्वारा रूसी तेल खरीदने को लेकर चिंतित हैं।

साझेदारी को जोखिम में डाला

प्रतिनिधि सभा के सदस्य ग्रेगरी मीक्स ने कहा है कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के 'टैरिफ वार' ने अमेरिका-भारत साझेदारी को मजबूत बनाने के लिए वर्षों से सावधानीपूर्वक किए गए काम को जोखिम में डाल दिया है। मीक्स डेमोक्रेटिक पार्टी के सांसद हैं और वह 'हाउस फॉरेन अफेयर्स कमेटी डेम्स' के रैंकिंग सदस्य भी हैं। उन्होंने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि चिंताओं का समाधान हमारे लोकतांत्रिक मूल्यों के अनुरूप परस्पर सम्मान के साथ किया जाना चाहिए।

कई देशों के साथ ट्रेड डील पर बातचीत

संकट में अवसर तलाशता है भारत: पीयूष गोयल

एजेंसी | नई दिल्ली

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने शुक्रवार को कहा कि भारत अमेरिका सहित कई देशों के साथ व्यापार समझौतों पर बातचीत कर रहा है और व्यापार के मोर्चे पर कई भारत के साथ जुड़ने को इच्छुक हैं।

उन्होंने भरोसा जताया कि वित्त वर्ष 2025-26 में भारत का निर्यात पिछले वर्ष के आंकड़ों से अधिक होगा। गोयल ने एक कार्यक्रम में कहा कि 140 करोड़ लोग मिलकर एक बहुत बड़ी मांग और एक विशाल घरेलू बाजार बनाते हैं। अगर ऐसा नहीं होता, तो आप ही सोचिए कि हर कोई भारत के साथ व्यापार करने या यहां के बाजार तक बेहतर पहुंच बनाने के लिए इतना उत्सुक क्यों होता।

ट्रंप के शुल्क पर उनके विचार पूछे जाने पर गोयल ने कहा कि भारत संकट में अवसर तलाशता है। उन्होंने कोरोना काल का उदाहरण देते हुए कहा, देश का मनोबल ऊंचा है... भारतीय अर्थव्यवस्था में काफी मजबूती है। भारत (किसी भी तरह के संकट में) विजेता बनकर उभरेगा। यह पूछे जाने पर कि अमेरिका द्वारा लगाए गए अतिरिक्त शुल्क से भारत कैसे निपटेगा, गोयल ने कहा कि देश अपने व्यापार मार्गों और साझेदारों को नए सिरे से तैयार कर रहा है। मुझे पूरा भरोसा है कि इस साल भारत का निर्यात पिछले साल से ज्यादा होगा। उन्होंने कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था तेजी से बढ़ रही है और विश्व भारत की ओर देख रहा है। भारत आज अधिक मजबूत है, अधिक आत्मविश्वास से भरा है, अधिक सम्मानित है।

PM मोदी की प्रस्तावित यात्रा का स्वागत

SCO समिट दोस्ती का सम्मेलन होगा: चीन

एजेंसी | बीजिंग

चीन ने इस महीने के अंत में होने वाले शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के तियानजिन शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की संभावित यात्रा का शुक्रवार को स्वागत किया। उसने उम्मीद जताई कि यह आयोजन एकजुटता, मैत्री और सार्थक परिणामों का समागम होगा।

चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता गुओ जियाकुन ने कहा कि चीन एससीओ तियानजिन शिखर सम्मेलन के लिए प्रधानमंत्री मोदी का स्वागत करता है। चीन 31 अगस्त से एक सितंबर तक तियानजिन में एससीओ शिखर सम्मेलन की मेजबानी करेगा।

चीनी प्रवक्ता ने कहा कि हमारा मानना है कि सभी पक्षों के सम्मिलित प्रयास से एससीओ अधिक एकजुटता, समन्वय, गतिशीलता और उत्पादकता के साथ उच्च गुणवत्ता वाले विकास के एक नए चरण में प्रवेश करेगा। उन्होंने कहा कि एससीओ के सभी सदस्य देशों और 10 अंतरराष्ट्रीय संगठनों के प्रमुखों सहित 20 से अधिक देशों के नेता संबंधित कार्यक्रमों में भाग लेंगे। उन्होंने कहा कि एससीओ का तियानजिन शिखर सम्मेलन इस संगठन (एससीओ) की स्थापना के बाद से सबसे बड़ा शिखर सम्मेलन होगा। मोदी के 29 अगस्त के आस-पास जापान की यात्रा पर जाने की उम्मीद है। इसके बाद वह एससीओ शिखर सम्मेलन के लिए चीनी शहर तियानजिन जा सकते हैं।

प्रधानमंत्री मोदी पिछली बार जून 2018 में एससीओ शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए चीन आए थे।

द्विपक्षीय मुलाकात अभी तय नहीं

यह अभी स्पष्ट नहीं है कि प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति जिनपिंग एससीओ शिखर सम्मेलन के दौरान द्विपक्षीय बैठक करेंगे या नहीं। उम्मीद है कि रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन एससीओ शिखर सम्मेलन में भाग लेने वाले शीर्ष नेताओं में शामिल होंगे।

UP: प्रशिक्षु IAS अधिकारियों का प्रशिक्षण कार्यक्रम

CS गोयल ने बताए प्रशासनिक कौशल के मंत्र

डॉ. एहतेशाम सिद्दिकी | लखनऊ

उत्तर प्रदेश के मुख्य सचिव एस.पी. गोयल ने शुक्रवार को भारतीय प्रशासनिक सेवा के प्रशिक्षु अधिकारियों को सलाह दी कि शासकीय योजनाओं व परियोजनाओं की जमीनी हकीकत जानने के लिए समय-समय पर क्षेत्र का भ्रमण जरूर करें। इसके साथ फील्ड में तैनाती के दौरान वे जनप्रतिनिधियों के साथ संपर्क व संवाद बनाए रखें। उन्होंने कहा कि उन्हें जमीनी समस्याओं के स्थायी समाधान के लिए गहन अध्ययन और निर्णय लेने की क्षमता विकसित करनी होगी। गोयल ने यहां अलीगंज स्थित उत्तर प्रदेश प्रशासन एवं प्रबंधन अकादमी में भारतीय प्रशासनिक सेवा (2024 बैच) के 19 प्रशिक्षु अधिकारियों के संस्थागत प्रशिक्षण कार्यक्रम के समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में अपने संबोधन में यह बात कही। गोयल ने अपने अनुभव साझा करते हुए प्रशिक्षु अधिकारियों को प्रोत्साहित किया और कहा कि विभिन्न जनपदों में फील्ड प्रशिक्षण के दौरान उन्हें बहुत कुछ सीखने का अवसर मिला होगा। आगे भी निरंतर सीखने की भावना बनाए रखनी होगी। उन्होंने जोर देकर कहा कि प्रतिदिन कम से कम दो घंटे जन समस्याओं के लिए समय अवश्य निकालें। कम से कम एक या दो लोगों की समस्याओं का स्थाई समाधान करने का प्रयास करें और दूसरों की भलाई के लिए कार्य करते रहें। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के 'विकसित भारत 2047' के संकल्प को साकार करने के लिए सभी प्रशिक्षु अधिकारियों को निष्पक्षता और दृढ़ता के साथ कार्य करना होगा। मुख्य सचिव ने सभी प्रशिक्षु अधिकारियों को स्मृति चिन्ह भेंट किए। इस अवसर पर प्रमुख सचिव नियुक्ति एम. देवराज, प्रमुख सचिव न्याय विनोद सिंह रावत, महानिदेशक उपाम एल. वेंकटेश्वर लू सहित IAS सुनील चौधरी अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

उत्तर प्रदेश प्रशासन एवं प्रबंधन अकादमी में भारतीय प्रशासनिक सेवा के 19 प्रशिक्षु अधिकारी राज्य के मुख्य सचिव एस.पी.गोयल व अन्य अधिकारियों के साथ।

केंद्र के जवाब में तमिलनाडु ने शुरू की नई शिक्षा नीति

द्विभाषा नीति का करेंगे पालन: स्टालिन

एजेंसी | चेन्नई

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन ने केंद्र की नई शिक्षा नीति के जवाब में शुक्रवार को राज्य की नई शिक्षा नीति की शुरुआत की। वह मानते हैं कि केंद्र की नई शिक्षा नीति सामाजिक न्याय के खिलाफ है और इसका उद्देश्य राज्य पर हिंदी को 'थोपना' है। मुख्यमंत्री ने एक कार्यक्रम में कहा कि तमिलनाडु, तमिल और अंग्रेजी की द्विभाषी नीति का पालन करने के प्रति दृढ़ है और राज्य की नई शिक्षा नीति छात्रों को भविष्य के लिए तैयार एवं सुसज्जित करने के लिए बनाई गई है। स्टालिन ने स्कूली छात्रों के लिए आयोजित राज्य-स्तरीय सम्मान समारोह और राज्य शिक्षा नीति 2025 के विमोचन समारोह में कहा कि हम भविष्य के जीवन के लिए आवश्यक ऊर्जा प्रदान करना चाहते हैं। हम ऐसे छात्र तैयार करना चाहते हैं, जो तकनीकी रूप से सक्षम, रचनात्मक, भविष्य के लिए तैयार और सुसज्जित हों। उन्होंने कहा कि इसके अलावा शारीरिक गतिविधियों को भी महत्व देने का प्रस्ताव किया गया है। स्टालिन ने कहा कि मातृभाषा तमिल हमारी पहचान है, हमारा गौरव है। तमिल और अंग्रेजी की द्विभाषी नीति हमारा दृढ़ संकल्प है और मैं इसकी पुष्टि करता हूं। मुख्यमंत्री ने उच्च शिक्षण संस्थानों में प्रवेश पाने वाले राज्य के सरकारी स्कूलों के विद्यार्थियों को प्रशंसा प्रमाण पत्र और लैपटॉप प्रदान किए।

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय में विद्वत्सपर्या का आयोजन, आईएमपीसी के साथ एमओयू

विद्यार्थियों को दिया जाएगा तकनीकी कौशल प्रशिक्षण

सच बेधड़क | नई दिल्ली

राष्ट्रीय राजधानी में जनकपुरी स्थित केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय में संस्कृत सप्ताह समारोह-2025 के अंतर्गत शुक्रवार को विश्वविद्यालय के सारस्वत सभागार में 'विद्वत्सपर्या' का भव्य आयोजन हुआ। इस दौरान विश्वविद्यालय और इंटरनेशनल मन्दिर प्रबन्धक परिषद के बीच एमओयू पर हस्ताक्षर हुए। इसके तहत विश्वविद्यालय एवं संबद्ध संस्कृत महाविद्यालयों के विद्यार्थियों तथा पुरोहितों को तकनीकी कौशल एवं रोजगार से जोड़ने के लिए प्रशिक्षण दिया जाएगा, जिसमें मंदिर प्रबंधन, अगरबत्ती निर्माण, वैदिक गणित आदि का प्रशिक्षण शामिल है। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. श्रीनिवास वरखेड़ी ने की। मुख्य अतिथि प्रो. अर्कनाथ चौधरी (पूर्व कुलपति, श्री सोमनाथ संस्कृत विश्वविद्यालय, गुजरात) थे। विशिष्ट अतिथि भारतीय उन्नत अध्ययन संस्थान शिमला की अध्यक्ष आचार्या डॉ. शशिप्रभा कुमार थीं। स्वागत भाषण छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. मदन मोहन झा ने दिया। विद्वत्सपर्या में डॉ. दिनेश यादव सहायक आचार्य, लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली ने प्रो. अर्कनाथ चौधरी ने विद्वत्गुणवर्णन पर प्रकाश डाला। इसी क्रम में डॉ. सुजाता त्रिपाठी ने आचार्या डॉ. शशिप्रभा कुमार योगदान पर विस्तृत चर्चा की। डॉ. शशिप्रभा कुमार ने 'मन' विषय पर विवेचन में इसके विभिन्न प्रकार, मन के छह लक्षण और ज्ञान-इन्द्रिय एवं कर्मेन्द्रिय से इसके संबंध पर चर्चा की। वहीं, प्रो. अर्कनाथ ने व्याकरण शास्त्र के धातुओं, महाभाष्य और पूर्वपदार्थ प्रधान समास की शास्त्रीय व्याख्या की। अध्यक्षीय उद्बोधन में कुलपति प्रो.श्रीनिवास वरखेड़ी ने कहा कि संस्कृत सप्ताह पूरे देश में धूमधाम से मनाया जा रहा है।

दिल्ली में केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय में विद्वत्सपर्या' कार्यक्रम के दौरान मौजूद विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. श्रीनिवास वरखेड़ी व अन्य लोग।

शोध पत्रिका का किया विमोचन

इस अवसर पर विश्वविद्यालय की षाण्मासिक शोध पत्रिका 'संस्कृत विमर्श' के 27वें अंक का विमोचन किया गया। कार्यक्रम में, भगवा आन टेक प्रा. लि. की जागृति मोटवानी, IPMC की अध्यक्ष प्रीत सिंधु विश्वविद्यालय के प्रकाशन विभाग के निदेशक प्रो. काशीनाथ न्योपाने, परीक्षा नियंत्रक प्रो. पवन कुमार, डॉ.अमृता कौर, प्रोजेक्ट ऑफिसर डॉ. विजय दाधीच, डॉ मंगेश इन्दापवार डॉ. डी. दयानाथ, डॉ प्रमोद बुटोलिया सहित अनेक विद्वान एवं शोधार्थी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन प्रो.गणेश पंडित (संयुक्त निदेशक, प्रकाशन विभाग) ने किया और धन्यवाद ज्ञापन संस्कृतोत्सव समिति की संयोजिका प्रो. लीना सक्करवाल ने किया।

शास्त्रवृति सम्मान से किया सम्मानित

इस अवसर पर आचार्या डॉ. शशिप्रभा कुमार एवं प्रो.अर्कनाथ चौधरी को शास्त्रवृति सम्मान से सम्मानित किया गया। उन्हें सम्मान स्वरूप ₹21,000 रुपए, शाल, श्रीफल एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया।

ग्रैंड फिनाले में टॉप 30 फाइनलिस्ट्स में हुआ विनिंग टाइटल के लिए मुकाबला

पलक मिश्रा मिस और शालिनी शर्मा बनीं मिसेज क्वीन ऑफ राजस्थान

बेधड़क | जयपुर

फैशन, ब्यूटी और क्रिएटिविटी का उत्सव स्टेट लेवल ब्यूटी पेजेंट 'क्वीन ऑफ राजस्थान - 2025' के चौथे सीजन का ग्रैंड फिनाले सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। जयपुर के सीकर रोड स्थित आपणो राजस्थान रिसोर्ट में आयोजित ग्रैंड फिनाले में टॉप 30 फाइनलिस्ट्स ने विनिंग टाइटल के लिए दावेदारी पेश की थी, लेकिन सभी प्रतिद्वंद्वियों को पीछे छोड़ते हुए 'मिस कैटेगरी' में पलक मिश्रा ने खिताब अपने नाम किया तो वहीं 'मिसेज कैटेगरी' में शालिनी शर्मा विनर रहीं।

मिस कैटेगरी में साक्षी सैनी (फर्स्ट रनरअप), ऊर्जा पटेल (सेकेंड रनरअप) और पिया मालन (थर्ड रनरअप) चुनी गईं। मिसेज कैटेगरी में नम्रता शर्मा (फर्स्ट रनरअप) और मोहिनी आर भारती (सेकेंड रनरअप) रहीं। पेजेंट के आयोजक मोनू वर्मा ने बताया कि यह पेजेंट कॉलेज गोइंग गर्ल्स से लेकर प्रोफेशनल मॉडल्स तक सभी के लिए सुनहरा मौका बनकर उभरा। ग्रैंड फिनाले में टॉप फाइनलिस्ट मॉडल्स ने तीन फैशन सीक्वेंस में अपने जलवे बिखेरे। आयोजन से जुड़ने वालों में देश के जाने-माने फैशन डिजाइनर्स संजय शर्मा, योगेश कुमार, नीवारा एकेडमी और सुनीता जैस्वानी शामिल रहे, जिन्होंने अपने अनोखे कलेक्शन्स से रैंप को एक नया आयाम दिया।

अंशिका गुप्ता।

मोनू वर्मा और डीके सिंह के साथ सिद्धि शर्मा, पिया मलान, पलक मिश्रा (विजेता - मिस कैटेगरी), साक्षी सैनी, ऊर्जा पटेल और दिव्यांशा शर्मा।

पलक मिश्रा।

एक्ट्रेस पीहू सिंह रहीं शो स्टॉपर

इस इवेंट की शो स्टॉपर रहीं सुप्रसिद्ध सुपरमॉडल और एक्ट्रेस पीहू सिंह, जिन्होंने अपनी मनमोहक उपस्थिति से मंच को जीवंत कर दिया। कार्यक्रम का संचालन बेहद आकर्षक अंदाज़ में लोकप्रिय आरजे राहुल ने किया, जबकि हर खास पल को कैमरे में कैद करने की जिम्मेदारी निभाई फोटोग्राफर अनिल सिंह ने। इस पूरे आयोजन के क्राउन पार्टनर रहे अविनाश गोयल, जिनके सहयोग से यह इवेंट और भी यादगार बन गया। कार्यक्रम में गेस्ट के तौर पर सुरेश चौधरी, प्रमोद गोयल, राजीव शर्मा, गौरव गुर्जर, अजय सिंह, अशोक बड़गूजर और डॉ. खुशबू मंडलोई ने शिरकत की।

टॉप मेकअप आर्टिस्ट ने दिया ग्लैम लुक

शो में ब्यूटी और ग्लैमर को निखारने का जिम्मा 13 टॉप मेकअप आर्टिस्ट्स - धारवी सैनी, ईशा गुप्ता, प्रगति शर्मा, सृष्टि झंगड़ा, सुनील शर्मा, त्रिप्ती डागा, चिंकी कुमावत, प्रिया सैनी, खुशबू शर्मा, अंजलि चौधरी, टीना जांगिड़ और राधिका ने बख़ूबी निभाया। फिटनेस कोच और सोशल मीडिया इनफ्लुएंसर डीके सिंह कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे और दर्शकों को फिटनेस और आत्मविश्वास का संदेश दिया। शो के निर्णायक मंडल में रहीं जानी-मानी हस्तियां दिव्यांशा शर्मा और अनीता यादव, जिन्होंने प्रतिभागियों की प्रतिभा को परखा और उनके प्रयासों को सराहा।

होलिस्टिक फिटनेस इवेंट 15 को

बेधड़क,जयपुर। अलमाइटी इंटरनेशनल एस्ट्रोलॉजी कॉन्क्लेव (एआईएसी) की ओर से 15 अगस्त को होलिस्टिक फिटनेस इवेंट का आयोजन किया जाएगा। इस कार्यक्रम में उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी बतौर मुख्य अतिथि शिरकत करेंगे। कार्यक्रम में वाटर आइस थैरेपी, साउंड बाउल हीलिंग, म्यूजिक और डांस थैरेपी, क्लिपिंग थैरेपी और योग एवं ध्यान जैसी सेशन शामिल होंगे जो शरीर, मन और आत्मा को पुनः ऊर्जा देने के लिए तैयार किए गए हैं। एक दिवसीय कार्यक्रम में युवा उद्यमियों का टॉक शो और सम्मान समारोह भी होगा, जिसमें करीब 250 से अधिक प्रतिभागी शामिल होंगे। जागरूक जीवनशैली, सामूहिक विकास को बढ़ाने और जैविक उत्पाद स्टॉल, होलिस्टिक परामर्श और इको-फ्रेंडली गिव-अवे इस कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण रहेंगे।

शिक्षकों ने उपमुख्यमंत्री को दिया ज्ञापन

बेधड़क,जयपुर। राजस्थान विश्वविद्यालय शिक्षक संघ (ARUTA) के एक प्रतिनिधिमंडल ने उपमुख्यमंत्री डॉ. प्रेम चंद बैरवा से मुलाकात की। प्रतिनिधिमंडल ने एक ज्ञापन सौंपा, जिसमें यह मांग की गई कि विश्वविद्यालय में चयन समिति द्वारा नियमानुसार (UGC रेगुलेशन 2010 के अंतर्गत) प्रोफेसर पद के लिए चयनित शिक्षकों को उनके प्रारंभिक नियुक्ति दिनांक से सेवा की गणना करते हुए सीएएस प्रोफेसर पद का लाभ दिया जाए। यह आदेश 25 सितंबर 2021 को सिंडिकेट की स्वीकृति के बाद जारी किए गए थे। संघ अध्यक्ष प्रो. बी.डी. रावत ने बताया कि उच्चतम न्यायालय के 29 नवंबर 2018 के अंतिम निर्णय के अनुसार केवल 85 शिक्षकों को ही पदस्थापन (फिक्सेशन) और एरियर्स का लाभ प्रदान नहीं किया गया है। इन 85 में से 7 प्रोफेसरों का पिछले 5 वर्षों में निधन भी हो चुका है। इस पर डॉ. बैरवा ने प्रतिनिधिमंडल को आश्वस्त किया कि विश्वविद्यालय से चर्चा के उपरांत फिक्सेशन और शेष देयकों का भुगतान शीघ्र कराया जाएगा। प्रतिनिधिमंडल में प्रो. एम.एस. शर्मा (महामंत्री), प्रो. दलवीर सिंह (उपाध्यक्ष), प्रो. आर.के. अग्रवाल सहित अन्य पदाधिकारी शामिल रहे।

City इवेंट्स

वेदों की वैश्विक प्रासंगिकता को किया उजागर

बेधड़क, जयपुर। संस्कृत दिवस पर वनस्थली विद्यापीठ, वैदिक संस्कार व शिक्षा बोर्ड (राजस्थान सरकार) और विश्वगुरुदीप आश्रम शोध संस्थान जयपुर की ओर से 'वैदिक संस्कृति आराधना' शीर्षक से व्याख्यान कार्यक्रम आयोजित किया गया। 'वेद और विश्व मानव' टॉपिक पर हुए आयोजन की शुरुआत तिलक, दीप प्रज्वलन और वैदिक मंत्रोच्चार से हुई। छात्राओं ने वैदिक मंगलाचरण प्रस्तुत कर रोमांचित किया। मुख्य वक्ताओं में महामंडलेश्वर स्वामी ज्ञानेश्वर पुरी, प्रो. कैलाश चतुर्वेदी व कपिल अग्रवाल सहित अनेक विद्वान शामिल हुए। प्रो. चतुर्वेदी ने वेदों की वैश्विक प्रासंगिकता पर प्रकाश डाला, जबकि कपिल ने गुरु-शिष्य परंपरा की महत्ता बताई। कार्यक्रम में छात्राओं ने संस्कृत गीत, वैदिक मंत्रोच्चार, 'ऐ मेरे वतन के लोगों' का संस्कृत रूपांतरण व भक्ति गीत प्रस्तुत किए। ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय की विदेशी छात्राओं ने भाग लिया। समापन पर प्रो. अनीता जैन ने आभार जताया और शांति मंत्र के सामूहिक पाठ के साथ कार्यक्रम संपन्न हुआ।

रुद्राभिषेक और श्रावण झूला महोत्सव

बेधड़क, जयपुर। नारायण धाम आश्रम में पीठाधीश्वर काठियां स्वामी रामरतन देवाचार्य के पावन सान्निध्य में भगवान शिव का रुद्राभिषेक और श्रावण झूला महोत्सव मनाया गया। इस अवसर पर संगठन के संरक्षक प्रभुदयाल शर्मा की ओर से संतों को प्रसादी वितरित की गई। कार्यक्रम में हवामहल विधायक बालमुकुंदाचार्य महाराज और केशव शमी सहित कई संत और श्रद्धालु उपस्थित रहे। संयोजक हेमंत शर्मा ने बताया कि आयोजन में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने रुद्राभिषेक में भाग लिया।

कॉम्पीटिशन में दिखाई क्रिएटिविटी

बेधड़क, जयपुर। महाराजा सवाई भवानी सिंह स्कूल में महाराजा सवाई मान सिंह द्वितीय म्यूजियम ट्रस्ट के सहयोग से जयपुर एजुकेशन फेस्टिवल के अंतर्गत इंटर स्कूल आर्ट कॉम्पीटिशन का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता का विषय मानसिक स्वास्थ्य व कल्याण था, जिसमें जयपुर के 20 विद्यालयों ने भाग लिया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में महाराजा सवाई मान सिंह द्वितीय म्यूजियम ट्रस्ट की कार्यकारी न्यासी रमा दत्त व संदीप सेठी उपस्थित रहे। निर्णायक मंडल में कला विशेषज्ञ नीता गलहोत्रा, रोहिणी सिंह, रेनू मीणा तथा लघुचित्रकार पद्मश्री एस. शाकिर अली शामिल थे। प्रिंसिपल वैदेही सिंह ने अतिथियों के साथ विजेताओं को पुरस्कार व प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया।

न्यूयॉर्क में 'राजस्थान एसोसिएशन ऑफ नॉर्थ अमेरिका (राना) डे' की हुई ऐतिहासिक घोषणा

सांस्कृतिक धरोहर, सेवा और एकता के योगदान का सम्मान

दशरथ दुग्गड़, आनंद नाहर, दिलीप चौहान, प्रेम भंडारी, हरिदास कोटेवाला, केके मेहता, डॉ. नरेंद्र हड़पावत, डॉ. अजय जैन और पास्टर गिलफोर्ड मोनरोज।

नॉर्थ अमेरिका राजस्थान संघ की महिला विंग के साथ न्यूयॉर्क सिटी के अंतरराष्ट्रीय मामलों के डिप्टी कमिश्नर दिलीप चौहान।

बेधड़क | जयपुर

न्यूयॉर्क सिटी के मेयर एरिक एडम्स ने राजस्थानियों की सांस्कृतिक धरोहर, सेवा और एकता के योगदान को सम्मानित करते हुए आधिकारिक रूप से 'राजस्थान एसोसिएशन ऑफ नॉर्थ अमेरिका (राना) डे' घोषित किया है। न्यूयॉर्क सिटी हॉल में राना के सिल्वर जुबली समारोह के दौरान यह घोषणा की गई। मेयर के कार्यालय के अंतरराष्ट्रीय मामलों के उपायुक्त दिलीप चौहान ने उद्घोषणा पत्र सौंपते हुए राना के 25 वर्षों की सेवाओं और उपलब्धियों की सराहना की।

डॉ. रेखा भंडारी से संवाद करते मेयर एरिक एडम्स। साथ में हैं प्रेम भंडारी, केके मेहता, दिलीप चौहान, रवि जरगढ़, डॉ. राज मोदी व अन्य।

इस अवसर पर स्वयं मेयर एरिक एडम्स ने समारोह में उपस्थित होकर राजस्थानी-अमेरिकी समुदाय की न्यूयॉर्क की बहुसांस्कृतिक विरासत में भूमिका को रेखांकित किया।

राना अध्यक्ष डॉ. प्रेम भंडारी ने इसे विश्वभर में बसे दो मिलियन से अधिक राजस्थानियों और भारत के 10 करोड़ निवासियों के प्रति सम्मान बताया। कार्यक्रम में मेयर कार्यालय कमिश्नर ऐसाता कैमारा, उपायुक्त दिलीप चौहान और पादरी गिलफोर्ड मोनरोस सहित राना संस्थापक, पूर्व अध्यक्ष और समुदाय प्रमुख सदस्य शामिल हुए। इनमें संस्थापक सदस्य व प्रथम अध्यक्ष के.के. मेहता, पूर्व अध्यक्ष आनंद नाहर, हरिदास कोठेवाला, डॉ. नरेंद्र हदपावत, डॉ. अजय जैन, दशरथ दुगर, सह-संस्थापक राजेश साहा, उपाध्यक्ष डॉ. शरद कोठारी, सचिव रवि जागरग, कोषाध्यक्ष नीलम मोदी, बोर्ड सदस्य बीना कोठारी, डॉ. सामिन शर्मा, डॉ. रवि मुरारका, जुगल किशोर लड्डा, शरद अग्रवाल, अजय पटेल, हरीश ठक्कर, शैलेश जालानी तथा प्रमुख ज्वेलर्स कैलाश रावत, कैलाश जालानी, श्याम सराफ शामिल रहे।

पोस्टर विमोचन | **झरोखा उत्सव में राज्य की कला और विरासत होगी जीवंत**

जयपुर में 4 हजार महिलाएं लहरिया में सजकर रचेंगी इतिहास

बेधड़क | जयपुर

जयपुर को स्वच्छ बनाए रखने में महिलाओं की बड़ी भूमिका है। वे परिवार की जिम्मेदारी के साथ-साथ शहर को क्लीन रखने की जिम्मेदारी भी बखूबी निभा रही हैं। यही कारण है कि सैकड़ों महिलाओं को एक अनूठे मंच से सम्मानित किया जाएगा। यह मंच होगा 'झरोखा', जो जयपुर में सजाया जाएगा।

यह कहना था बन्नाजी फिल्म्स के डायरेक्टर गजराज सिंह नाथावत का, जो 14 अगस्त को हाथोज बाग रिसॉर्ट में 'झरोखा लहरिया उत्सव' का आयोजन करेंगे। उन्होंने बताया कि करीब 4000 महिलाएं इसमें शिरकत करेंगी और महिलाओं के सम्मान सहित अनेक सांस्कृतिक प्रस्तुतियां होंगी। नाथावत ने बताया कि राजस्थान की संस्कृति और रंगों से सराबोर 'झरोखा लहरिया उत्सव' में राज्य की कला और विरासत की जीवंतता देखने को मिलेगी। विआन ग्रुप और बन्नाजी फिल्म्स की अगुवाई में सोल डांस एकेडमी और शिव ज्वैलर्स के तत्वावधान में कालवाड़ रोड स्थित हाथोज बाग में यह उत्सव यादगार बनेगा। इसके लिए वैशाली नगर स्थित स्वर्णा कॉस्मेटिक परिसर में आयोजित कार्यक्रम में बन्नाजी फिल्म्स के डायरेक्टर गजराज सिंह नाथावत, शिव ज्वैलर्स के डायरेक्टर हुकुम सिंह राठौड़, सोल डांस एकेडमी से नेहा विजयवर्गीय, मरुधर हॉस्पिटल की डायरेक्टर डॉ. रिम्मी शेखावत, शिवराज सिंह, केवा काईपो इंडस्ट्रीज के डायरेक्टर हेमंत चंदवानी, महागुरु आयुर्वेद के डायरेक्टर लालचंद कुमावत, करणी कैटर्स के डायरेक्टर किशन सिंह, हाथोज बाग रिसॉर्ट के डायरेक्टर महेश यादव, बेटी फाउंडेशन से राहुल शर्मा व राज शर्मा, मिस इंडिया क्राउन अम्बिका माथुर, कावेरी चौधरी, आंचल चौधरी, सिद्धि राठौड़, एंजेल चौहान, रिया महावर, नैना कुमारी, अंकिता सिंह और खुशी प्रजापत ने पोस्टर विमोचन किया।

नाथावत ने बताया कि झरोखा लहरिया उत्सव का उद्देश्य राजस्थान की विरासत का जश्न मनाना है, जिसमें पारंपरिक कलाओं, शिल्पों और प्रदर्शनों को प्रदर्शित किया जाएगा। उत्सव में लहरिया थीम पर फैशन शो, राधाकृष्ण थीम पर नृत्य-नाटिका, राजस्थानी लोक नृत्य की प्रस्तुतियां, पारंपरिक संगीत, स्थानीय हस्तशिल्प और प्रामाणिक व्यंजनों का स्वाद शामिल होगा। इस उत्सव में विभिन्न क्षेत्रों में योगदान देने वाली 161 महिलाओं को सम्मानित किया जाएगा।

पोस्टल रजि. नं. : जयपुर सिटी/006/2023-25

न्यूज़ बेधड़क

FIRST INDIA

सच बेधड़क

जयपुर, शनिवार, 09 अगस्त, 2025

रक्षाबंधन के सुंदर प्रेमपूर्ण त्यौहार की हार्दिक शुभकामनाएं।

डॉ. जगदीश चंद्र,
सीएमडी एंड एडिटर इन चीफ

NCRT की कक्षा 8 की पुस्तक में त्रुटि सुधार को लेकर शेखावत की केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान से मुलाकात

‘मराठा साम्राज्य के नक्शे में राजस्थान को दिखाना ऐतिहासिक भूल’

बेधड़क | नई दिल्ली/जयपुर

केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने एनसीआरटी की कक्षा 8वीं सामाजिक विज्ञान की पाठ्यपुस्तक में तत्कालीन राजस्थान के भू-भाग को मराठा साम्राज्य के नक्शे में दर्शाए जाने पर केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान से गंभीर विमर्श किया। शेखावत ने बैठक के बाद कहा कि इतिहास की सत्यता और उससे जुड़ी जनभावना का पूरा सम्मान है और रहेगा।

केंद्रीय मंत्री शेखावत ने बताया कि इससे पहले भी संसद सत्र के दौरान उन्होंने इस विषय पर शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान से चर्चा की थी। इसके बाद इतिहासकारों की एक समिति बनाई गई। शुक्रवार को पुनः केंद्रीय शिक्षा मंत्री से मुलाकात कर उन्होंने ऐतिहासिक तथ्यों से अवगत कराया, जिनसे स्पष्ट होता है कि तत्कालीन राजस्थान के भूभाग मराठा साम्राज्य के अंतर्गत नहीं आते थे।

शेखावत ने कहा कि उन्हें पूरा विश्वास है कि इतिहासकार इन तथ्यों को प्राथमिकता देंगे और जल्द ही इस त्रुटि को सुधारते हुए सही नक्शा प्रकाशित किया जाएगा। उन्होंने केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को पत्र लिखकर एनसीआरटी की कक्षा 8 की सामाजिक विज्ञान की पुस्तक में तथ्यात्मक गलत चित्रण पर तत्काल संज्ञान लेकर आवश्यक संशोधन करने की मांग भी की है।

केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान से विचार-विमर्श करते केंद्रीय संस्कृति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत।

भाजपा नेता राजेंद्र राठौड़ ने भी केंद्रीय शिक्षा मंत्री को लिखा पत्र

वहीं भाजपा के वरिष्ठ नेता और पूर्व नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़ ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को एक पत्र लिखकर NCERT की कक्षा 8 की सामाजिक विज्ञान की नई पाठ्यपुस्तक ‘Exploring Society: India and Beyond’ में इतिहास के तथ्यों के गलत चित्रण पर तत्काल संज्ञान लेने और आवश्यक संशोधन करने की मांग की है। राठौड़ ने अपने पत्र में बताया कि नई पाठ्यपुस्तक के जुलाई 2025 संस्करण में प्रकाशित एक मानचित्र में मराठा साम्राज्य के 1759 के विस्तार को दर्शाते समय राजस्थान की कई स्वतंत्र और संप्रभु रियासतों जैसे मेवाड़, जैसलमेर, बीकानेर, जोधपुर, बूंदी, अलवर, धौलपुर, भरतपुर आदि को गलत तरीके से मराठा साम्राज्य का हिस्सा दिखाया गया है। उन्होंने कहा कि यह चित्रण राजस्थान की जन भावना को ठेस पहुंचाता है और ऐतिहासिक साक्ष्यों के विपरीत है। राठौड़ ने पत्र में बताया कि ये रियासतें मराठा साम्राज्य के अधीन कभी नहीं रहीं और अपनी स्वतंत्रता और स्वाभिमान की रक्षा के लिए संघर्षरत रहीं।

बेधड़क FIRST

जयपुर में ट्रैफिक जाम ने बदली सामाजिक रिश्तों की दिशा और दशा!

जयपुर में ट्रैफिक जाम सामाजिक रिश्तों में दूरियों की वजह बना। दरअसल, राजधानी में बढ़ते ट्रैफिक जाम ने आमजन की दिनचर्या के साथ-साथ सामाजिक रिश्तों को भी प्रभावित करना शुरू कर दिया है। खासतौर पर टोंक रोड, दिल्ली रोड और वैशाली नगर क्षेत्र में होने वाली आयोजनों में लोग शामिल होने से बच रहे हैं। लोगों का कहना है कि डेढ़-डेढ़ घंटे तक ट्रैफिक में फंसने की वजह से अब वे इन इलाकों में आयोजित होने वाले पारिवारिक आयोजनों से दूरी बना रहे है। सबसे चिंताजनक बात यह है कि इन व्यस्त सड़कों पर ट्रैफिक पुलिसकर्मी भी नजर नहीं आते। नागरिकों का आरोप है कि प्रशासन और ट्रैफिक पुलिस ने जैसे इसे ‘प्राकृतिक आपदा’ मानकर हालात के आगे हथियार डाल दिए हैं।

लुटियंस जोन का 5, सुनहरी बाग स्थित बंगला बनेगा विपक्ष का नया पावर सेंटर!

लुटियंस दिल्ली स्थित 5, सुनहरी बाग रोड पर राहुल गांधी का सरकारी आवास अब विपक्ष के लिए एक नए पावर सेंटर के रूप में उभर रहा है। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष बनने के बाद राहुल गांधी के इस आवास पर पहली राजनीतिक हलचल गुरुवार को देखने को मिली। ‘इंडिया’ गठबंधन के प्रमुख नेता जैसे अखिलेश यादव, तेजस्वी यादव, फारूक अब्दुल्ला, शरद पवार, उद्धव ठाकरे, कनिमोझी और महबूबा मुफ्ती ने डिनर पर एक साथ बैठकर आगे की रणनीति पर चर्चा की। इस दौरान चुनाव आयोग के खिलाफ विरोध की रूपरेखा भी तैयार की गई। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि जिस तरह कभी 10, जनपथ (सोनिया गांधी का आवास) कांग्रेस की शक्ति का केंद्र रहा, अब वैसा ही असर 5, सुनहरी बाग रोड पर दिखने लगा है।

अनास नदी का पानी बनेगा किसानों का सहारा, तीन जिलों में विकसित होगा कमांड एरिया

दक्षिणी राजस्थान के किसानों के लिए एक खुशखबरी सामने आई है। अनास नदी से जुड़े क्षेत्रों में जल वितरण के लिए नया कमांड एरिया विकसित किया जा रहा है, जिससे बांसवाड़ा, डूंगरपुर और उदयपुर जिले के हजारों किसानों को सिंचाई सुविधा मिल सकेगी। करीब 16 हजार हैक्टेयर भूमि पर बनने वाले इस कमांड एरिया के लिए 15 करोड़ 60 लाख रुपए की डीपीआर तैयार की जा रही है। इंटर लिंकिंग ऑफ रिवर्स योजना के तहत अनास नदी पर गराडिया एनिकट से 5 बांधों को अपवर्तित जल उपलब्ध कराया जाएगा। इन बांधों में कनिकारा (69 MQM), गरतखोरा (29.38 MQM), सोनारी (124.48 MQM), और रतनपुरा गड़िया (85.13 MQM) शामिल हैं।

दिव्यांग बहनों ने बांधा रक्षा सूत्र, सीएम ने किया सुरक्षा का वादा

CM हाउस में गूंजे राखी के गीत महका भाई और बहन का रिश्ता

बेधड़क | जयपुर

रक्षाबंधन पर्व के उपलक्ष्य में मुख्यमंत्री निवास पर शुक्रवार को आयोजित कार्यक्रम में जयपुर शहर के विभिन्न क्षेत्रों से आई बहनों ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को राखी बांधी। इस दौरान मुख्यमंत्री की धर्मपत्नी गीता शर्मा भी मौजूद रहीं। मुख्यमंत्री ने उपस्थित बहनों को संबोधित करते हुए कहा कि हमारी संस्कृति में भाई-बहन का रिश्ता बहुत स्नेहपूर्ण होता है। बहन अपने भाई की दीर्घायु और उन्नति के लिए ईश्वर से सदैव प्रार्थना करती है। सीएम भजनलाल ने कहा कि बहनों द्वारा बांधी गई राखी उनका मजबूत सुरक्षा कवच है। इस रक्षासूत्र में बहनों का प्यार, स्नेह और आशीर्वाद है, जिससे उन्हें और अधिक ऊर्जा के साथ कार्य करने की ताकत मिली है। मुख्यमंत्री ने कहा कि रक्षाबंधन पर्व को ध्यान में रखते हुए राज्य सरकार ने प्रदेश की सभी बहनों के लिए रोडवेज बसों में दो दिन की निःशुल्क यात्रा की सुविधा दी है।

बहनें बोलीं- ऐसा लग रहा जैसे भाई को राखी बांधने मायके आई हैं

मुख्यमंत्री को राखी बांधने के दौरान बहनों के चेहरों पर खुशी और उत्साह नजर आया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री निवास पर आकर ऐसा महसूस हो रहा है कि हम अपने भाई को राखी बांधने मायके आई हैं। उन्होंने प्रदेश में महिला सशक्तीकरण की दिशा में उठाए गए महत्वपूर्ण कदमों और विभिन्न योजनाओं के संचालन के लिए सीएम भजनलाल का धन्यवाद ज्ञापित किया।

मुख्यमंत्री निवास पर शुक्रवार को CM भजनलाल शर्मा और उनकी धर्मपत्नी गीता शर्मा को राखी बांधतीं महिलाएं।

मुख्यमंत्री ने संस्कृत दिवस पर दी शुभकामनाएं

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने संस्कृत दिवस (श्रावण पूर्णिमा) के अवसर पर प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दी हैं। सीएम ने कहा कि संस्कृत विश्व की सबसे प्राचीन भाषा होने के साथ ही अनेक भाषाओं की जननी भी है। वेदों की ऋचाओं से लेकर पतंजलि योगसूत्र तक समस्त प्राचीन ज्ञान संस्कृत की ही देन है। संस्कृत भारतीय संस्कृति और संस्कारों की अभिव्यक्ति है। इसीलिए कहा गया है ‘भारतस्य प्रतिष्ठे द्वे संस्कृतं संस्कृतिस्तथा’।

दिव्यांगों की हर जरूरत पूरी करेगी सरकार

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शुक्रवार को जामडोली स्थित सामाजिक न्याय संकुल परिसर में आयोजित ‘विशेष योग्यजन बहन सम्मान दिवस’ कार्यक्रम में हिस्सा लिया। इस अवसर पर उन्होंने दिव्यांग बहनों से राखी बंधवाई और उनकी सेवा, सुरक्षा व सशक्तीकरण का वादा किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सीएम शर्मा ने कहा कि उनकी सरकार दिव्यांगजनों की हर आवश्यकता को पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने जनप्रतिनिधियों से आह्वान किया कि वे समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति के दर्द को समझें और उनकी मदद करें। कार्यक्रम में 6 साल की चीकू, दीपू और मंजू सहित कई दिव्यांग बहनों ने सीएम को राखी बांधी। सीएम ने उन्हें उपहार देकर सम्मानित किया और माथे पर हाथ रखकर आशीर्वाद दिया। दिव्यांग बहनों द्वारा बांधी गई राखी को रक्षा कवच बताते हुए सीएम ने कहा कि जिस भाव से यह रक्षा का धागा बांधा है, उस भाव के अनुरूप काम करने का पूरा प्रयास करूंगा। हमारा समाज मानव शरीर की तरह है। अगर अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति की पीड़ा का अनुभव नहीं होगा, तो यह जीवन सार्थक नहीं हो सकता। उन्होंने अंत्योदय की भावना के साथ काम करने और समाज के हर वर्ग को खुशहाल बनाने पर जोर दिया। सीएम ने डॉ. बीएम भारद्वाज और उनकी पत्नी द्वारा दिव्यांग भाई-बहनों की सेवा को सराहा। उन्होंने कहा कि यह संस्था, जो कभी दो कमरों से शुरू हुई थी, आज एक बड़ी बिल्डिंग में संचालित हो रही है। यह सेवा का अनुकरणीय उदाहरण है। कार्यक्रम में कैबिनेट मंत्री अविनाश गहलोत भी मौजूद रहे। सीएम ने पौधरोपण भी किया और सामाजिक न्याय संकुल में विशेष योग्यजन बहनों के सम्मान समारोह को यादगार बनाया

संस्कृति मंत्रालय का निदेशक पद संभालेंगे

IAS इंद्रजीत सिंह केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर जाएंगे

बेधड़क | जयपुर

राजस्थान कैडर के 2010 बैच के आईएएस अधिकारी इंद्रजीत सिंह अब केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर नई भूमिका निभाएंगे। भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय में उन्हें निदेशक पद पर नियुक्त किया गया है। वे यह पदभार कार्यग्रहण की तारीख से अगले पांच वर्षों के लिए या अगले आदेश तक संभालेंगे। केंद्र सरकार के कार्मिक विभाग ने इंद्रजीत सिंह को जल्द कार्यमुक्त करने के लिए राजस्थान सरकार से आग्रह किया है ताकि वे नई जिम्मेदारी समय पर संभाल सकें।

वर्तमान में वे डीएलबी में निदेशक के पद पर कार्यरत हैं। इससे पहले वे राजस्थान हाउसिंग बोर्ड के कमिश्नर और रीको के प्रबंध निदेशक जैसे अहम पदों पर अपनी सेवाएं दे चुके हैं। फिलहाल वे 16 अगस्त तक मसूरी में प्रशासनिक प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग ले रहे हैं। इसके बाद वे नई जिम्मेदारी संभाल सकते हैं।

केंद्रीय मंत्री शेखावत की राहुल गांधी को नसीहत

जोधपुर। केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए सलाह दी कि वे जेब में रखी संविधान की पुस्तक को पढ़ें भी। जोधपुर एयरपोर्ट पर मीडिया से बातचीत में शेखावत ने कहा कि राहुल गांधी को भारत की चुनाव प्रक्रिया और संविधान प्रदत्त व्यवस्थाओं की सामान्य जानकारी भी नहीं है, वरना वे ऐसे बयान नहीं देते। शेखावत ने स्पष्ट किया कि चुनाव कराना, मतदाता सूचियों का रख-रखाव व सुधार पूर्ण रूप से चुनाव आयोग की तय प्रक्रियाओं के तहत होता है। किसी का नाम गलत जुड़ने या हटने पर रिटर्निंग ऑफिसर, जिला निर्वाचन अधिकारी या राज्य चुनाव आयोग में अपील का संवैधानिक प्रावधान है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी मीडिया में बयानबाजी के बजाय अपनी पार्टी कार्यकर्ताओं को इन संवैधानिक अधिकारों के प्रयोग के लिए कहें।

चुनाव आयोग की निष्पक्षता पर पूर्व सीएम ने उठाए सवाल

राहुल गांधी की प्रेजेंटेशन ‘एटम बम’... असर पूरे देश में: गहलोत

बेधड़क | जयपुर

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के चुनाव आयोग पर लगाए गए आरोपों के बाद पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने राहुल गांधी का समर्थन करते हुए चुनाव आयोग की निष्पक्षता पर गंभीर सवाल उठाए हैं। गहलोत ने जयपुर आवास पर पत्रकार वार्ता में कहा कि पहले चुनाव आयोग की साख इतनी मजबूत थी कि दूसरे देश अपने यहां चुनाव करवाने के लिए ट्रेनिंग लेते थे, लेकिन अब

जनता इसे शक की नजर से देख रही है। उन्होंने कहा कि बीजेपी ने अपने अलोकतांत्रिक व्यवहार से संवैधानिक संस्थाओं का सत्यानाश कर दिया है।

मतदाता सूचियों में हेराफेरी पर पायलट ने EC से मांगा जवाब

पूर्व उपमुख्यमंत्री और एआईसीसी महासचिव सचिन पायलट ने मतदाता सूचियों में कथित हेराफेरी और पारदर्शिता की कमी को लेकर चुनाव आयोग से स्पष्टीकरण मांगा है। उन्होंने कहा कि आयोग, एक संवैधानिक संस्था होने के बावजूद, अपने कार्यों और निष्क्रियता के चलते निष्पक्षता साबित करने में विफल रहा है।

जिस डाल पर बैठे उसी को काटने जैसा है राहुल का दावा: भूपेंद्र

नई दिल्ली। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में धांधली के कांग्रेस नेता राहुल गांधी के आरोपों पर भाजपा ने तीखा पलटवार किया है। केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव ने कहा कि राहुल का कथित ‘खुलासा’ एटम बम नहीं, बल्कि ‘जिस डाल पर बैठे हों उसी को काटने’ जैसा है, क्योंकि कांग्रेस और उसके सहयोगियों ने अधिकतर सीटें वहीं जीतीं, जहां मतदाताओं की संख्या बढ़ी है। यादव ने निर्वाचन आयोग के आंकड़ों का हवाला देते हुए कहा कि महाराष्ट्र में पिछले वर्ष नवंबर में हुए विधानसभा चुनाव में मतदाताओं की संख्या लोकसभा चुनाव की तुलना में 40 लाख से अधिक बढ़ी, न कि एक करोड़ जैसा कि राहुल ने दावा किया।

18 को दिल्ली में सलेक्शन बोर्ड की मीटिंग प्रस्तावित

RPS से IPS में प्रमोशन पाने वाले पुलिस अफसरों को जल्द मिल सकती है खुशखबरी

राजेंद्र छाबड़ा | बेधड़क

जयपुर। आरपीएस से आईपीएस में प्रमोशन पाने वाले पुलिस अधिकारियों के लिए खुशखबरी है। उनके इंतजार की घड़ियां खत्म होने जा रही हैं। अगर सब कुछ सामान्य रहा, तो 18 अगस्त को दिल्ली में यूपीएससी के साथ सलेक्शन बोर्ड की मीटिंग प्रस्तावित है। तब 2024 की 5 वैकेंसी के बदले 5 आरपीएस को आईपीएस में प्रमोशन की क्लीयरेंस मिलेगी। गौरतलब है कि बोर्ड की यह मीटिंग ‘ओवर-ड्यू’ हो गई है। यह मार्च-अप्रैल में ही हो जानी चाहिए थी, क्योंकि 5 के बदले जिन 15 आरपीएस अधिकारियों का पैनल बनना था, वह तो पिछले वर्ष ही तैयार हो गया था।

इसे यूं समझा जा सकता है कि 2023 की 8 वैकेंसी के बदले वर्ष 2023 में कुल 24 नामों का पैनल यूपीएससी को भेजा गया था। तब इनमें से 8 अधिकारी ही प्रमोट हुए थे। ऐसे में प्रमोशन के योग्य और सभी औपचारिकताओं की पूर्ति वाले 16 नाम बचे रह गए थे। 2024 की 5 वैकेंसी के बदले उक्त 16 नामों में से ही 15 नामों का पैनल दिल्ली भेजा जाना था और इन्हीं में से 5 सीनियर मोस्ट नामों को सलेक्ट किया जाना था। यह प्रक्रिया फरवरी-मार्च में ही हो सकती थी, क्योंकि सब कुछ तैयार था। लेकिन सूत्रों के अनुसार, ‘दिल्ली’ ने एक मोटा ऑब्जेक्शन लगा दिया। कहा गया कि इन 15 नामों का वर्ष 2024 के अगले वर्ष का भी इंटिग्रिटी सर्टिफिकेट होना चाहिए। बस इसी ऑब्जेक्शन की पूर्ति में डीओपी पिछले छह महीने से लगा हुआ था। 15 नामों के वर्ष 2024 के उक्त सर्टिफिकेट्स के साथ डीओपी ने पिछले महीने ही पैनल यूपीएससी को भेज दिया था। यूपीएससी ने 13 अगस्त की तारीख भी दे दी थी, लेकिन इस दिन मुख्य सचिव सुधांश पंत खाली नहीं हैं, इसलिए अब डीओपी ने 18 अगस्त की तारीख प्रस्तावित की है। उल्लेखनीय है कि वर्ष 2024 की वैकेंसी के बदले आरएएस से आईएएस में तो 16 अधिकारी 30 जून को ही प्रमोट हो चुके हैं, जबकि आरपीएस अधिकारी अभी इंतजार की घड़ियां ही गिन रहे हैं।

श्रीगंगानगर के पूर्व कलेक्टर भू-आवंटन में फंसे, रेवेन्यू बोर्ड की तबादला सूची फिर बनी चर्चा का विषय

उधर, भू-आवंटन के एक गंभीर प्रकरण में एक आईएएस अधिकारी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मंजूरी का मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का फैसला समूचे कॉडर में चर्चा का विषय बना गया है, क्योंकि फैसला असामान्य है।

डीओपी ने हालांकि इस आईएएस का नाम अभी उजागर नहीं किया है, लेकिन सूत्रों के अनुसार भू-आवंटन का यह मामला श्रीगंगानगर का बताया जा रहा है। उक्त आईएएस ने जिले में कलेक्टर रहते अनियमित आवंटन का कार्य किया था। रेवेन्यू बोर्ड में एकमुश्त 541 तहसीलदारों व नायब तहसीलदारों के ताजा तबादलों ने चौंकाया है। ट्रांसफर पर बैन के रहते यह तबादले होना खास बात है। गौरतलब है कि पिछले वर्ष भी अक्टूबर में गांधी जयंती की छुट्टी के दिन 2 अक्टूबर को इसी तरह 500 नामों की जम्बो ट्रांसफर लिस्ट जारी की गई थी। तब भी रेवेन्यू बोर्ड की यह कार्रवाई चर्चा का विषय बनी थी। बताया गया है कि तब भी और इस बार भी मुख्यमंत्री की विशेष मंजूरी इन जम्बो ट्रांसफर लिस्ट के लिए ली गई है।

प्रशासनिक जानकारों का कहना है कि एक वर्ष के अंतराल में 700 के कॉडर में से 500-500 तहसीलदारों व नायब तहसीलदारों के तबादले रेवेन्यू बोर्ड की कार्यशैली पर प्रश्न चिन्ह लगाते हैं। बताया गया है कि दोनों ही बार की लिस्ट में जबरदस्त राजनीतिक दखलंदाजी रही है। ‘गुड गवर्नेंस’ के लिए यह स्थिति सही नहीं है।

शिक्षा जगत की दो घटनाओं ने लोगों को चौंकाया

शिक्षा जगत से जुड़ी दो ताजा खबरों ने ध्यान आकर्षित किया है। खबरें असामान्य घटनाओं से जुड़ी हैं। इनकी गूंज ने लोगों को चौंकाया है। करौली जिले के एक छोटे से गांव इनायती के स्कूल में शुक्रवार को छात्रों व ग्रामीणों ने ताला जड़ दिया। यूं तो स्कूलों के ताले लगना कोई नई बात नहीं है, लेकिन जब यह ताला खुद छात्र व ग्रामीण लगाएं तो मामला गंभीर हो जाता है। अपने प्रिय प्रिंसिपल संतराम मीणा को एपीओ किए

जाने के विरोध में स्कूल को ताला लगाया गया। महत्वपूर्ण बात तो यह है कि प्रिंसिपल के समर्थन में गांव के सभी बाजार भी बंद हो गए। गांव वालों का कहना है कि संतराम मीणा कुछ स्थानीय नेताओं की राजनीतिक-द्वेषता के शिकार हुए हैं। एक शिक्षक के साथ आमजन का यह प्रेम और प्रशासन का यह अनुचित सलूक छोटी घटना को बड़ी बनाता है। दूसरी घटना बहरोड़ की है। शुक्रवार को शिक्षा मंत्री मदन दिलावर जब वहां दौरे पर पहुंचे, तो उनके समर्थकों ने उत्साह की सीमा ही लांघ दी। स्वागत में बैंड-बाजों की धूम मचा दी, मंत्री की गाड़ी को फूलमालाओं से लाद दिया और रास्ते भर फूल बरसाते रहे। हालांकि मंत्री ने समर्थकों को कहा भी कि ‘मेरा स्वागत मत करो।’ लेकिन सवाल यह है कि अकारण ही ऐसा उत्साह दिखाने का आखिर औचित्य क्या है? ऐसे में जबकि झालावाड़ की दुखांतिका को बीते अभी ज्यादा दिन नहीं हुए हैं।

फर्स्ट एक्सप्रेस पब्लिशर्स के लिए मुद्रक व प्रकाशक अनिता हाड़ा सागवान द्वारा सच बेधड़क दैनिक हिन्दी अखबार, 304-308 थर्ड फ्लोर, सिटी मॉल, भगवानदास रोड, सी-स्कीम जयपुर-302001 (राजस्थान) से प्रकाशित एवं भास्कर प्रिंटिंग प्रेस, डीबी कॉर्प लि., शिवदासपुरा, टोंक रोड, जयपुर (राजस्थान) से मुद्रित।
प्रधान संपादक: डॉ. जगदीश चंद्र, **प्रबंध संपादक:** पवन अरोड़ा, **संपादक:** मनोज माथुर*, **RNI No. :** RAJHIN/2021/82557 **फोन नं. :** 0141-4920504 (ऑफिस), **ई-मेल:** sachbedhadakdaily@gmail.com, *समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार।